हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची • सोमवार • 15.09.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 55 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

प्रधानमंत्री मोदी ने असम को दी 18 हजार करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

असम से निकले पेट्रोलियम उत्पाद देश के विकास को गति देते हैं : नरेंद्र मोदी

एजेंसी

गोलाघाट/दरांग : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक शासन किया, लेकिन नॉर्थ-ईस्ट और असम को केवल हिंसा, विवाद और अलगाव की राजनीति दी, जबकि भाजपा की डबल इंजन सरकार असम की पहचान और विरासत को सशक्त कर आधुनिक विकास की ओर अग्रसर कर रही है।

प्रधानमंत्री असम में गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ में असम बायो-एथेनॉल प्लांट का उद्घाटन और पॉलीप्रोपाइलीन प्लांट का शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान असम को 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने असम और पूर्वोत्तर को घाव दिए, वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दिया और जमीनें घुसपैठियों को आवंटित कर दीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राज्य की जनसांख्यिकी से खिलवाड़ किया और असम के लोगों को उसकी कीमत चुकानी पड़ी। हमारी सरकार ने घुसपैठ की इस समस्या से निपटने का संकल्प लिया है और लोगों की जमीनें वापस दिलाई जा रही हैं।

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस शासन में बांस काटने पर पाबंदी थी और आदिवासी समाज के लोग, जिनकी रोजमर्रा की जिंदगी बांस पर निर्भर थी, उन्हें जेल भेजा जाता था। मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने यह प्रतिबंध हटाकर आदिवासियों और पूर्वोत्तर की जनता को राहत दी और आज इसी फैसले से लोगों को लाभ हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने असमिया भाषा को क्लासिकल लैंग्वेज का दर्जा देकर उसकी सांस्कृतिक महत्ता को मान्यता दी और लाचित बोरफुकन की विरासत को सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार असम की पारंपरिक पहचान को आधुनिक आकांक्षाओं से जोड़ते हुए एक नए युग की शुरूआत कर रही है।

मोदी ने कहा कि असम भारत की ऊर्जा सामर्थ्य को बढ़ाने वाली धरती है। यहां से निकले पेट्रोलियम उत्पाद देश के विकास को गति देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की राह पर है। उन्होंने याद दिलाया कि एक दशक पहले तक भारत सोलर पावर के मामले में पिछड़ा हुआ था, लेकिन आज यह दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे तेजी से विकसित होने वाला देश है। बिजली, गैस और ईंधन की हमारी जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। पहले हम इन सबके लिए विदेशी देशों पर निर्भर रहते थे, लेकिन अब आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य सामने है।

प्रधानमंत्री ने गोलाघाट में असम बायो-एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड नुमालीगढ़ रिफाइनरी के सेकेंड जेनरेशन बायो-एथेनॉल प्लांट का उद्घाटन किया। यह दुनिया का पहला आधुनिक संयंत्र है, जिसमें बांस से बायो-एथेनॉल बनाया जाएगा। उन्होंने साथ ही पॉलीप्रोपाइलीन प्लांट का शिलान्यास भी किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये संयंत्र असम में उद्योगों को बल देंगे, किसानों और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करेंगे और असम के विकास को नई गति देंगे। मेडिकल, पैकेजिंग और टेक्सटाइल सहित अनेक क्षेत्रों में इन उत्पादों का उपयोग होगा। यह संयंत्र मेक इन इंडिया को मजबूत बनाएगा।

उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर मिशन में भी असम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मोरीगांव में सेमीकंडक्टर फैक्ट्री का निर्माण तेजी से चल रहा है, जिस पर 27 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक चिप्स आज हर क्षेत्र - मोबाइल फोन से लेकर हवाई जहाज और अंतरिक्ष मिशन तक - की आत्मा हैं और भारत को आत्मनिर्भर बनाने में असम की अहम भूमिका होगी। मोदी ने कहा कि असम की उपजाऊ मिट्टी और मेहनती लोगों ने असम चाय को वैश्विक ब्रांड बनाया है।

एक नजर

खराब मौसम के चलते नहीं शुरू हो पाई माता वैष्णो देवी यात्रा

जम्मू : माता वैष्णो देवी यात्रा खराब मौसम के कारण 19 दिनों के अंतराल के बाद रविवार से नहीं शुरू हो पाई और अगले आदेशों तक स्थगित कर दी गई है। भवन और ट्रैक पर लगातार बारिश के चलते यात्रा रोकने के बाद श्राइन बोर्ड ने भक्तों से आधिकारिक संचार चैनलों के माध्यम से अपडेट रहने का अनुरोध है। माता वैष्णो देवी यात्रा के रास्ते में 26 अगस्त को अर्धकुंवारी में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 34 लोगों की जान चली गई, जिनमें ज्यादातर तीर्थयात्री थे और कई अन्य घायल हो गए। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 26 अगस्त के भूस्खलन के कारणों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता विभागीय जल शक्ति के अतिरिक्त मुख्य सचिव शलीन कबरा कर रहे हैं, जिसमें डिविजनल कमिश्नर और जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक भी शामिल हैं। यह कमेटी जांच के बाद एलजी सिन्हा को एक व्यापक रिपोर्ट सौंपेगी।

नाले में गिरी कार सात लोगों की मौत

जयपुर : जयपुर के शिवदासपुरा थाना इलाके में प्रहलादपुरा के पास रिंग रोड से नीचे पानी से भरे नाले में एक कार गिर गई। हादसे में कार सवार सात लोगों की मौत हो गई। कार में सवार सभी लोग हरिद्वार से लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार रविवार दोपहर करीब बारह बजे एक युवक ने नाले के पानी में कार डूबी देख पुलिस को सूचना दी। इस पर डीसीपी साउथ राजर्षि राज वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। कार को नाले से बाहर निकालकर शवों को मोर्चरी में रखवाया। प्रारम्भिक जांच में सामने आया है कि कार रिंग रोड पर अनियंत्रित होने के बाद सोलह फीट नीचे अंडरपास में भरे पानी में गिर गई। शिवदासपुरा थानाधिकारी सुरेंद्र कुमार सैनी ने बताया कि फुलियावास केकड़ी और जयपुर के वाटिका निवासी कालूराम के पिता की मौत होने पर दो परिवारों के सात लोग हरिद्वार गए थे। हादसे में मारे गए सभी लोग हरिद्वार में अस्थियां विसर्जन करके घर लौट रहे थे। मृतकों में रामराज वैष्णव, पत्नी मधु और बेटा रूद्र तथा रिश्तेदार कालूराम, उसकी पत्नी सीमा व बेटा रोहित व गजराज नाम के लोग हैं।

एशिया कप : पाकिस्तान की पारी 127 रनों पर सिमटी, कुलदीप ने लिए 3 विकेट

एजेंसी

दुबई : एशिया कप 2025 में रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भारतीय टीम ने पहले गेंदबाजी की। पाकिस्तान टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। टॉस के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि हम पहले गेंदबाजी करने की ही सोच रहे थे। पाकिस्तान ने 9 विकेट गवां कर महज 127 रनों का स्कोर खड़ा कर पाई। हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह ने अपने अपने पहले ओवर में विकेट चटकाया। पाकिस्तान की टीम को शुरूआती झटके लगे और टीम एकदम से परेशान हो गई। कुलदीप यादव ने हसन नवाज को अक्षर के हाथों कैच कराकर पवेलियन की राह दिखाई। जसप्रीत बुमराह ने सुफियान मुकीम को बोल्ड कर पाकिस्तान को नौवां झटका दिया है। मुकीम ने बुमराह की गेंद पर दो बाउंड्री लगाई थी, लेकिन बुमराह ने 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर उन्हें बोल्ड किया।

उपराष्ट्रपति के सचिव बने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अमित खरे

नयी दिल्ली : वरिष्ठ आईएएस अधिकारी (सेवानिवृत्त) अमित खरे को भारत के उपराष्ट्रपति का सचिव नियुक्त किया गया है। नियुक्ति मामलों की कैबिनेट समिति ने नियुक्ति की मंजूरी दे दी है। अमित खरे को केंद्र सरकार के सचिव के पद और वेतनमान के बराबर दर्जा दिया गया है। यह नियुक्ति अनुबंध के आधार पर की गई है, जिसकी अवधि तीन साल होगी। कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से यह अवधि मानी जाएगी, हालांकि सरकार आवश्यकता पड़ने पर इसमें बदलाव कर सकती है।

जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए ग्रामसभाओं का सशक्त होना जरूरी : मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चाईबासा : राजस्व, भूमि सुधार और परिवहन मंत्री दीपक बिरूआ ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए ग्राम सभाओं का सशक्त होना जरूरी है। ग्रामसभा मजबूत होगी तो पंचायतों को जलवायु समर्थ कार्ययोजना बनाने में मदद मिलेगी। इस मुहिम में सरकारी स्तर पर हर तरह की मदद के लिए झारखंड सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बिरूआ रविवार को एक होटल में कांफ्रेस ऑफ पंचायत कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और उसके असर को लेकर पंचायत स्तर पर हो रही कांफ्रेस ऑफ पंचायत महत्वपूर्ण पहल है। क्योंकि जलवायु परिवर्तन बिगड़ती प्रकृति का अभी संकेत है, अगर संसाधनों का सस्टेनेबल तरीके से उपयोग नहीं होगा तो यह समस्या और बढ़ेगी।

असर सोशल इम्पैक्ट एडवायजर्स, पॉलिसी एंड डेवलपमेंट एडवायजरी ग्रुप, मंथन युवा संस्थान, पंच सफर और कॉमन ग्राउंड की ओर से होटल सैफरन सूइट्स में कांफ्रेस ऑफ पंचायत का आयोजन किया गया। झारखंड में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और उनसे लड़ने में पंचायतों की भूमिका को लेकर यह कार्यक्रम किया गया। कांफ्रेंस में 100 से ज्यादा पंचायत प्रतिनिधि, परंपरागत शासन प्रणाली के प्रतिनिधियों सहित कई गांव के लोगों ने हिस्सा लिया। कांफ्रेस में आगामी दो अक्टूबर को होने वाली विशेष ग्राम सभा बैठक में योजनाएं बनाने की प्रक्रिया और उन्हें जमीन पर उतारने की ट्रेनिंग भी पंचायत प्रतिनिधियों को दी गई।

इससे पहले कांफ्रेस में मौजूद सभी पंचायत प्रतिनिधियों को चार समूहों में बांटा गया। प्रत्येक समूह को अलग-अलग विषय पर समस्याओं और उनके समाधानों को सूचीबद्ध किया गया। इन चारों समूहों को ग्राम सभा द्वारा जलवायु परिवर्तन के कारण, जल संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए सुझाव, वन संरक्षण, संवर्धन और आजीविका और लघु वनोपज का संवर्धन विषय दिए गए।

पलामू में पुलिस-नक्सली मुठभेड़, 5 लाख का इनामी टीएसपीसी कमांडर ढेर, 24 से अधिक मामले थे दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू के मनातू और तरहसी के सीमावर्ती जंगल में पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) का कमांडर मुखदेव यादव के खिलाफ 24 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से सुरक्षा बलों के निशाने पर था। पलामू पुलिस ने रविवार को इसकी जानकारी दी है।

पुलिस के अनुसार मुखदेव यादव बिहार और झारखंड में आतंक का पर्याय बना हुआ था। उसके खिलाफ दर्ज मामलों को देखकर और पलामू पुलिस की अनुशंसा पर इसी वर्ष मार्च 2025 में झारखंड सरकार ने 5 लाख का इनाम घोषित किया था। टीएसपीसी के मुखिया शशिकांत दस्ते के लिए वह लेवी वसूलने का काम करता था और हथियार की डील करता था। शशिकांत का वह काफी करीबी माना जाता था। 3 सितंबर को मनातू थाना क्षेत्र के केदल गांव में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मुखदेव यादव भी शामिल था। पहली गोली उसी ने ही चलाई थी। इस घटना में जिला पुलिस के दो जवान संतन मेहता और सुनील राम बलिदान हो गए थे, जबकि एक जवान रोहित कुमार जख्मी हुए थे। संतन और सुनील का श्राद्ध कर्म अभी चल रहा है। इसी बीच पलामू पुलिस ने अपने दोनों जवानों के शहादत का बदला ले लिया।

पुलिस की कार्रवाई यही तक नहीं रुकी है। टीएसपीसी के कमांडर शशिकांत को घेरने के लिए 200 से अधिक जवानों को लगाया गया है, जिसमें जगुआर, कोबरा 209 के अलावा झारखंड पुलिस के जवान शामिल हैं।

इस बीच घटना की सूचना मिलने पर जिला मुख्यालय मेदिनीनगर से पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन, एसडीपीओ के साथ घटनास्थल पर पहुंची। ढेर किए गए नक्सली के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के लिए जरूरी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।

पुलिस के अनुसार 3 सितंबर की मुठभेड़ के बाद मनातू और तरहसी के सुदूरवर्ती जंगली क्षेत्र में पुलिस का अभियान जारी था, इसी क्रम में जब पुलिस रविवार की सुबह भीतडीहा और कसमार के जंगल में पहुंची, तो उग्रवादियों की ओर से फायरिंग शुरू कर दी गई। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए एक उग्रवादी को मार गिराया। मौके से एक इंसास राइफल बरामद की गई है। जिस क्षेत्र में मुखदेव यादव मारा गया वह उसके गढ़ के रूप में चर्चित है और उसी इलाके में वह सक्रिय था। मूल रूप से मनातू के मिटार का रहने वाला मुखदेव पहले भाकपा माओवादी कासदस्य था, बाद में वह टीएसपीसी में शामिल हो गया। उस पर पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार में कई बड़े नक्सल हमले को अंजाम देने का आरोप है। मुखदेव हर वक्त अपने साथ इंसास राइफल रखता था। छह से अधिक बार पुलिस के साथ मुठभेड़ में भी शामिल रहा है। दो मुठभेड़ में चार जवान शहीद हुए हैं, जबकि एक हमले में आदि जनजाति परिवार के पिता और पुत्र की भी मौत हुई थी।

जीएसटी सुधारों से एमएसएमई को मिलेगी मजबूती बढ़ेंगे रोजगार के नए अवसर : निर्मला सीतारमण

एजेंसी

चेन्नई : तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में रविवार को व्यापार एवं उद्योग संघ की ओर से 'उभरते भारत के लिए कर सुधार' के नाम से आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दावा किया कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के लागू होने पर देश भर में व्यापक बदलाव आने की उम्मीद है और इसक सीधा प्रभाव भारत के एक सौ चालीस करोड़ नागरिकों पर पड़ेगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी का लाभ देश के हर नागरिक को रोजमर्रा की हर चीज में मिलेगा। इसका असर लोगों को सुबह की चाय से लेकर रात के खाने और सोने तक देखने को मिलेगा। जीएसटी में किए गए सुधारों से लोगों पर कर का बोझ कम होगा। अब 99 प्रतिशत सामानों पर जीएसटी की दरें 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई हैं। यह आम आदमी की जेब पर बोझ कम करने की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में एक समान कराधान सुनिश्चित करने के लिए 2017 में जीएसटी लागू होने से पहले केवल 66 लाख व्यवसाय ही टैक्स प्रणाली में शामिल थे। लेकिन पिछले आठ वर्षों में यह संख्या बढ़कर 1.5 करोड़ हो गई है। यह सरकार की पारदर्शी और सरल टैक्स नीति का नतीजा है। जीएसटी सुधारों के तहत वस्तुओं और सेवाओं के वर्गीकरण को सरल बनाया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कर की श्रेणियां स्पष्ट और सरल हों, जिससे व्यापारियों और कारोबारियों में कोई भ्रम न फैले। साथ ही जीएसटी सुधारों के कारण अब कई उत्पादों की इनपुट लागत कम होगी। इससे कुल उत्पादन खर्च घटेगा और उपभोक्ताओं को भी कीमतों में राहत मिलेगी।

सीतारमण ने कहा कि देश के हर राज्य में अलग-अलग त्योहार होते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दीपावली से पहले जीएसटी सुधार लागू करने के निर्देश को ध्यान में रखते हुए, इन्हें पहले ही लागू करने का फैसला लिया गया है। नई जीएसटी दरें 22 सितंबर से लागू होंगी और इनका असर पूरे देश में महसूस किया जाएगा। यह सुधार न केवल टैक्स प्रणाली को सरल बनाएंगे, बल्कि पारदर्शिता भी बढ़ाएंगे और हर वर्ग को इसका फायदा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने भाषण में घोषणा की थी कि इसमें कुछ सुधार किए जाएंगे। इसके बाद चार स्तरीय जीएसटी कर प्रणाली को घटाकर दो स्तरीय कर दिया गया।

पूर्वोत्तर में कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर 5.8 रही तीव्रता, असम में था भूकंप का केंद्र

एजेंसी

सोनितपुर : पूर्वोत्तर के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गई है। भूकंप के झटकों से बांग्लादेश से लेकर चीन तक लाखों लोग दहशत में आ गए। उन्होंने बताया कि रविवार को देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ हिस्सों में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप रविवार शाम 4.41 बजे आया। इस भूकंप का केंद्र असम के सोनितपुर जिले के ढेकियाजुली से मात्र 16 किलोमीटर दूर उदलगुरी जिले में था। भूकंप की गहराई 5 किमी थी। भूकंप के कारण बंगाल से भूटान तक झटके महसूस किए गए।

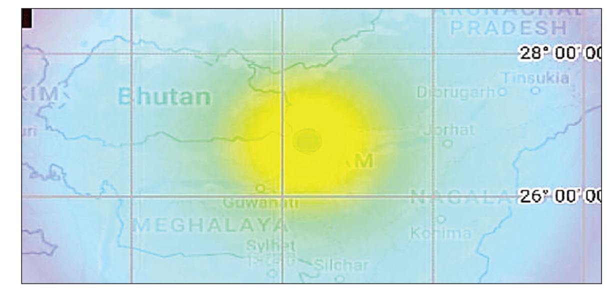

रविवार और दिन में होने के कारण लोग घरों में थे। जैसे ही धरती कांपी लोग घरों से बाहर आ गए। अभी तक किसी भी तरह की जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप के झटके बांग्लादेश, नेपाल, भारत, म्यांमार, भूटान और दक्षिण चीन के कई हिस्सों तक पहुंचे। कई स्थानों पर लोग अचानक तेज झटकों से घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि झटके कई सेकंड तक महसूस किए गए। हालांकि अब तक किसी बड़े नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते ही असम के शोणितपुर में 3.5 तीव्रता का भूकंप आया था। उससे पहले, इस साल की शुरूआत में तिब्बत और फरवरी में बंगाल की खाड़ी में आए भूकंप से उत्तर बंगाल, सिक्किम, असम और तटीय पश्चिम बंगाल-ओडिशा प्रभावित हुए थे। मार्च में म्यांमार के भूकंप के झटके कोलकाता तक महसूस किए गए थे।

एक नजर

खेल से हो सकता है युवाओं का विकास : सुदीप गुड़िया

खूटी : तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि खेल के माध्यम से भी युवाओं का विकास हो सकता है। विधायक रविवार को उकड़ीमाड़ी मैदान में आयोजित हॉकी के फाइनल मैच के दौरान उपस्थित लोगों को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उनकी भी रुचि खेल मे है और जितना संभव हो, तोरपा विधान सभा क्षेत्र मे पढाई के साथ खेल का स्तर मे भी सुधार करने का प्रयास रहेगा। इसके पूर्व कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर ग्रामीणों ने पारंपरिक ढंग से विधायक का स्वागत किया। मौके पर मुखिया अनस्तसिया आईंद, मोजिर अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष रूबेन टोपनो, विधायक के निजी सहायक अरमान टोपनो सहित अन्य मौजूद थे।

भारत-पाकिस्तान एशिया कप मैच पर विवाद बहिष्कार की मांग

पूर्वी सिंहभूम : एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले महामुकाबले को लेकर देशभर में विरोध के स्वर उठने लगे हैं। पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में रविवार को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने स्पष्ट कहा है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों के हमले के बाद ऐसे देश के साथ क्रिकेट खेलना बलिदानियों का अपमान है। परिषद ने ऐलान किया है कि भारतझपाकिस्तान मैच का वे 100 प्रतिशत बहिष्कार करेंगे। परिषद के अध्यक्ष विनय कुमार यादव, महामंत्री जितेंद्र कुमार सिंह, उपाध्यक्ष सुखविंदर सिंह, संगठन मंत्री आगरंट्र शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान से आए आतंकियों ने कश्मीर में महिलाओं का सिंदूर उजाड़ा और निर्दोष नागरिकों को मौत के घाट उतारा। ऐसे हालात में पाकिस्तान के साथ खेला जाने वाला मैच किसी भी भारतीय को नहीं देखना चाहिए। उन्होंने अपील की कि देशवासियों को भावनाओं का सम्मान करते हुए इस मैच से दूरी बनानी चाहिए। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतझपाकिस्तान के बीच यह पहला मुकाबला है, इसलिए इसके खिलाफ लोगों का गुस्सा और ज्यादा उभर कर सामने आया है। परिषद ने इसे केवल खेल नहीं बल्कि राष्ट्रीय अस्मिता का प्रश्न बताया और जोर देकर कहा कि इस मैच का 101 प्रतिशत बहिष्कार करना ही सही जवाब होगा।

जमीन विवाद में युवक की हत्या

पूर्वी सिंहभूम : एमजीएम थाना क्षेत्र के सिरकाटोला बारीडीह में रविवार सुबह जमीन विवाद ने खूनी रूप ले लिया। इस विवाद में 26 वर्षीय जगदीश हेंब्रम की धारदार हथियार और डंडों से बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी गई। घटना के वक्त जगदीश की पत्नी लकड़ी लेने गई हुई थी। उसके लौटने से पहले ही विवाद मौखिक झड़प से बढ़ते हुए हिंसक टकराव में बदल गया और आरोपित पक्ष ने हमला कर उसकी जान ले ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि विवाद करीब 16 बीघा जमीन को लेकर चल रहा था। इस मामले में पुलिस ने मुख्य रूप से बुद्ध हेंब्रम, कोंडा हेंब्रम, बदल हेंब्रम, सनातन हेंब्रम और सरकार हेंब्रम के नाम आरोपियों के रूप में चिन्हित किए हैं। एमजीएम थाना प्रभारी ने बताया, यह घटना जमीन विवाद से जुड़ी हुई प्रतीत होती है। नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम बनाई गई है और जल्द ही सभी को कानून के शिकंजे में लाया जाएगा। फिलहाल मामले की आगे जांच जारी है।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने पतराहातू में 10 शैय्या अस्पताल का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : झारखण्ड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने पतराहातू (सिल्ली) में शनिवार के दिन स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत 10 शैय्या अस्पताल भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। अस्पताल कार्य का लागत लगभग 5 करोड रुपए है। शिलान्यास के उपरांत पतरातू के रघुनाथ महतो इंटर कॉलेज के प्रांगण में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर इरफान अंसारी एवं अन्य अतिथि के रूप में कांके विधानसभा के विधायक सुरेश कुमार बैठा, हिजरी विधानसभा के विधायक राजेश कच्छप, कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ,सिल्ली विधायक अमित महतो उपस्थित रहे कॉलेज के प्रांगण में विद्यालय प्रबंधन के द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।समारोह का संचालन रांची जिला के ग्रामीण अध्यक्ष डॉक्टर राकेश किरण ने किया। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र एवं छात्राओं को पुरस्कृत किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि झारखंड राज्य विकास के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहा है। झारखंड के मुख्यमंत्री काफी सराहनीय कार्य कर रहे हैं जिससे जनता को सीधे लाभ पहुंच रही है। वर्तमान सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी सराहनीय कार्य कर रही है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों को पढ़ना लिखना है और आगे बढ़ना है।आने वाले दिनों में इस क्षेत्र को मेडिकल कॉटेज दूंगा जिससे स्वास्थ्य में सुधार हो सकेगा।वहीं विद्यालय के विकास हेतू तीन लाख रुपए देने की घोषणा की।कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को हौसला अफजाई करते हुए दस हजार रुपए नगद राशि देकर सम्मानित किया तथा लैपटॉप देने की भी घोषणा की।

तृणमूल कांग्रेस की मोटरसाइकिल रैली संपन्न, चुनावी माहौल गर्म

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : पश्चिम बंगाल अंतर्गत झालदा में तृणमूल कांग्रेस के द्वारा मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया गया। जिसका नेतृत्व जनरल सेक्रेटरी शेख तूफान ने किया। यह रैली सैकड़ों की संख्या में माता बनर्जी जिन्दाबाद आई गी भाई आई गी ममता सरकार दुबरा आईगी के नारे लगाते हुए छाताटाढ सोरगाली जाकर संपन्न हुई। बातते चले कि पश्चिम बंगाल में आने वाले चुनाव को लेकर रैली का आयोजन किया गया। इस मौके पर अब्बास अंसारी, प्रेसिडेंट जयप्रकाश महतो, रफीक कश्मीरी, आसिफ अंसारी, उस्मान अंसारी, सिराज अंसारी आदि सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

सखिया पंचायत में विधायक ने की ग्रामीणों से मुलाकात, समस्याओं का किया समाधान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप ने प्रसाद रविवार को सदर प्रखंड अंतर्गत सखिया पंचायत पहुँचे और वहाँ स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात की। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी समस्याओं तथा क्षेत्र की आवश्यकताओं को विधायक के समक्ष रखा। ग्रामीणों ने सड़क, नाली, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाओं और बिजली से जुड़ी समस्याओं को विस्तार से बताया। विधायक ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि इन समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों और पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कदम उठाए

जाएँगे। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि जनता की समस्याओं का समय पर समाधान करना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए मैं निरंतर प्रयासरत हूँ। ग्रामीणों ने विधायक की इस पहल और संवेदनशीलता की सराहना की और भरोसा जताया कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण शीघ्र होगा। इस अवसर पर भाजपा नेता प्रमेश्वर यादव, रामअवतार शर्मा, बिरजू रवि, पुरन महतो, लालमेन महतो, रामस्वरुप महतो, सुधीर कुमार, पप्पु साव, देवदीप कुमार, सीपी गोप, भुनेश्वर महतो, देवकी महतो, शिवपाल यादव, मनोज यादव, जागो यादव तथा पूर्व मुखिया अरुण यादव सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

सोना सोबरन धोती-साड़ी योजना के तहत लाभुकों को मिला लाभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के झापा पंचायत अंतर्गत ग्राम बेढना बारा, सुजी झापा और बेंदुवारा में शनिवार को राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी सोना-सोबरन धोती-साड़ी योजना के तहत ग्रामीणों के बीच धोती-साड़ी का वितरण किया गया। इस योजना से लाभान्वित होकर ग्रामीणों के बीच खुशी का माहौल देखा गया। कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य राकेश रंजन एवं मुखिया प्रतिनिधि बिनोद कुमार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को योजना का लाभ दिलाते हुए कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद वर्ग को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि यह योजना सामाजिक न्याय और

समानता की दिशा में एक सार्थक कदम है। ग्रामीणों की झलकियाँः लाभ पाने के बाद ग्रामीणों ने सरकार और जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार जताया। महिलाओं ने कहा कि इस योजना से गरीब परिवारों को काफी राहत मिल रही है। कार्यक्रम के दौरान कई ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक धोती-साड़ी ग्रहण किया और इसे सरकार की संवेदनशीलता बताया। जिला परिषद सदस्य राकेश रंजन ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। वहीं मुखिया प्रतिनिधि बिनोद कुमार सिंह ने बताया कि पंचायत के प्रत्येक पात्र लाभुक तक योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा।

अबकारी विभाग ने कार्रवाई कर दर्जनों भटियों को किया ध्वस्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण थाना क्षेत्र के सिंघरावा, काँटी और कोरियाडीह गांवों में रविवार को उत्पाद विभाग ने अवैध महुआ शराब कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। अवर निरीक्षक सुमितेश कुमार के नेतृत्व में चली इस छापेमारी में दर्जनों जलती भट्ठियों को तोड़ा गया। कार्रवाई के दौरान करीब 2,500 किलो जावा महुआ को मौके पर नष्ट किया गया। साथ ही 100 लीटर तैयार चुलाई शराब जब्त कर ली गई। शराब बनाने में प्रयुक्त ड्रम, बर्तन व अन्य सामग्री भी विभाग ने नष्ट कर दी। इस अभियान में अवर निरीक्षक भुनेश्वर नायक, सहायक अवर निरीक्षक एंटोनी बागे, अनूप कुमार सिंह और कई गृह रक्षक शामिल थे। ग्रामीणों की सूचना पर टीम ने यह कदम उठाया ।अधिकारियों ने कहा कि अवैध शराब के धंधे में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ उत्पाद अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज होगा। विभाग का स्पष्ट कहना है कि अवैध शराब कारोबार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। टीम ने आम लोगों से आग्रह किया कि अवैध शराब की जानकारी प्रशासन को तुरंत दें, ताकि इस जानलेवा कारोबार को जड़ से खत्म किया जा सके।

हजारीबाग में कृषक मित्र की जिलास्तरीय बैठक संपन्न, राजू राणा बने जिलाध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग प्रेस क्लब सभागार में प्रदेश नेतृत्व के निदेशानुसार कृषक मित्र संगठन की जिलास्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अमलकिशोर सिंह ने की। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव सुभाष सिंह एवं कोडरमा कृषक मित्र के जिलाध्यक्ष पप्पू यादव विशेष रूप से उपस्थित थे।बैठक में जिलेभर से आए कृषक मित्रों ने एकजुट होकर संगठन की मजबूती पर जोर दिया। सर्वसम्मति से संगठनात्मक चुनाव कराए गए, जिसमें राजू राणा को हजारीबाग कृषक मित्र का जिलाध्यक्ष चुना

गया। उनके चयन पर उपस्थित कृषक मित्रों ने खुशी जाहिर की और उन्हें बधाई दी। संगठन के सदस्यों ने कहा कि कृषक मित्र किसानों और सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाते हैं, ऐसे में संगठन को मजबूत करना बेहद आवश्यक है। बैठक में कृषि से जुड़े कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित कृषक मित्रों ने कहा कि आज किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य, बीज-खाद की उपलब्धता, सिंचाई व्यवस्था, फसल बीमा तथा कृषि उपकरणों की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इन मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित कराने और किसानों की आवाज बुलंद करने का संकल्प लिया गया। प्रदेश महासचिव सुभाष सिंह ने कहा कि कृषक मित्र सिर्फ किसानों की समस्याओं को समझने और उन्हें सरकार तक पहुंचाने का ही काम नहीं करते, बल्कि किसानों को नई तकनीक और योजनाओं की जानकारी देकर खेती को लाभकारी बनाने में भी योगदान देते हैं। उन्होंने जिले में नए जिलाध्यक्ष के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त की और संगठन को और सशक्त बनाने का आह्वान किया।वहीं उन्होंने कहा कि सरकार के उदासीन रवैए से हम सभी कृषक मित्र में काफी असंतोष की भावना है । हमलोगों पर किसी भी प्रकार का ध्यान नहीं दिया जा रहा है । अगर ऐसी स्थिति रही तो हमलोग उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी बातों को रखेंगे। अंत में जिलाध्यक्ष बने राजू राणा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाएंगे और संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे।बैठक में मुख्य रूप से कमलेश कुमार सिंह, नारायण प्रजापति, राजकुमार भुइंया, श्यामा, नारायण यादव, सुबोध कुमार, चौबे राम, रवि कुमार, रविन्द्र राणा सहित भारी संख्या में कृषक मित्रों ने भाग लिया।

संक्षिप्त खबरें

बरही में सतगुरु संत गोपी दास साहेब की पुण्य तिथि पर दो दिवसीय स्मृति समारोह

बरही : सतगुरु संत गोपी दास साहेब की पुण्य तिथि के अवसर पर गुरु दीपक साहेब के निर्देशन में दो दिवसीय स्मृति समारोह का आयोजन आज 15 सितंबर एवं 16 सितंबर को तिलैया रोड बरही स्थित उत्सव वाटिका हॉल में किया जाएगा। इस कार्यक्रम का की जानकारी देते हुए सतगुरु संत गोपीदास साहेब के सत्यपंथी शिष्य राजेंद्र ठाकुर एवं सावित्री देवी ने बताया की दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन के प्रथम सत्र में गुरु महिमा पाठ, आत्म चिंतन एवं सुमिरन, प्रवचन एवं आत्म अनुभूति होगी। वहीं दूसरे सत्र में भजन संध्या, पटना से पधारे भजन गायिका रेणु भारती द्वारा भजन कार्यक्रम, उसके बाद सत्संग प्रवचन एवं आरती के साथ रात्रि में भोजन भंडारा का अयोजन होगा। कार्यक्रम के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में भजन प्रभात, गुरु महिमा पाठ, प्रवचन एवं आत्म अनुभूति के साथ दोपहर में भोजन भंडारा का अयोजन होगा। दूसरे सत्र में नारियल अर्पण , नाम दान कार्यक्रम के साथ साथ प्रवचन, संध्या आरती एवं प्रसाद का वितरण होगा। समस्त कार्यक्रम गुरु दीपक साहेब की निर्देशन एवं क्रियान्वयन में संपन्न होगा। कार्यक्रम की पूरी तैयारी कर ली गई है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा ने गिद्दी पुल का निरीक्षण कर आक्रोश व्यक्त किया : जेपी

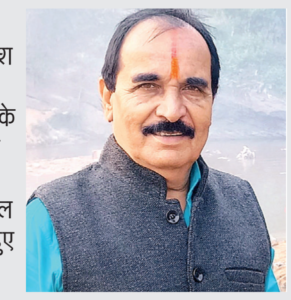

रामगढ़ : भाजपा किसान मोर्चा झारखंड प्रदेश के नेता जय प्रकाश पांडेय,नारायण चंद्र भौमिक पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री जयंत सिन्हा जी के साथ गिद्दी दामोदर जर्जर पुल का निरक्षण किया,माननीय जयंत सिन्हा ने जिला प्रशासन और कोल इंडिया पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि गिद्दी दामोदर पुल जिस तरह से हिल रहा है,जब बड़ी गाड़ियां और कोयला लोड पुल से गुजरती है तो पुल नाव की तरह हिल रहा है,जिसके कारण बरसात के समय में किसी दिन बड़ी अप्रिय घटना हो सकती है,पूर्व में भी मेरे द्वारा इस पुल का निरक्षण किया गया था,और कई बार आंदोलन भी देखने को मिल है परंतु जिला प्रशासन और कोल इंडिया गहरी निंद्रा में सो रही है ,जिसके कारण बढ़ा हादसा होने की संभावना हर क्षण बनी हुई है,यदि 15 दिनों के अंदर पुल में कार्य प्रारंभ नहीं हुआ तो बाध्य होकर मेरे द्वारा ही पुल पर आंदोलन और सड़क जाम शुरू कर दिया जायगा,मैं भी इस घटना से काफी विक्षुब्ध हू। इस अवसर पर पिंकू झा,प्रकाश मिश्रा,सुमन सिंह, संजय पासवान,शंभू सिंह सहित सैकड़ों रिभर साइड और गिद्दी की जनता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बोकारो विस्थापित आज भी न्याय के इंतजार में

बोकारो : यह धरती क्रांतिकारियों की रही है, जिसने देश को आजादी दिलाने में अहम योगदान दिया। अलवतिया देवी जैसी महान सेनानी ने अंग्रेजों से टक्कर लेकर स्वतंत्रता की राह प्रशस्त की। लेकिन आजादी के बाद भी उनकी इस धरती के लोग विस्थापन की पीड़ा और संघर्ष से जूझ रहे हैं ।जिला कांग्रेस के अधिवक्ता सह महासचिव घनश्याम नारायण ने कहा कि संविधान देश के हर नागरिक को बराबर का अधिकार देता है, लेकिन बोकारो के विस्थापित अब भी अपने हिस्से के न्याय से वंचित हैं। उन्होंने बताया कि विस्थापितों की सबसे बड़ी समस्याएं रोजगार, पुनर्वास और बुनियादी सुविधाओं की कमी हैं ।विस्थापितों की मुख्य समस्याएंरोजगार का अभाव : बोकारो स्टील प्लांट और अन्य औद्योगिक इकाइयों में विस्थापितों को स्थायी नियोजन और रोजगार का लाभ आज तक नहीं मिल सका ।मुआवजा व पुनर्वास में देरी : अपनी जमीन गंवाने वाले प्रभावितों को अब तक पर्याप्त मुआवजा और संपूर्ण पुनर्वास उपलब्ध नहीं कराया गया। यह प्रक्रिया दशकों से लंबित है ।बुनियादी सुविधाओं की कमी : विस्थापित गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाओं का घोर अभाव है, जिसके कारण लोग मूलभूत जरूरतों के लिए भी संघर्षरत हैं ।घनश्याम नारायण ने कहा कि बोकारो स्टील प्लांट और कोयला खदानों की स्थापना के बाद से ही विस्थापित अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। लेकिन सरकार और संबंधित उद्योगों की उदासीनता के कारण उनकी समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। विस्थापित समुदाय का कहना है कि जब तक रोजगार, मुआवजा और आधारभूत सुविधाओं की समस्याओं का ठोस समाधान नहीं किया जाता, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव

बोकारो : अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद की पहल पर आगामी 17 सितम्बर को पूरे देशभर में मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। इस राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत देशभर में करीब 7500 रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे ।बोकारो में तीन रक्तदान शिविरअभियान के तहत तेरापंथ युवक परिषद चास, बोकारो भी सक्रिय सहयोग कर रहा है। कार्यक्रम के संयोजक चंदन बांठिया ने जानकारी दी कि बोकारो में तीन ब्लड डोनेशन कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें से एक प्रमुख शिविर जैन मिलन केंद्र, सेक्टर 2 सी, बोकारो में लगाया जाएगा। कार्यक्रम का समयतारीख : बुधवार, 17 सितम्बर समय : प्रात : 10 :00 बजे से दोपहर 1 :00 बजे तकसमाजसेवा का आह्वानतेरापंथ युवक परिषद ने सभी रक्तदाताओं, समाजसेवियों और शहरवासियों से इस पुण्य कार्य में भाग लेकर मानवता की सेवा करने की अपील की है।

बिजुलिया में अभिभावक-शिक्षक गोष्ठी टॉपर छात्रों को मिला सम्मान

बोकारो : चास प्रखण्ड श्री महावीर जी प्लस टू उच्च विद्यालय बिजुलिया में सुबह 10 :30 बजे से दोपहर 1 :00 बजे तक एक महत्वपूर्ण अभिभावक-शिक्षक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। बैठक में स्कूल के छात्र, उनके अभिभावक, स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य, अध्यक्ष और सभी शिक्षक उपस्थित रहे। गोष्ठी का मुख्य आकर्षण झारखंड एकेडमिक काउंसिल के निदेर्शों पर आधारित छात्रों की उपस्थिति को लेकर था। सभी अभिभावकों और छात्रों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। जेक के दिशानिदेर्शों के अनुसार, जिन छात्रों की उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम होगी, उनका पंजीकरण और परीक्षा फॉर्म नहीं भरा जाएगा, जिसके कारण वे अगले वर्ष ही परीक्षा दे पाएंगे। इस महत्वपूर्ण चर्चा के अलावा, बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी जानकारी साझा की गई। इनमें सावित्रीबाई फुले योजना, ई-कल्याण, निपुण भारत, और आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता जैसी सरकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। छात्रों को आईसीटी स्मार्ट क्लास, वोकेशनल शिक्षा, खेल-कूद, और यूनिफॉर्म के साथ-साथ व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व के बारे में भी बताया गया।

एक नजर

दुर्गा पूजा के दौरान झारखंड में पुलिस कर्मियों की छुट्टियां रहेंगी रद

रांची : देश के अन्य प्रांतों की भांति झारखंड में भी दुर्गा पूजा की तैयारियां शुरू हो गयी हैं। पुलिस प्रशासन अभी से अलर्ट पर है। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने दुर्गा पूजा को लेकर राज्य में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किये हैं। झारखंड पुलिस के प्रवक्ता के अनुसार आगामी पर्वों एवं त्योहारों के दौरान किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां 20 सितंबर से चार अक्टूबर तक रद्द कर दी गई हैं। छुट्टियां रद्द करने का यह फैसला इसलिए लिया गया है, क्योंकि दुर्गा पूजा के दौरान राज्य के सभी जिलों में बड़ी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की जाएगी। कानून और व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए, जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी, जिले के एसपी और कमांडेंट जैसे वरिष्ठ अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि किसी भी आपात स्थिति में पर्याप्त बल उपलब्ध हो। पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी निर्देश के अनुसार केवल विशेष परिस्थितियों में ही संबंधित अधिकारी की अनुमति से छुट्टी स्वीकृत की जाएगी। इसके साथ ही पुलिस मुख्यालय ने सभी कार्यालयों में तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मियों (इंस्पेक्टर से लेकर सिपाही तक) को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है।

मुक्ति संस्था ने 30 शवों का किया अंतिम संस्कार

रांची : झारखंड की राजधानी रांची की मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी के तट पर 30 अज्ञात शवों का संपूर्ण विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार किया। मुक्ति संस्था के सदस्यों ने राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के शव गृह से अज्ञात शवों को निकालकर, उसे पैक कर जुमार नदी के तट पर लेकर गए। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने अज्ञात शवों को मुखाग्नि दी। अंतिम अरदास परमजीत सिंह टिंकू ने किया। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने बताया कि मुक्ति संस्था के जरिये अबतक कुल 2064 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया जा चुका है। मौके पर संस्था के रवि अग्रवाल, अमित किशोर, संदीप कुमार, विजय धानुका, आदित्य शर्मा, सौरभ बथवाल, हरीश नागपाल, आर के गांधी, राजा गोयनका,आशीष भाटिया, राहुल जायसवाल, सुनील अग्रवाल, नीरज खेतान सहित अन्य उपस्थित थे।

एसईआरएमसी ने की रेलवे कर्मचारियों के बोनस ढांचे में बदलाव की मांग

रांची : दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस (एसईआरएमसी) के महामंत्री एन.एल. कुमार ने रेलवे कर्मचारियों के हित में उत्पादकता से जुड़ा बोनस (पीएलबी) नीति में बदलाव की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने रविवार को नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन (एनएफआईआर) के महासचिव डॉ. एम. राघवैया को पत्र लिखकर कर्मचारियों की समस्याओं पर ध्यान आकर्षित किया है। एसईआरएमसी के महामंत्री एन.एल. कुमार ने कहा कि वर्तमान पीएलबी प्रणाली एक सीमा के अंतर्गत संचालित होती है, जिसके कारण लगभग 70 से 80 प्रतिशत कर्मचारियों को उनके योगदान के अनुसार बोनस नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि बोनस का मूल उद्देश्य उत्पादकता से इनाम को जोड़ना है, लेकिन मौजूदा व्यवस्था न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने इस सीमा को हटाकर कर्मचारियों को उनके वास्तविक प्रदर्शन के आधार पर बोनस देने की मांग की। उन्होंने बताया कि यह नीति छठे वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित है, जो अब पुरानी हो चुकी है।

हिंदी को सरलता, सहजता और समृद्धि की ओर ले जाने का अभियान हम सबका साझा कर्तव्य : प्रवीण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखंड द्वारा आज श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान, रांची में आयोजित हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्मिक सचिव प्रवीण टोप्पो ने कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रीय एकता, संस्कृति और संवाद की सशक्त भाषा है। उन्होंने कहा कि हिंदी ने प्रशासनिक कार्यों को सरल और जनसामान्य तक सुगम बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हिंदी भाषा को और अधिक सरल, सहज तथा समृद्ध बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन, प्रशासनिक कार्यों तथा तकनीकी क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देकर इसे और व्यापक बनाया जा सकता है। उन्होंने रेखांकित किया कि मातृभाषा के रूप में हिंदी हमारी सांस्कृतिक पहचान है, जिसे आने वाली पीढ़ियों तक सशक्त रूप से पहुँचाना हम सबकी जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा आगे कहा कि हमारे विभाग की ओर से भारत सरकार के साथ होने वाला पत्राचार भी हिंदी में ही किया जाता है, जिससे हिंदी का प्रयोग न केवल राज्य स्तर पर बल्कि केंद्र स्तर पर भी और सशक्त रूप से स्थापित हो रहा है।

हिंदी के प्रचार-प्रसार में अग्रसर झारखंड सरकार

कार्मिक सचिव श्री प्रवीण टोप्पो ने आगे कहा कि झारखंड सरकार कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के माध्यम से हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और इसके प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और जागरूकता अभियानों के जरिए हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

हाल ही में साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार से सम्मानित लेखिका एवं हिंदी विभाग (राम लखन सिंह यादव कॉलेज) की सहायक प्राध्यापक, डॉ. पार्वती तिर्की ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी भाषा की गहराई तक जाना आवश्यक है। हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और साहित्यिक धरोहर भी है, जिसे नई पीढ़ी तक पहुँचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। समारोह में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी हिंदी को तकनीकी युग के अनुरूप बनाने, बिजनेस, मैनेजमेंट, मेडिकल, इंजीनियरिंग, ई-गवर्नेंस और डिजिटल प्लेटफार्मों पर इसके अधिकाधिक प्रयोग तथा विद्यालय से लेकर उच्च शिक्षा तक हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने पर बल दिया।

इस अवसर पर कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा निबंध प्रतियोगिता एवं लघु कथा प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को सम्मानित किया गया।

हिंदी दिवस निबंध लेखन प्रतियोगिता-2025 का प्रथम पुरस्कार जितेंद्र कुमार मुंडा, ग्राम - बारिसालडीह, पोस्ट+ थाना- सोनाहातू, रांची, झारखंड, द्वितीय पुरस्कार हर्षिता कुमारी, ग्राम चौली, पोस्ट- खोरा , जिला- गुमला, झारखंड, तृतीय पुरस्कार प्रिया कुमारी, ग्राम- सोसोकलां, गोला , जिला- रामगढ़, झारखंड। वहीं हिंदी दिवस लघु कथा लेखन प्रतियोगिता-2025 का प्रथम पुरस्कार युवराज शांतनु, क्वार्टर नंबर आर.के.वन 196, रोहड़ाबांध, पोस्ट सिंदरी , जिला- धनबाद, झारखंड, द्वितीय पुरस्कार राहुल कुमार, महतोटोली, कर्रा, झारखंड, तृतीय पुरस्कार अनुराधा कुमारी, कक्षा दशम, स्कूल - आशुतोष बालिका उच्च विद्यालय, रोहिणी, देवघर, झारखंड को मिला।

इस अवसर पर सचिव, कार्मिक विभाग प्रवीण टोप्पो, विशेष सचिव, कार्मिक विभाग ओम प्रकाश साह, कवयित्री, लेखिका एवं शोधकर्ता डॉ. पार्वती तिर्की, पूर्व अध्यक्ष, रांची विश्वविद्यालय, डॉ हीरानंद प्रसाद एवं कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारीगण एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

युवक का सिर धड़ से किया अलग पुलिस कर रही अपराधियों की तलाश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : तमाड़ थाना क्षेत्र में जमीन विवाद में एक युवक का सिर धड़ से अलग कर दिया गया। यह मामला बांकी भुरसूडीह का बताया जा रहा है, जहां बीते शनिवार को 22 वर्षीय सुरेश स्वांसी पर जमीन को लेकर धारदार हथियार से हमला किया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मुकर पर पहुच्न्ही और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले को लेकर तमाड़ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार मोदी ने बताया कि हत्या किसी आपसी रंजिश के कारण हुई है। अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। और इस मामले से जुड़े तीन अपराधियों की तलाश की जा रही है। घटना की जानकारी देते हुए मृतक के भाई सोनाराम स्वांसी और पिता एतवा स्वांसी ने बताया कि सुरेश गांव के ही विभीषण स्वांसी के साथ मशरूम चुनने धान के खेत गया था। लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटा। जिसके बाद परिजन उन्हें ढूंढने निकले। उसी दौरान विभीषण स्वांसी को घर आता देख सुरेश के संबंध में पूछताछ की। जिस पर विभीषण ने बताया कि गांव के जगदीश स्वांसी, हरि मुंडा और पूर्ण स्वांसी ने जमीन विवाद में सुरेश पर तोनो (धारदार हथियार) से हमला कर दिया और सिर को धड़ से अलग कर दिया है। और शव खेत में पड़ा है।

इसके बाद परिजन तुरंत घटन अकि जानकारी तमाड़ पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। और मामले की जांच में जुट गई है। घटना को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी घर से फरार बताये जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि सुरेश का एक डेढ़ डाल का बेटा भी है।

फर्जी डॉक्टरों से सावधान, गलत इलाज से बिगड़ रही स्किन मरीजों की हालत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरियोलॉजिस्ट्स एंड लेप्रोलॉजिस्ट्स ने रविवार को प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आम लोगों को चेताया। विशेषज्ञों ने कहा कि फर्जी डॉक्टरों के झांसे में आना खतरनाक है। केवल मान्यता प्राप्त डर्मेटोलॉजिस्ट से ही इलाज कराएं। स्किन विशेषज्ञ डॉ नेहा रानी ने कहा कि आजकल कोई भी ब्यूटी पार्लर या साधारण क्लीनिक चलाने वाला खुद को कॉस्मेटोलॉजिस्ट बताता है। जबकि सच यह है कि कॉस्मेटोलॉजी कोई मेडिकल स्पेशलाइजेशन है ही नहीं। सरकार ने इसकी न्यूनतम योग्यता सिर्फ 10वीं पास रखी है। डॉ। नेहा ने चेताया कि लोग चेहरे और बालों का इलाज बिना जांचे-परखे फर्जी डॉक्टरों को सौंप देते हैं। नतीजतन स्किन खराब, संक्रमण और कई

बार जानलेवा स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने उदाहरण दिया कि कानपुर में गलत इलाज से दो लोगों की मौत हो चुकी है।

डॉ। कुमार प्रतीक ने कहा कि मुंहासे, झाइयां और बाल झड़ने का सस्ता इलाज बताकर फर्जी डॉक्टर इंजेक्शन, लेजर और केमिकल पील जैसी प्रक्रियाएं कर देते हैं। उनके पास न ट्रेनिंग होते हैं ना ही मेडिकल ज्ञान। ऐसे में मरीजों की हालत और बिगड़ जाती है। उन्होंने बताया कि जब मरीज असली विशेषज्ञ के पास पहुंचते हैं, तब तक स्थिति बिगड़ चुकी होती है। इस कारण इलाज लंबा, महंगा और कठिन हो जाता है।

IADVL स्टेट सेक्रेटरी डॉ राजू कुमार और डॉ अम्लान सोम ने कहा कि किसी भी डॉक्टर से इलाज कराने से पहले उनकी मेडिकल डिग्री और मेडिकल काउंसिल रजिस्ट्रेशन की जांच करें। जो खुद को कॉस्मेटोलॉजिस्ट कहे, समझ लें वह असली डॉक्टर नहीं है।

झारखंड के सुप्रसिद्ध कवि डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो विश्व हिंदी रत्न मानद उपाधि से हुए सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के ख्यातिप्राप्त कवि व शिक्षाविद् डॉ. बीरेन्द्र कुमार महतो को विश्व हिंदी रत्न मानद उपाधि सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान हिंदी दिवस के अवसर पर रविवार को नेपाल की संस्था शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन द्वारा आयोजित विश्व हिंदी कविता प्रतियोगिता 2025 में उत्कृष्ट कविता के लिए

दिया गया।

इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अमेरिका, अफ्रीका, नेपाल और भारत के 20 राज्यों से 6845 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से 265 कवियों का चयन किया गया। डॉ. महतो को तृतीय सूची में शामिल करते हुए संस्था ने प्रशस्ति पत्र व प्रमाणपत्र प्रदान किया। संस्था अध्यक्ष आनन्द गिरि मायालु ने उन्हें बहुआयामी व्यक्तित्व वाला कवि, लेखक व लोक कलाकार बताया, जिनकी कविताओं में समाज परिवर्तन की क्षमता है।

डॉ. महतो खूंटी जिले के कर्रा प्रखंड अंतर्गत जलंगा के निवासी हैं और वर्तमान में रांची विश्वविद्यालय के नागपुरी स्नातकोत्तर विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने नागपुरी व हिंदी दोनों भाषाओं में साहित्यिक लेखन और अध्यापन को नई दिशा दी है।

अंजुमन चुनाव में बढ़ा विवाद, अब दो चुनाव संयोजक

रांची : अंजुमन इस्लामिया चुनाव का विवादों से पुराना नाता है। महासचिव डॉ तारिक ने मजलिए-आमला की सहमति से कमर सिद्दीकी को चुनाव संयोजक नियुक्त करने की घोषणा की थी। अब अध्यक्ष मुख्तार अहमद ने झारखंड वक्फ बोर्ड के पत्रांक 185 का हवाला देते हुए कांग्रेसी नेता हाजी मतलूब इमाम को चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी। इस घोषणा के साथ ही अंजुमन चुनाव विवाद गहराने की आशंका बढ़ गयी है।

आदिवासी अस्तित्व बचाने सड़क पर उतरे हजारों लोग कुरमी को एसटी में शामिल करने का किया विरोध

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आदिवासी समाज का अस्तित्व बचाने की मुहिम को लेकर रविवार को राजधानी की सड़कों पर बाईक रैली हुआ। बाईक रैली का आयोजन आदिवासी अस्तित्व बचाव मोर्चा के बैनर तले किया गया था। इस रैली में हजारों की संख्या में आदिवासी संगठन के लोग शामिल हुए।

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की की अगुवाई में निकाली गई रैली की शुरूआत मोरहाबादी मैदान से हुई। रैली हरमू रोड, अरगोड़ा होते हुए बिरसा मुंडा चौक पहुंची। वहां भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सभी ने आदिवासी अस्मिता की रक्षा का संकल्प लिया गया।

रैली का आयोजन झारखंड के कुरमी समाज को एसटी में शामिल करने के विरोध में किया गया था। इस कारण बाइक रैली में शामिल युवाओं ने इस मांग के विरोध में नारेबाजी करते हुए साफ कहा कि कभी भी कुरमी समाज को आदिवासी नहीं माना जा सकता। इस दौरान केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि आदिवासी समाज का अस्तित्व खत्म हुआ तो आदिवासी ही नहीं बचेंगे। कुरमी समुदाय फर्जी तरीके से आदिवासी बनकर आरक्षण पर कब्जा करना चाहता है।

सामाजिक कार्यकर्ता ग्लैडसन डुंगडुंग ने कहा कि यह सोची-समझी साजिश है। कुरमी समाज जबरन आदिवासी बनने का प्रयास कर रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता अलविन लकड़ा ने कहा कि आदिवासी जन्म से होते हैं। किसी को बनाकर आदिवासी नहीं बनाया जा सकता। प्रवीण कच्छप ने कहा कि कुरमी न कभी आदिवासी थे न हैं। केंद्र सरकार और टीआरआइ ने भी उनकी मांग को नकार दिया है। वक्ताओं ने कहा कि यह केवल सांकेतिक रैली है। इसका मकसद आदिवासी समाज को चेताना और उनके हक की रक्षा करना है। वक्ताओं ने कहा कि यदि कुरमी को एसटी दर्जा देने की कोशिश हुई, तो आंदोलन और तेज होगा।

रैली में रुपचंद केवट, बिगलाहा उरांव, आदिवासी विस्थापित मोर्चा अध्यक्ष राहुल उरांव, राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा महिला प्रकोष्ठ रांची महानगर अध्यक्ष सुभानी तिग्गा, राजी पडहा सरना प्रार्थना सभा संगठन सचिव गैना कच्छप, अमित गाड़ी, बुड्ड धर्म गुरु एतवा उरांव उर्फ मनीष तिर्की, सरना आदिवासी जन कल्याण संस्थान नामकोम युवा अध्यक्ष नवीन तिर्की, कैलाश तिर्की, मनोज उरांव, सुरज टोप्पो समेत अन्य शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

प्रशासनिक सेवा के रिटायर्ड अफसर सहित कई ने थामा कांग्रेस का दामन

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की उपस्थिति में रविवार को झारखंड के पूर्व प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत अपर सचिव अवध नारायण प्रसाद और डॉ प्रसाद पासवान ने दर्जनों समर्थकों के साथ कांग्रेस का दामन थामा। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि अवध नारायण और डॉ प्रसाद पासवान शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में लंबे समय से काफी सक्रिय रहे है, उनके अनुभव से संगठन को नई उर्जा मिलेगी। विधायक दल नेता प्रदीप यादव ने कहा कि डॉ पासवान एवं अवध नारायण प्रसाद का पार्टी में आना इस मिशन को ओर अधिक सशक्त करेगा। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि इनके जुड़ने से पार्टी में नई उर्जा और मजबूती मिलेगा। पार्टी में शामिल होने वालों में मुख्य रूप से लालन कुमार पासवान, ओम पासवान, तारकेश्वर, प्रो शेखर मल्लिक, ब्रजकिशोर राय, बृजकिशोर बड़ाईक, रिता पासवान, नवल किशोर पासवान, दीपक कुमार, मुकेश कुमार, प्रो प्रदीप कुमार, प्रो दिनेश पासवान रहे।

श्री महावीर मंदिर दुर्गा पूजा समिति इस वर्ष बना रहा केदारनाथ मंदिर का पंडाल

रांची : राजधानी रांची में दुर्गा पूजा की तैयारी जोर-जोर से चल रही है। शहर के अलग-अलग जगहों पर दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। इसी क्रम में रांची श्री महावीर मंदिर दुर्गा पूजा समिति, थड़पखना इस वर्ष केदारनाथ मंदिर के प्रारूप का निर्माण कर रही है। यह हिमालय की गोद में बसा एक पवित्र तीर्थस्थल है और यहां स्थित केदारनाथ मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिलिंगों में से एक है। समिति के अध्यक्ष रविंद्र वर्मा ने रविवार को बताया कि पंडाल की चौड़ाई 60 फीट और ऊंचाई 70 फीट होगी। मां का दर्शन करने के लिए तीन गेट बनाए गए है। एक मुख्य द्वार है। केदारनाथ के थीम पर ही लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। बंगाल सज्जा पर आधारित मूर्ति का निर्माण किया जा रहा है। मूर्ति 10 फीट की है। पंडाल निर्माण में बंगाल के 30 कारीगर दिन रात लगे है। पंडाल निर्माण में 2.5 लाख, मूर्ति 40 हजार, लाइट, भोग, पूजन सहित अन्य में कुल खर्च छह लाख होगा। आयोजन को सफल बनाने में जय वर्मा, अमित वर्मा, आयुष वर्मा सहित अन्य सदस्य जुटे हुए है। उन्होंने बताया कि समिति 1923 से लगातार दुर्गा पूजा का आयोजन कर रही है।

दशहरा पर्व पर झारखंड में पूर्ण शराबबंदी घोषित करे सरकार : विजय शंकर नायक

रांची : झारखंड में आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने दुर्गा पूजा के दौरान राज्य में पूर्ण शराबबंदी की मांग की है। उन्होंने राज्य सरकार से सख्त निर्देश जारी करने की मांग की, ताकि समाज में शांति, सद्भाव और सांस्कृतिक संरक्षण सुनिश्चित हो सके। नायक ने रविवार को राज्य के मुख्यमंत्री, मद्यनिषेध एवं उत्पाद मंत्री तथा मुख्य सचिव को ईमेल से पत्र भेजकर आग्रह किया कि दुर्गोत्सव में अष्टमी, नवमी और दशमी तिथियों पर शराब की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित की जाए। ईमेल के जरिए भेजे गए पत्र में उन्होंने यह भी कहा कि दशहरा झारखंड की सांस्कृतिक धरोहर और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक पर्व है। पूजा के दौरान शराब की दुकानों के खुले रहने से झगड़े, मारपीट और साम्प्रदायिक तनाव जैसी घटनाएं बढ़ जाती हैं, जिससे पर्व की पवित्रता धूमिल होती है। ऐसे में शराबंदी के लिए उठाए गया कदम, राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को सशक्त करेगा। समाज को नैतिक मजबूती प्रदान करेगा।

रांची पुलिस ने किया बैटरी चोरी करनेवाले गिरोह का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

रांची : लोअर बाजार थाना क्षेत्र में लगातार हो रही टुकटुक बैटरी चोरी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस कांड में शामिल पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है और चोरी हुए तीन टुकटुक समेत अन्य सामान बरामद किए हैं। जानकारी के मुताबिक, वरीय पुलिस अधीक्षक और नगर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर डीएसपी और लोअर बाजार थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने 13 सितंबर को त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी इस्तियाक अंसारी को दबोच लिया। पूछताछ में उसने अपने चार साथियों के नाम बताए, जिसके बाद सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में अहमद अंसारी उर्फ चाँद (28 वर्ष), चाँद कुरैशी उर्फ चंदू (24 वर्ष), इस्तियाक अंसारी (31 वर्ष), तालिब आलम (25 वर्ष) और कैफ उर्फ पनसौखी (21 वर्ष) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह टुकटुक चुराकर सुनसान इलाकों में ले जाता था और उसकी इलेक्ट्रिक बैटरी निकालकर दीपाटोली स्थित एक कबाड़ी दुकान में बेच देता था। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी के तीन टुकटुक बरामद किए हैं। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त टेंपो और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपियों ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। फिलहाल आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सफाई तो होकर रहेगी 4.0, रविवार को प्रशासक ने किया औचक निरीक्षण

रांची : नगर निगम के प्रशासक सुशांत गौरव ने रविवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण क्रम में उन्होंने शहर की स्वच्छता व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालय, दुर्गा पूजा पंडालों की तैयारी, वेंडिंग जोन, पार्क एवं तालाबों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा नागरिकों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया। हरमू स्थित मिनी ट्रांसफर स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया गया। प्रशासक ने निर्देश दिया कि सभी खराब वाहनों को तत्काल दुरुस्त किया जाए, ताकि कचरा संग्रहण कार्य बाधित न हो। अनुपयोगी (कंडम) वाहनों की सूची तैयार कर उन्हें शीघ्र स्क्रैप हेतु नीलाम करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि MTS परिसर को केवल संचालन स्थल ही नहीं बल्कि साफ-सुथरा और सुव्यवस्थित परिसर बनाया जाए।

एक नजर

जैन मिलन केंद्र में क्षमा याचना एवं विश्व मैत्री दिवस का हुआ आयोजन

बोकारो : जैन मिलन केंद्र में हुआ आत्म-शुद्धि, क्षमा और सेवा का संगम। पर्युषण पर्व की पूणाहुति के अवसर पर जैन धर्म से जुड़े लोगों ने रविवार को जैन मिलन केंद्र, बोकारो में संयुक्त रूप से क्षमा याचना दिवस एवं विश्व मैत्री दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और तेरापंथ महिला मंडल की सदस्यों द्वारा गाये भक्ति गीत से की गई। इस अवसर पर जैन मिलन के अध्यक्ष संजय बैद ने कहा, क्षमा याचना दिवस केवल जैन धर्म के अनुयायियों के लिए नहीं, बल्कि पूरे मानव समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। यह दिन हमें यह सिखाता है कि क्षमा से बड़ा कोई धर्म नहीं और क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, आत्मबल का प्रतीक है। इस अवसर पर तपस्या करने वाले तपस्वीयों को श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर बहुमान किया गया। जैन मिलन के सचिव आलोक जैन ने कहा,क्षमा माँगना केवल एक औपचारिक परंपरा नहीं, बल्कि यह आत्म-उन्नति और आत्मचिंतन की दिशा में उठाया गया साहसिक कदम है। कार्यक्रम का संचालन सुशील बैद ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कमल सांधवी, सुभाष जैन, विपुल मेहता,चंदन बांठिया,अंकित जैन का विशेष योगदान रहा।

भारत की संस्कृति परंपरा और पहचान है हिन्दी : डॉ. गंगवार

बोकारो : 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिनु निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल। प्रखर राष्ट्रवादी लेखक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की ये पंक्तियां भारत में हमारी अपनी भाषा हिन्दी की महत्ता को बताने के लिए पर्याप्त है। मातृभाषा में जो भाव है, वह अन्य किसी भी भाषा में नहीं। 14 सितंबर, 1949 को हिन्दी को राजभाषा का दर्जा तो मिल गया, लेकिन आज तक इससे आगे बढ़कर यह राष्ट्रभाषा नहीं बन सकी, जो वास्तव में हम सभी भारतवासियों के लिए एक बहुत बड़ी विडंबना है। हिन्दी अपने-आप में अत्यंत समृद्ध एवं सर्वमान्य भाषा है। सत्य तो यह है कि हिन्दी भारत की संस्कृति, हमारी परंपरा, पहचान और आत्मा है। राष्ट्र के सशक्तीकरण के लिए इसे सशक्त बनाना आवश्यक है।' उक्त बातें डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने कहीं। शनिवार को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय में आयोजित विशेष सभा में उपस्थित हजारों विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तरकर्मियों को वह संबोधित कर रहे थे।

डीसी ने डीएमएफटी प्रबंधकीय समिति का किया बैठक

बोकारो : रविवार को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डी०एम०एफ०टी०) की प्रबंधकीय समिति की बैठक उपायुक्त अजयनाथ झा ने गोपनीय कार्यालय कक्ष में किया। बैठक में पुलिस अधीक्षक हरिवंदर सिंह, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, वन प्रमंडल पदाधिकारी संदीप शिंदे, सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद, प्रभारी पदाधिकारी डीएमएफटी कोषांग प्रभाष दत्ता, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम एवं जिला खनन पदाधिकारी रवि कुमार आदि उपस्थित थे। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि डी.एम.एफ.टी मद से होने वाले व्यय की प्राथमिकता तय की जायेगी। इस क्रम में खनन प्रभावित क्षेत्र को लाल क्षेत्र (रेड जोन) एवं सामान्य क्षेत्र को नारंगी क्षेत्र (ऑरेनज जोन) के रूप में वर्गीकृत कर कार्यान्वयन किया जायेगा। बैठक में उपायुक्त ने वितीय वर्ष 2024-25 से अब तक डी.एम.एफ.टी मद से किए गए कार्यों का महालेखा परीक्षक (सी०ए०जी०) द्वारा अंकेक्षण (ऑडिट) कराया जाएगा।

सांसद खेल महोत्सव का आगाज 23 सितंबर से कोडरमा की धरती पर खिलेंगे खेलों के सितारे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : सांसद खेल प्रतियोगिता का प्रेस वार्ता ग्रेंड सुर्या में आयोजित किया गया। जिसमें केन्द्रीय महिला बाल बिकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, बरकट्ठा विधायक अमित यादव उपस्थित हुए। अन्नपूर्णा देवी ने प्रेस वार्ता में कहा कि कोडरमा लोकसभा क्षेत्र एक ऐतिहासिक खेल आयोजन का गवाह बनने जा रहा है। आगामी 23 सितंबर से 25 दिसंबर 2025 तक यहां सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया और फिट इंडिया अभियान की भावना को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस खेल महोत्सव की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री एवं कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता भर नहीं है, बल्कि युवाओं को फिटनेस, अनुशासन और टीम भावना से जोड़ने का एक सशक्त प्रयास है। यह ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का मंच उपलब्ध कराएगा। युवाओं में छिपी खेल प्रतिभा की पहचान और उसे प्रोत्साहन देना। अनुशासन, टीम भावना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के खिलाड़ियों को समान अवसर उपलब्ध कराना। पारंपरिक और आधुनिक खेलों का संगम प्रस्तुत कर खेल संस्कृति को बढ़ावा देना। इस महोत्सव में फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज, एथलेटिक्स जैसे आधुनिक खेलों के साथ-साथ लगोरी (सत्तूलिया/सात पत्थर) जैसे पारंपरिक खेलों को भी जोड़ा गया है, ताकि नई और पुरानी दोनों पीढ़ियों के बीच खेल संस्कृति का सेतु बने। अन्नपूर्णा जी ने सांसद खेल प्रतियोगिता का पोस्टर भी विमोचन किया। सांसद अन्नपूर्णा देवी ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि प्रिय क्षेत्रवासियों, सांसद खेल महोत्सव 2025 केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि फिट युवा झ्र विकसित भारत के संकल्प की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। आप सभी खिलाड़ी, अभिभावक और खेलप्रेमी इस महोत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और इसे अविस्मरणीय बनाएं। आइए, कोडरमा की धरती से फिटनेस, अनुशासन और खेल भावना का संदेश पूरे भारत तक पहुंचाएं। प्रेस वार्ता में शामिल प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नितेश चंद्रवंशी, मुकेश जालान, देवनाथ राणा, मनोज कुमार झुन्नु, चन्द्रशेखर जोशी, राजेश सिंह, रामदेव मोदी, ईश्वर मोदी, रवि यादव, विजय राय, नरेन्द्र पाल, पप्पू पाण्डेय, आदि उपस्थित थे।

नवलशाही थाना क्षेत्र में मिले अज्ञात शव की हुई पहचान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : दिनांक 13/09/2025 को नवलशाही थाना अंतर्गत रायडीह माससमोहना पुल के समीप नाली में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पाए जाने की सूचना पर उस अज्ञात व्यक्ति की शिनाख्त एवं घटनाक्रम का पता लगाकर विधि सम्मत कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक, कोडरमा द्वारा थाना प्रभारी नवलशाही के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। उक्त टीम द्वारा तत्परतापूर्वक कार्रवाई करते हुए अज्ञात शव को शिनाख्त हेतु शव का फोटोग्राफस, हुलिया, पहनावा आदि के बारे में प्रचार-प्रसार करवाया गया तथा इस हेतु विश्वसनीय गुप्तचरों को लगाया गया। इस दौरान उक्त अज्ञात शव की पहचान महेंद्र मोदी पिता- स्व0 झरी मोदी, ग्राम उरवा थाना- चंदवारा जिला कोडरमा द्वारा अपने साला अजय मोदी उम्र 47 वर्ष पिता स्व ईश्वर मोदी, ग्राम- गोदखर, थाना- जयनगर, जिला कोडरमा के रूप में की गई तथा उनके द्वारा लिखित रूप में बताया गया कि वे मानसिक रूप से विक्षिप्त थे और हमेशा बिना कुछ बताएं कहीं भी चले जाते थे लेकिन भटकते हुए वापस लौट आते थे। इस दौरान 11.09.2025 को भी वे घर से निकल गए लेकिन घर नहीं लौटे। घर के लोग इसकी खोज भी करने लगे की इसी बीच एक अज्ञात शव नवलशाही थाना अंतर्गत मसमोहना पूल के समीप नाल में पाए जाने तथा शव को सदर अस्पताल कोडरमा में रखे जाने की सूचना मिली। तब सदर अस्पताल कोडरमा जाकर अपने साला की पहचान किये जो मानसिक विछिप्ता की अवस्था में नाली में जाकर गिर गये तथा काफी देर तक वहीं पड़े रहने से उनकी मृत्यु हो गई।

बांसडीह में 1.69 करोड़ की लागत से बनेगी सड़क, विधायक ने किया भूमि पूजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : मरकच्चो प्रखंड के आदर्श ग्राम चोपनाडीह पंचायत के ग्राम बांसडीह में मुख्य सड़क से श्मशान घाट तक तथा सुखदेव यादव के घर से पुराना आहर तक जाने वाले ग्रामीण पथ का भूमि पूजन रविवार को विधायक डा. नीरा यादव ने फीता काट व नारियल फोड़ कर की। उक्त सड़क का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 1 करोड़ 69 लाख की लागत से कराया जायगा। मौके पर विधायक डा. नीरा यादव ने कही कि किसी भी क्षेत्र के विकास का पैमाना सड़कें ही होती है। उक्त सड़क के जर्जर अवस्था में रहने से यहां के स्थानीय ग्रामीणों को काफी असुविधा होती थी। इस सड़क को बनाने की मांग स्थानीय लोगों द्वारा वर्षो से की जा रही थी। उक्त सड़क बनने की खबर सुन स्थानीय लोगों के चेहरे खिले हुए थे। पंचायत प्रतिनिधियों समेत स्थानीय जनता ने विधायक का आभार जताया। मौके पर मंडल अध्यक्ष सुनील यादव,मुखिया पूनम देवी, प्रकाश पंडित, अर्जुन यादव, महेश यादव, राजेश यादव, शिवराम यादव, सुनील कुमार, विनोद यादव, महादेव यादव, सुभाष यादव, सिकंदर पंडित, अजय यादव, चंदन यादव समेत कई लोग मौजूद थे।

जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी : भारत विकास परिषद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : विकास परिषद झुमरी तिलैया कोडरमा के तत्वाधान में शनिवार को कोडरमा जिले के वातावरण को शुद्ध व क्लीन बनाने को लेकर ग्रीन कोडरमा क्लीन कोडरमा कार्यक्रम के तहत कोडरमा के लोकाय स्थित पेट्रोल पंप के नजदीक 40 फलदार आम के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित भारत विकास परिषद के प्रांतीय पर्यावरण संयोजक हरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि शहर को ग्रीन एवं क्लीन बनाने के साथ-साथ शहर देखने में सुंदर लगे। इसी उद्देश्य से यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। वही कार्यक्रम के संयोजक अजय अग्रवाल ने कहा कि आज - शहर को सुंदर, स्वच्छ व आकर्षक बनाने के लिए करीब 40 आम के फलदार पौधे लगाए गए हैं। लेकिन हम लोगों का उद्देश्य पूरे जिले में अधिक से अधिक पौधे लगाने का है। वहीं भारत विकास परिषद के मनोज कुमार झुन्नु ने कहा कि इस वर्ष पर्यावरण को शुद्ध रखने और लोगों को पूरा ऑक्सीजन मिले इस उद्देश्य से बहुउद्देशीय एवं छायादार पौधों को लगाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विकास परिषद का यह कार्य काफी महत्वपूर्ण एवं सराहनीय है। इसके लिए उन्होंने भारत विकास परिषद के अध्यक्ष अरुण कुमार ओझा एवं उनकी पूरी टीम टीम की सराहना की। वहीं भारत विकास परिषद के संतोष कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत विकास परिषद न केवल पर्यावरण बल्कि देश और समाज के प्रति भी अहम भूमिका निभा रहा है। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष अरुण कुमार ओझा ने कहा कि जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। जीवन की आवश्यक सभी चीजे जैसे शुद्ध हवा, साफ पानी, भोजन और रहने की जगह पर्यावरण से ही प्राप्त होता है।

बोकारो की मानवी सिंह बैंकाक थाईलैंड में बिखेरेंगी सुरों का जलवा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो की लोकप्रिय गायिका मानवी सिंह नवरात्रि उत्सव में बैंकाक, थाईलैंड में सुरों का जलवा बिखेरेंगी। मानवी के संघर्ष, मेहनत और जुनून का परिणाम है यह उपलब्धि। संगीत के प्रति मानवी की दीवानगी प्रशंसनीय है। झारखंड व बिहार में स्टेज शो के जरिए अपनी गायकी से लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली मानवी सिंह अब अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुति देने जा रही हैं। हिंदू धर्म सभा विष्णु मंदिर के तत्वावधान में, बैंकाक, थाइलैंड में 22 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक आयोजित हो रहे शारदीय नवरात्रि उत्सव में प्रस्तुति देने जा रहीं मानवी सिंह झारखंड की धरती पर जन्मी और पली-बढ़ी हैं। भक्ति, लोकगीत व फिल्मी गीतों की वह एक कुशल गायिका हैं। मानवी सिंह बोकारो के सरस्वती शिशु मंदिर में कुछ समय तक शिक्षिका के रूप में भी कार्य कर चुकी हैं। संगीत को अधिक समय देने के लिए ही उन्होंने अध्यापन कार्य को छोड़ दिया। मानवी सिंह ने अपने गायन करियर की शुरूआत कुछ ही साल पहले की थी। कार्यक्रमों की लाइन से जुड़ने के बाद उन्होंने जिस तेजी से लोकप्रियता हासिल की, वह उनके संघर्ष, मेहनत और जुनून का परिणाम है। जहां बड़े कलाकारों को शो और पहचान के लिए वर्षों का समय लग जाता है, वहीं मानवी सिंह ने अपनी गायिकी से बेहद कम वक्त में दर्शकों के दिलों को छू लिया। मानवी सिंह की खासियत यह है कि वे अब तक किसी बड़े स्टार टैग या शो-ऑफ के सहारे नहीं बढ़ीं। उनकी गायिकी का जादू ही ऐसा है कि लोग उनसे खींचे चले आते हैं। बिना किसी बाहरी समर्थन या भारी-भरकम पहचान के बावजूद उन्होंने अपनी कला से लोगों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी है। आज उनकी गायिकी केवल झारखंड तक सीमित नहीं रही बल्कि देश और विदेश तक अपनी पहुंच बना रही है।

बगदा विद्यालय में बाल अधिकार एवं जेंडर जागरूकता पर प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कसमार प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय बगदा में सहयोगिनी संस्था द्वारा बाल अधिकार, बाल विवाह एवं बाल हिंसा संबंधी कानून पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। साथ ही सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ाव तथा अभिवंचित वर्ग की किशोरी तथा महिलाओं के बीच जेंडर जागरूकता एवं हिंसा की रोकथाम को लेकर चर्चा किया गया। सहयोगिनी के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि सहयोगिनी द्वारा कसमार प्रखंड के दुगार्पुर, बगदा, खैराचातर, एवं टांगटोना पंचायत के 19 गांव में किशोरी एवं युवा महिला समूह बनाकर नेतृत्व क्षमता विकसित करने सहित सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के साथ जोड़कर उनके जीवन में बदलाव लाया जा रहा है। जेंडर, घरेलू हिंसा, कूपोषण, स्वास्थ,बाल विवाह एवं बाल संरक्षण को लेकर समूह में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्कूलों में सुरक्षित और जागरूक माहौल बनाना तथा हर बच्चे को गरिमा के साथ जीवन जीने एवं आगे बढ़ने का अधिकार है। शिक्षक मो इरशाद ने कहा कि संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि सभी लोग सम्मान पूर्वक जीवन जीने का अधिकार है। सभी को रोजगार करने, व्यवसाय चुनने का अधिकार है। बच्चों को हमेशा अपने अधिकारों के साथ साथ कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहना चाहिए। संस्था की एनिमेटर संगीता देवी ने बताया कि बगदा पंचायत में किशोरी समूह एवं युवा महिला समूह के साथ मिलकर काम कर रहे है। जिसमे किशोरियों के जीवन कौशल, नेतृत्व क्षमता को विकसित किया जा रहा है। रेखा देवी ने कहा कि किशोरिया आज अपने हक अधिकार को लेकर आवाज उठा रही है। समूह के माध्यम से किशोरियों को नेतृत्व क्षमता को बढ़ाया जा रहा है। विभिन्न प्रकार की हिंसाओं के खिलाफ लड़ने के लिए एकजुट किया जा रहा है। बगदा स्कूल के प्रधानाध्यापक राजेश कुमार ने कहा कि किशोरावस्था में बच्चों को बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक शिक्षा बहुत जरूरी है बच्चों के विकास के लिए इस तरह की गतिविधियां बहुत ही जरूरी है बाल विवाह होने से बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक सेहत को नुकसान पहुंचता है। बाल विवाह से बच्चे, खासकर लड़कियां गर्भावस्था और प्रसव से जुड़ी जटिलताओं का शिकार हो जाती है। जो उनके लिए जानलेवा भी हो सकती है। बाल विवाह के कारण विशेषकर लड़कियों को स्कूल छोड़ना पड़ता हे जिससे वे शिक्षा एवं कौशल विकास के अवसरों से वंचित रह जाती है। कार्यक्रम के दौरान संस्था से एनिमेटर पुष्पा देवी, संगीता देवी शिक्षक, राजेश कुमार ,संजय सिंह, तीर्थनाथ महतो, रिया कुमारी, खुशी कुमारी चाहत प्रवीण, सोनाली कुमारी, प्रीति कुमारी,बबीता कुमारी कल्पना कुमारी आदि मौजूद रही।

संक्षिप्त खबरें

पेनाल्टी सूट में गड़गी ने जनता जरीडीह को 3-2 से हरा कर सेमीफइनल में किया प्रवेश

मरकच्चो : बिचरिया नई टांड़ मैदान में खेले जा रहे न्यू स्पोर्टिंग क्लब के तत्वाधान में फुटबॉल चैंपियनशिप टूर्नामेंट में गड़गी व जनता जरीडीह की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। लेकिन मध्यांतर तक दोनों टीमें कई आकर्षक गोल बनाये पर एक भी गोल नही कर पाई। मध्यांतर के बाद खेल शुरू हुई। दोनों टीमें काफी आक्रमक दिखे। 80 मिनट के खेले गए मैच में दोनों टीम एक भी गोल नही कर पाई। अंत में पेनाल्टी सूट किया गया। जिसमें गड़गी की टीम ने 3-2 विजय हासिल की। मैच देखने के लिए भारी संख्या में खेल प्रेमी मैदान में जमे हुए थे। दर्शकों के उत्साहवर्धन से खिलाड़ियों का जोश दोगुना नजर आया। जीत के बाद गड़गी टीम के खिलाड़ियों और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। वहीं जनता जरीडीह टूर्नामेंट से बाहर हो गयी। आयोजन समिति ने विजई टीम को बधाई दी और आगामी सेमी फाइनल मैच में बेहतर खेल दिखाने की शुभकामनाएं दी। निर्णायक की भूमिका मुनीम मरांडी पंकज टुडु व प्रवीण कुमार रवि ने निभाई वहीं खेल का आंखों देखा हाल रामकृपाल सिंह, एम चंद्रा व जितेंद्र यादव ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से सुन रहे थे। मैच को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष संजय सिंह सचिन रोहित सिंह कोषाध्यक्ष प्रदीप राम,बिजय यादव,व्यवस्थापक , मनीन्द्र राम, एम चंद्रा, सोनु कुमार, रणजीत कुमार सिंह,जनार्दन यादव, रामप्रसाद साव, कृष्णदेव यादव,नारायण दास, सरयु साव, मुखिया टीपन पांसी, दीपक कुमार, डॉ बैजनाथ,रामकृपाल सिंह,निजामुद्दीन अन्सारी, विनय राम,रामचन्द्र दास, टुपलाल पंडित समेत न्यू स्पोर्टिंग क्लब के सभी सदस्य लगे हुवे थे।

बेंदी में दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

चंदवारा : मेरा युवा भारत कोडरमा द्वारा प्रखंड कोडरमा एवं चंदवारा के दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 14 सितंबर से 15 सितंबर तक स्थान बेंदी पंचायत में करवाया गया जिसमें बालक वर्ग फुटबॉल में (1)आरागारो/ ओर बेंदी के बीच खेला गया जिसमें-आरागारो जीत हासिल की (2)गझण्डी/चौराही-चौराही जीत हासिल की वही फाइनल में आरागारो/चौराही के बीच खेला गया जिसमें आरागारो ने खेल के दौरान 4/0 ट्रॉफी पर कब्जा किया एवं साथ ही जिला स्तरीय खेल के लिए जगह बनाई। 400 मीटर रेस मेंप्रथम स्थानओमकार सिंह, द्वितीय स्थान राकेश कुमारएवं तृतीय स्थान सूरज सिंह ने प्राप्त किया बालिका वर्ग कबड्डी में -चौराही/बेंदी के बीच खेला गया जिसमें चौराही ने जीत हासिल कीरस्सी कूद-प्रथम लक्ष्मी कुमारी द्वितीय खुशबू कुमारी तृतीय स्थान राधिका कुमारी 100 मीटर- प्रथम राधिका कुमारी द्वितीय सोनी कुमारी तृतीय लक्ष्मी कुमारी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाएगा। जिसमें 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाएं भाग लिए एवम इस दो दिवसीय कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में बेंदी पंचायत के मुखिया दुलारी देवी ने फीता काटकर किये एवम साथ ही प्रदीप सिंह,झरी सिंह,सुनील अगेरी और मुखिया प्रतिनिधि वजीर भुइयां,दामोदर सिंह साथ ही इस मेरा युवा भारत के सभी अधिकारी,बालगोविंद यादव ,रंजीत कुमार हरि कुमार काजल कुमारी ,प्रियंका कुमारी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

कुडौरी गांव की 88 साल पुरानी दुर्गा पूजा इस बार नई कमेटी के हाथों में जिम्मेदारी

बोकारो : उत्तर विस्थापित क्षेत्र के कुडौरी गांव में आयोजित होने वाली ऐतिहासिक दुर्गा पूजा इस वर्ष नई समिति द्वारा संपन्न कराई जाएगी। करीब 88 वर्ष पुरानी इस परंपरा की शुरूआत अंग्रेजी शासनकाल में वर्ष 1935-37 के बीच हुई थी, जब गांव के एक बुजुर्ग ने पुरी गोस्वामी परिवार की जमीन पर मिट्टी और फूस का मंदिर बनाकर पूजा का आरंभ किया था। धीरे-धीरे मंदिर का निर्माण चुन, सुरथी और पत्थर-गुड़ से होता हुआ आज आकर्षक स्वरूप ले चुका है।गांव में स्थित भव्य दुर्गा मंदिर श्रद्धा और आस्था का केंद्र बना हुआ है। पूजा के साथ बलिप्रथा का अनुष्ठान भी होता है और विजयादशमी के अवसर पर लगने वाले मेले में आसपास के साथ-साथ दूर-दराज से भी लोग भारी संख्या में पहुंचते हैं।गांव के लोगों ने बताया कि इस पूजा की नींव और विकास में स्व. नंदा महतो, स्व. कनीराम मैनेजर, स्व. रामधनी दुबे, स्व. लालचंद महतो, स्व. गौर चंद्र मंडल, स्व. जगदीश महतो, स्व. गंगा नारायण महतो और स्व. किनु महतो जैसे कई अग्रजों का विशेष योगदान रहा है। पुरोहित परंपरा की शुरूआत स्व. मुरली पांडे के हाथों हुई थी। उनके बाद स्व. बाबूलाल पांडे, स्व. झब्बू पांडे और स्व. शिवनंदन पांडे ने यह जिम्मेदारी निभाई। वर्तमान में संदीप पांडे मुख्य पुरोहित के रूप में सेवा दे रहे हैं।इस वर्ष नई पूजा समिति का गठन किया गया है। इसमें अध्यक्ष प्रीतम कर्मकार, उपाध्यक्ष अजय कुमार महतो, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार महतो, उप-कोषाध्यक्ष पिंटू कुमार महतो, सचिव कंचन मंडल और उप-सचिव अनिकेत मंडल को जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति के अध्यक्ष प्रीतम कर्मकार ने बताया कि गांव के लगभग 50 प्रतिशत लोग सेक्टरों में रहने के बावजूद स्वेच्छा से अनुदान देकर इस पूजा से जुड़े रहते हैं।पूजा समिति की ओर से इस बार भी विजयादशमी तक प्रतिदिन रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। हर वर्ष की भांति इस साल भी यहां आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा।

संतान की लंबी उम्र के लिए माताओं ने रखा निर्जला उपवास, श्रद्धाभाव से किया जीतिया व्रत

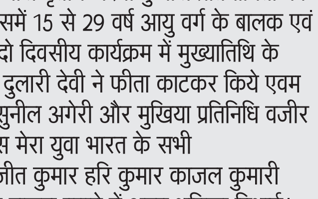

बोकारो : संतान की दीघार्यु और सुख-समृद्धि की कामना के साथ रविवार को बोकारो-चास में माताओं ने परंपरागत जीवित्पुत्रिका व्रत (जितिया) पूरे श्रद्धा भाव से संपन्न किया। विभिन्न सेक्टरों और मोहल्लों के मंदिरों व पूजा स्थलों पर महिलाओं ने एकत्र होकर पूजा-अर्चना की और जीवित्पुत्रिका व्रत कथा का श्रवण किया।भोर से ही व्रती महिलाएं निर्जला उपवास के साथ उपवास के नियमों का पालन करते हुए भगवान की भक्ति में लीन दिखीं। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाए और अपने बच्चों की सुख-समृद्धि व दीघार्यु की प्रार्थना की। पंडित पवन मिश्रा ने बताया कि महाभारत काल से यह व्रत प्रचलित है और इसे जिउतिया, जितिया या जीमूत वाहन व्रत भी कहा जाता है। अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर किया जाने वाला यह उपवास बेहद कठिन माना जाता है, जिसमें महिलाएं जल तक ग्रहण नहीं करतीं। व्रत की शुरूआत नहाय-खाय से होती है और अगले दिन पारण के साथ इसका समापन किया जाता है।

एक नजर

छावनी परिषद वार्ड 7 में मूलभूत सुविधाओं का अभाव

रामगढ़ : रविवार को रामगढ़ विधानसभा अंतर्गत छावनी परिषद के वार्ड नंबर 7 में जाकर भ्रमण किया इस दौरान दर्जनों महिलाएं पुरुष युवाओं ने आकर गांव की समस्याओं से अवगत कराया। जैसे वृद्धा पेंशन विधवा पेंशन आवास योजना मैयां सम्मान योजना स्कूल एवं सरना स्थल की चार दिवारी जैसे जन कल्याणकारी मुद्दे जो आज भी पूरे नहीं हो सके हैं। जबकि वार्ड नंबर 7 आदिवासी आरक्षित वार्ड है। बावजूद इसके मूलभूत सुविधाओं से वंचित है मैने स्थानीय ग्रामीणों को आश्वस्थ किया है कि बहुत जल्द रामगढ़ विधायिका ममता देवी जी से मिलकर समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करूंगा।

धूमधाम से मनाया गया प्राकृतिक का अनुठा संगम जिउतीया पूजा

ईचागढ़ : सरायकेला-खरसावां जिला के चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में रविवार को जिउतीया पूजा यानी जितुआ पूजा धूमधाम से मनाया गया। सुबह को गाजे बाजे के साथ लोग इंख डाली को अपने घरों में लाया और शाम को अपने आंगन में गाड़कर विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया। मान्यता के अनुसार माता अपने बच्चों के लम्बी उम्र एवं रोग दु:ख से बचाने के लिए निर्जला उपवास कर अंकुरित चना का भोग लगाकर जितुआ यानी सुर्य पूत्र जिमीतवाहन का पूजन करते हैं और अपने बच्चों को आशीष देकर अष्टमी छोड़ने के बाद दुसरे दिन पारन कर व्रत का समापन करती है। प्राकृतिक पूजा के रूप में करम पूजा के कुछ दिन बाद ही इंख डाली का पूजा करते हैं। जीता पूजा में श्रृगाल और गिध का भी पूजा किया जाता है,जो एक प्राकृतिक संरक्षण का संदेश देता है।

दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

निमडीह : निमडीह थाना परिसर में शनिवार को शारदीय नवरात्रि दुर्गा पूजा को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार एस अभिनव की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में बिजली, स्वास्थ्य, पानी, सफाई, यातायात नियंत्रण समेत सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सभी दुर्गा पूजा समितियों को पंडालों में अग्निशमन यंत्र व श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी एस अभिनव ने कहा कि पूजा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर कानूनी करवाई की जाएगी।

सड़क की बदहाली से परेशान ग्रामीणों ने किया आंदोलन का एलान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित जोजोहतु से केच्चाबाईपी तक बन रही अधूरी और जर्जर सड़क ने ग्रामीणों का परेशानी बढ़ा दी है। सड़क की दुर्दशा से परेशान ग्रामीणों ने अब आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। रविवार को अंजेड़बेड़ा गांव में आयोजित एक बैठक में विभिन्न गांवों के ग्रामीण मुण्डा, डकुवा और समाजसेवियों की मौजूदगी में यह निर्णय लिया गया कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो विधायक, झारखंड सरकार के मंत्री और उपायुक्त के आवास का घेराव किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता तमसोय जोन के अंजेड़बेड़ा ग्रामीण मुण्डा ने की। बैठक में सिंगीजारी, जोजोहतु, केच्चाबाईपी, तुम्बाहाका, सरजोमबुरु, पाटातारोब आदि गांवों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सिंगीजारी के मुण्डा लकेश्वर सुंडी ने बताया कि सड़क की हालत इतनी खराब है कि एम्बुलेंस सेवा तक नहीं मिल पा रही। कई बार फोन करने पर भी एंबुलेंस चालक गांव तक आने से मना कर देते हैं। केच्चाबाईपी के मुण्डा कमल बनंसिंह ने बताया कि खराब सड़क की वजह से स्कूलों में मध्याह्न भोजन (मिड-डे मील) समय पर नहीं पहुंच पाता। कभी-कभी तो खाना आता ही नहीं, जिससे बच्चे भूखे पेट घर लौट जाते हैं। सरजोमबुरु के मुण्डा मांगता देवगन ने कहा कि गांव में स्वास्थ्य उपकेंद्र तो है लेकिन वहां न डॉक्टर आते हैं, न नर्स। पूछने पर जवाब मिलता है कि सड़क इतनी खराब है कि आना संभव नहीं। पाटातारोब के मुण्डा आनंद बहन्दा ने बताया कि गांव में गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के लिए ट्रैक्टर एवं निजी वाहन का सहारा लेना पड़ता है। सरकारी गाड़ी आधे रास्ते से आगे जाने से मना कर देती है और पैसों की भी वसूली करती है। मौके पर उपस्थित समाजसेवी रमेश बालमुचू ने कहा कि यदि हमारी मांगों पर सदर विधायक, मंत्री और उपायुक्त ध्यान नहीं देते हैं, तो हम सभी अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। समाजसेविका बोआएं बिरुली ने बैठक में प्रस्ताव रखा कि पदयात्रा कर डीसी और सदर विधायक के आवास का घेराव किया जाएगा। इस प्रस्ताव पर सभी ग्रामीणों ने सहमति जताई। हीरालाल हेम्ब्रोम ने मजदूरों को उचित मजदूरी नहीं मिलने का मुद्दा उठाया और प्रशासन से इसे जल्द दुरुस्त करने की मांग की। बैठक में अधिवक्ता महेंद्र जामुदा ने कहा कि सभी समस्याओं की जड़ अधूरी सड़क है। यदि जनप्रतिनिधि इस पर ध्यान दें, तो हल निकाला जा सकता है। इस आंदोलन की रूपरेखा में प्रमुख रूप से डेविड कलुन्डिया, कंदरा बुकुरु, सुनील पुर्ति, सिंगराय हंसदा, तुराम सुंडी, रामकृष्णा, प्रदान कारवां, मंगल सिंह तांती, कृष्णा बनसिंह, मगता पुर्ती, रसय देवगम, आनंद खडाईत सहित कई ग्रामीण शामिल थे।

ईचागढ़ पुलिस ने 60 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ एक को भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ थाना क्षेत्र के सिल्ली रांगामाटी सड़क पर रूगड़ी गांव के पास विभिन्न ब्रांड का 60 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ शराब तस्कर सिल्ली थाना क्षेत्र के अजयगढ़ निवासी 30 वर्षीय बुधराम महली को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मौके से अंग्रेजी शराब तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी को भी जप्त किया गया। थाना प्रभारी बिक्रम आदित्य पांडे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि गुप्त सुचना के आधार पर रूगड़ी गांव के पास एक छापेमारी दल का गठन कर एंट्री क्राइम चेकिंग लगाया गया, जहां एक स्कूटी सवार पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस दल के सहयोग से उसे पकड़कर तलाशी लेने पर स्कूटी पर बोरा में भरे मेगडोवेल 180 एम एल का 36 पीस, 375 एम एल का 06 पीस, आइकोनिक 180 एम एल का 12 पीस एवं 375 एम एल का 06 पीस बरामद किया गया। शराब माफिया को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया एवं स्कूटी को जप्त कर लिया गया। छापामारी दल में थाना प्रभारी बिक्रम आदित्य पांडे, हवलदार राजेश कुमार, चौकीदार ठाकुर दास तांती सामिल थे।

सरिया स्टेडियम में आदिवासी एकता मंच की बैठक, लिए गए कई निर्णय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : आदिवासी एकता मंच सरिया प्रखंड की एक बैठक सरिया स्टेडियम में रविवार को आयोजित की गई । जिसमें बतौर मुख्य अतिथि बगोदर प्रखंड के आदिवासी मांझी हडाम लालजीत मरांडी मुख्य रूप से उपस्थित थे।बैठक की अध्यक्षता कर रहे राम जी मुर्मू में उपस्थित लोगों को समाज की एकता पर मजबूती प्रदान करने के लिए प्रेरित किया।कहा कि हम जितना ही मजबूत रहेंगे सरकार से अपने हक अधिकार को लेने में उतना ही सक्षम बनेंगे।कहा गया कि सरकार द्वारा आदिवासियों के विकास के लिए कई प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं। परंतु जानकारी के अभाव में हमें इसका लाभ नहीं मिल पाता है। इन सुविधाओं का लाभ लेने के लिए हम सबों को जागरूक होना होगा।बताया कि समाज द्वारा आदिवासी समाज के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक उत्थान के लिए प्रत्येक आदिवासी बाहुल्य गांव में पांच प्रकार के प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया है। जो मांझी हडाम, जोग मांझी, पराणिक, नायके तथा कुडम नायके के नाम से जाने जाते हैं। ये प्रतिनिधि समाज की गतिविधि का ध्यान रखते हुए लोगों को उनके विकास के लिए मार्गदर्शन के रूप में काम करते हैं।सरकार द्वारा इन प्रतिनिधियों को समाज व संगठन के संचालन के लिए प्रत्येक माह कल्याण कोष से एक 1000 की राशि प्रदान की जाती है। गिरिडीह जिले में 13 प्रखंड हैं। जिसमें यह सुविधा सरिया प्रखंड को छोड़कर शेष सभी 12 प्रखंडों के आदिवासी हडाम को दी जाती है। जबकि सरिया प्रखंड के 17 गांवों में निवास करने वाले आदिवासी मांझी हडाम इस सुविधा से वंचित हैं। जिस पर लोगों ने गहन मंथन किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि यह सुविधा सरिया प्रखंड के आदिवासी मांझी हडाम को भी इसके लिए उपायुक्त गिरिडीह तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी सरिया से मिलकर आग्रह करते हुए मांग पत्र सौंपा जाएगा। वही कहा गया कि कुर्मी-कुड़मी समाज के लोग सरकार से आदिवासी श्रेणी में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। यदि कुर्मी-कुड़मी को आदिवासी का दर्जा दिया जाता है तो इससे आदिवासी समाज को मिलने वाले हक अधिकार छिना जाएगा। इसका विरोध करते हुए किसी भी कीमत पर आदिवासी का दर्जा उन्हें प्राप्त नहीं हो इसके लिए संवैधानिक तरीके से आंदोलन किए जाएंगे।

डिमना में झारखंड मानवाधिकार संघ की बैठक नवनियुक्त महानगर कमेटी का हुआ अभिनंदन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डिमना : झारखण्ड मानवाधिकार संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आज डिमना के द लॉगिन होटल में केंद्रीय अध्यक्ष दिनेश कुमार किनू की अध्यक्षता में परिचय सह अभिनन्दन समारोह आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जमशेदपुर महानगर कमेटी। के नवनियुक्त पदाधिकारी एवं सदस्यों का परिचय एवं अभिनंदन करना तथा झारखंड मानव अधिकार संघ के उद्देश्य के प्रति जानकारी देना था. कार्यक्रम में नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष मनोज किशोर को केंद्रीय अध्यक्ष दिनेश कुमार कीनू ने शाल उड़ाकर सम्मानित कर उनका स्वागत किया एवं उनकी पूरी टीम को पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ राष्ट्रगाण एवं केंद्रीय महासचिव श्री विकास श्रीवास्तव के परिचयात्मक भाषण के साथ हुआ, जबकि मंच का संचालन प्रदेश कार्यालय सचिव श्री सुजीत वर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन महानगर सचिव श्रीअखिलेश कुमार सिन्हा द्वारा किया गया। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मनोज किशोर भारतीय संविधान में मानव अधिकार आयोग से संबंधित महत्वपूर्ण अनुच्छेदों का संक्षिप्त विवरण देते हुए कहा कि झारखंड मानव अधिकार संघ का मुख्य उद्देश्य मानव अधिकारों की रक्षा करना और उनके उल्लंघन को रोकना है।जिसमें प्रमुख है : 1. अनुच्छेद 14: समानता का अधिकार 2. अनुच्छेद 15: जाति, धर्म, लिंग आदि के आधार पर भेदभाव का निषेध 3. अनुच्छेद 16: सरकारी नौकरियों में समान अवसर प्रदान करना 4. अनुच्छेद 17: अस्पृश्यता का निषेध 5. अनुच्छेद 21: जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार 6. अनुच्छेद 21ए: शिक्षा का अधिकार - यह अनुच्छेद 6 से 14 वर्ष के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार प्रदान करता है। 7. अनुच्छेद 23: मानव तस्करी और बलात श्रम का निषेध 8. अनुच्छेद 24: बाल श्रम का निषेध इन अधिकारों को जानना और उनका उपयोग करना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

कुड़मी समाज की बैठक संपन्न

चांडिल : डाक बांगला में आदिवासी कुड़मी समाज को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की मांग को लेकर पूरे झारखंड में 20 सितंबर को 'रेल टेका डहर छेंका' कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कोल्हान स्तरीय सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में कुड़मी समाज के मूल मांता मूल खूंटी अजित प्रसाद महतो उपस्थित थे। बैठक में रेल टेका आंदोलन को सफल बनाने के लिए बक्ताओं ने बिंदुवार विचार रखें। मुख्य अतिथि अजित प्रसाद महतो ने आंदोलन को सफल बनाने के लिए समाज के सदस्यों में जोश भरते हुए कहा कि आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक हमें अपना अधिकार नहीं मिल जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार जब तक हमें आदिवासी की सूची में शामिल नहीं करती है तब तक कुड़मी समाज आंदोलन करते रहेंगे।

शपथ पत्र

मैं निकीता टोप्पो पिता- अभाष टोप्पो, उम्र 17 वर्ष, निवास ग्राम - हेठमा ढ़ाका टोली, पोस्ट- हेठमा थाना - कुरडेग, जिला- सिमडेगा शपथ पत्र संख्या 21734, दिनांक- 13/09/2025 शपथपूर्वक ब्यान करती हूँ:

1. यह कि, मेरा नाम निकीता टोप्पो है।
2. यह कि, मेरा आधार कार्ड संख्या 4185 3418 3221 को छोड़कर सभी कागजात में निकीता टोप्पो है।
3. यह कि मेरा जन्म तिथि 28/06/2008 है जो की सही है।
4. यह कि मेरा नाम आधार कार्ड में नितिका टोप्पो हो गया है जो गलत है।
5. यह कि मेरा आधार कार्ड में मेरा नाम नितिका टोप्पो (NITIKA TOPPO) सुधार कर निकीता टोप्पो (NIKITA TOPPO) लिखा एवं पढ़ा जाए।

जमशेदपुर में दुर्गा पूजा की तैयारियां तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : आगामी दुर्गा पूजा को लेकर जमशेदपुर दुर्गा पूजा केंद्रीय समिति की नॉर्थ जोन की बैठक शनिवार को मानगो स्थित बड़ा हनुमान मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने की, संचालन अर्जुन शर्मा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन बी.एन. सिंह ने किया। बैठक में विभिन्न पूजा समितियों ने अपनी समस्याएं रखीं। इनमें मुख्य रूप से डिमना रोड पर सब्जी विक्रेताओं से उत्पन्न ट्रैफिक समस्या, दुर्गा पूजा के दौरान पुल निर्माण कार्य को रोकने की मांग, झूलते बिजली के तारों को अविलंब दुरुस्त करने की आवश्यकता, मानगो चौक से डिमना चौक तक विशेषकर मून सिटी के सामने की सड़क की मरम्मती तथा शोभा यात्रा के दिन वैकल्पिक मार्ग और लाइटिंग व्यवस्था की मांग शामिल रही। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मानगो नगर निगम इस वर्ष विशेष सफाई व्यवस्था करेगा। जिसमें सभी पूजा पंडालों में डस्टबिन उपलब्ध कराए जाएंगे। निगम के सफाई कर्मी नियमित रूप से पंडालों से कचरे का उठाव करेंगे और इस बार खास तौर पर माँ को चढ़ाए गए पुष्पों और पूजा सामग्री व अन्य कचरों को अलग-अलग संकलित कर उनका निष्पादन किया जाएगा। केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने सभी समितियों से अपील की कि वे विसर्जन शोभायात्रा में नशामुक्त अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें और विसर्जन के दिन मातृशक्ति भी सक्रिय भागीदारी निभाएं, ताकि मां दुर्गा को भावपूर्ण विदाई दी जा सके। बैठक में महासचिव आशुतोष सिंह, सचिव रामबाबू सिंह, मानगो थाना प्रभारी नित्यानंद प्रसाद, नगर निगम के सिटी मैनेजर दिलेश्वर यादव, जोनल सचिव अर्जुन शर्मा, त्रयंबक महादेव मंदिर एवं गांधी मैदान दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष नित्यानंद सिंहा, सुनील सिंह, राजीव सिंह, विनोद राय, अपूर्व पाल, अर्जुन राणा, संतोष सिंह, राजेश सिंह और कृष्ण महाराज समेत कई पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

खाना बैंक ने दिव्यांग बच्चों संग बांटी खुशियां

रामगढ़ : सामाजिक संगठन रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति के अंतर्गत संचालित खाना बैंक के द्वारा सुकरीगढ़ा स्थित विकलांग विद्यालय में दिव्यांग एवं अनाथ बच्चों के बीच भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन उमेश हेल्पिंग हैंड एवं उनकी टीम ने किया। कार्यक्रम के दौरान सभी दिव्यांग व अनाथ बच्चों ने स्नेहपूर्वक परोसे गए भोजन का आनंद लिया और खुशी जाहिर की। यह पहल समाज में संवेदनशीलता, करुणा और सेवा भाव को बढ़ावा देने का एक सशक्त उदाहरण है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा नेता एवं सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस उपस्थित रहे। उन्होंने इस अवसर पर बच्चों से संवाद किया और उनकी जरूरतों के प्रति सहयोग का आश्वासन भी दिया। इस आयोजन में उमेश कुमार, अजय कुमार, अमर बोदरा, अमित कुमार, बंटी कुमार, रूपेश कुमार, भोला कुमार, रंजीत कुमार सहित स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यगण का सराहनीय योगदान रहा। धनंजय कुमार पुटूस ने कहा: हमारा प्रयास है कि समाज के हर वंचित, दिव्यांग और अनाथ बच्चे तक सम्मान, स्नेह और सहयोग पहुँचे। बच्चों की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है। खाना बैंक जैसी पहल से हमें यह मौका मिलता है कि हम समाज के कमजोर वर्गों के साथ खड़े हो सकें। भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के वंचित, दिव्यांग और जरूरतमंद बच्चों को सहयोग व सशक्तिकरण प्रदान करने के लिए खाना बैंक प्रतिबद्ध है। उमेश कुमार ने कहा: हम और हमारी टीम लगातार कोशिश कर रहे हैं कि खाना बैंक के माध्यम से जरूरतमंदों को समय-समय पर मदद पहुँचाई जाए। आज विकलांग विद्यालय के इन बच्चों के साथ समय बिताकर यह महसूस हुआ कि हमारी छोटी सी सेवा भी उनके लिए बड़ी खुशी ला सकती है।

आगुईडांगरा गांव में श्री सारण्या फाउंडेशन ने लगाया निःशुल्क मेडिकल कैंप

पटमदा : पटमदा पंचायत के अगुईडांगरा सामुदायिक भवन परिसर में श्री सारण्या फाउंडेशन जमशेदपुर के द्वारा पूर्णिमा नेत्रालय के सहयोग से नि :शुल्क मेडिकल कैंप लगाकर आंख, दांत चिकित्सा किया गया। जानकारी देते हुए संस्था के धवल सेठ ने बताया कि कुल 116 मरीजों की जांच डॉक्टर मोनाली बनर्जी, डॉक्टर हर्षा द्वारा किया गया। वही सभी मरीजों के बीच मुफ्त दवा वितरण किया गया। कैंप में कुल 30 नेत्र रोगियों का ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। बुधवार को सभी नेत्र रोगियों को गांव से गाड़ी से ऑपरेशन के लिए ले जाया जाएगा। वही ऑपरेशन के बाद सभी को पुन: घर पहुंचा दिया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन में श्री सारण्या फाउंडेशन जमशेदपुर के धवल सेठ, मुखिया परमेश्वर सिंह, पूर्ण सिंह, खगेन महतो,पूर्णेंदु आचार्या, उत्पल मिश्रा, विकास मिश्रा, ग्राम प्रधान बाघाम्बर सिंह सहित कई गणमान्य लोग सक्रिय थे।

सारिया में दुगार्पूजा की तैयारियां जोरों पर कमेटी का हुआ गठन, राजू मंडल बने अध्यक्ष

सरिया : सारिया बाजार स्थित भगला काली मंदिर के प्रांगण में रविवार को अपराह्न 3 बजे अशोक मंडल की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दुगार्पूजा को धूमधाम से मनाने हेतु विचार-विमर्श किया गया। गहन चर्चा के बाद सर्वसम्मति से दुगार्पूजा आयोजन के लिए एक कमिटी का गठन किया गया। कमिटी में निम्नलिखित पदाधिकारियों का चयन किया गया: अध्यक्ष: राजू मंडल, कोषाध्यक्ष :जितेंद्र कुमार सोनी, सचिव :विजय मंडल, उपाध्यक्ष मुरली मनोहर मंडल, महासचिव चंदन कुमार मंडल, सह सचिव प्रकाश मंडल कार्यकारिणी सदस्य प्रभु मंडल, सुनील मंडल, देवकुमार मंडल, अजय मंडल, रोहित मंडल, महानंद मंडल, प्रकाश मंडल, सुनील गंडल, संतोष कुठ मंडल, विवेक कुमार, अविनाश कुमार, नारायण मंडल। संरक्षक मंडली राजेंद्र प्रवाद, जय प्रकाश मंडल, जानकी मंडल, भैरो मंडल। बैठक में दुगार्पूजा को भव्य और व्यवस्थित रूप से आयोजित करने पर जोर दिया गया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कमिटी ने उत्सव की तैयारियों को जल्द शुरू करने का निर्णय लिया।

23 साल बाद ग्रामीणों ने खुद श्रमदान कर दुरुस्त किया कुकडू - ईचाडीह सड़क

कुकडू : कुकडू से ईचाडीह भाया चौका तक 4.3 किलोमीटर सड़क 2002 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी थी। इसके बाद से अब तक सड़क का जीर्णोद्धार नहीं हुआ। सड़क पर जगह-जगह गड्ढों के कारण आवागमन ग्रामीणों के लिए रोज की चुनौती बन गया था। रविवार को पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक साव के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने श्रमदान कर सड़क की मरम्मती की। पूर्व जिप उपाध्यक्ष अशोक साव ने कहा कि इस सड़क की बदहाली को लेकर ग्रामीण कई बार विभाग और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन समस्या जस की तस बनी रही। बरसात में हालात और भी बिगड़ जाते हैं। विभाग की ओर से 4.3 किलोमीटर सड़क के जीर्णोद्धार के लिए टेंडर जारी हो चुका है, लेकिन तकनीकी कारणों से काम शुरू नहीं हो पाया है। सूत्रों के मुताबिक, मंईयां सम्मान योजना के चलते विभाग के पास फंड की कमी भी एक बड़ी बाधा है। रविवार को आयोजित श्रमदान में ग्रामीणों ने जेसीबी और ट्रैक्टर से मिट्टी-मुरम मंगाकर गड्ढे भरे और सड़क को दुरुस्त किया। इस मौके पर ईचाडीह पंचायत के मुखिया चित्तरंजन सिंह, पंचायत समिति सदस्य मंगल सिंह,पूर्व मुखिया प्रतिनिधि गोरा चांद सिंह मुंडा, रमेश गोप, कार्तिक प्रमाणिक, मलखान प्रमाणिक, रोहिन महतो, सदानंद कुमार, नकुल गोप, आकाश प्रमाणिक समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

लोकतंत्र : दुनिया की सबसे अच्छी शासन व्यवस्था

आज विश्व में लोकतंत्र सबसे अच्छी शासन व्यवस्था है, जिसमें व्यक्ति को शासन में भागीदारी करने का मौका मिलता है। अन्तरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस हर वर्ष 15 सितम्बर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। इसकी स्थापना 2007 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से की गई थी। इसका मुख्य लक्ष्य लोकतंत्र को मजबूत और सुदृढ़ बनाना है। लोकतंत्र का तात्पर्य जनता के शासन से माना जाता है, जिसमें जनता शासन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भागीदारी निभाती है। अब्राहम लिंकन के अनुसार लोकतंत्र जनता का, जनता द्वारा और जनता के लिए शासन है। उन्होंने लोकतंत्र को केवल एक राजनीतिक प्रणाली के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे शासन के रूप देखा जो समानता और स्वतंत्रता के आदर्शों पर आधारित है। ब्रिटिश राजनीतिक दार्शनिक जॉन स्टुअर्ट मिल का मानना था कि लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था ही सबसे अच्छी है। लेकिन, सच्चा प्रजातंत्र तो वह है, जिसमें सभी नागरिक प्रत्यक्ष रीति से शासन कार्य में भाग लेते हैं, किन्तु यह प्रयोग संभव नहीं है। वर्तमान दौर में बड़े-बड़े देशों में प्रत्यक्ष प्रजातंत्र चलना संभव नहीं है। लोकतंत्र में सर्वोत्म शासन अप्रत्यक्ष प्रजातंत्र या प्रतिनिधिमूलक शासन ही होना चाहिए। यद्यपि यह लोकतंत्र व्यवस्था पूर्णतया दोषमुक्त नहीं है, लेकिन फिर भी उसको अच्छा बनाया जा सकता है। लोकतंत्र का जन्म यूनान में हुआ है। ईसा से लगभग सात-आठ सौ वर्ष पूर्व यूनानी सभ्यता विकसित हो चुकी थी। यहां सैकड़ों जनसमूह भिन्न-भिन्न घाटियों में जीवन व्यतीत करते थे। ऐसे जनसमूहों के प्रदेशों को नगर राज्य कहा जाता था। यहां के लोगों ने राजनीतिक संगठन कायम किए। नगर राज्य में ग्रामीण एक-दूसरे से पृथक रहकर भी सामुदायिक जीवन व्यतीत करते थे। इनके सामुदायिक हित भी समान रूप से थे। यूनान के एथेंस में प्रत्यक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था थी। यहां के सभी नागरिक एक्लीजिया नामक परिषद में इकट्ठे होकर नगर में शासन व्यवस्था चलाने पर विचार-विमर्श किया करते थे और वहां के सभी नागरिकों को शासन में भागीदारी निभाने का बारी-बारी से मौका मिलता था। 461-629 ई.पू. में एथेंस की प्रत्यक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था उन्नति के शिखर पर विराजमान थी। इस नगर का भू-भाग लगभग 1000 वर्ग मील था। इसकी जनसंख्या लगभग 3-4 लाख के मध्य थी। प्रसिद्ध इतिहासकार प्रो. रोमिला थापर कहती है कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था के गुण वैदिक काल और 600 ईसवी पूर्व में ही मिलने लगे थे। वर्तमान दौर की संसद की तरह प्राचीन समय में परिषदों का निर्माण किया गया था, जो वर्तमान संसदीय व्यवस्था मिलता -जुलता है। ऐसा अनुमान है कि वैदिककालीन 'सभा' जन (कबीला) के वृद्ध लोगों की परिषद रही होगी और समिति सारे जन की एक सामान्य परिषद होगी। जिस कबिला में निर्वाचित राजा नहीं होता था, ये परिषदें, सरकार के कर्तव्यों और अधिकारों का निर्वहन करती थीं। लगभग 600 ई.पू. हिमालय की तलहटियों में, उनके कुछ दक्षिण और आधुनिक पंजाब में प्रजातंत्र राज्य बसे हुए थे, जबकि भारत के राजतंत्र गंगा के मैदानों में केन्द्रित थे। राजतंत्रों की अपेक्षा प्रजातंत्र व्यक्तिवादी और स्वतंत्र मत के कम विरोधी थे और आगे चलकर महत्वपूर्ण सामाजिक और धार्मिक रूढ़िमुक्तता का रूप धारण करने वाले दो सम्प्रदायों के नेता प्रजातंत्रों में ही उत्पन्न हुए थे। बुद्ध का सम्बंध शाक्य जन और जैन मत के संस्थापक महावीर का यांत्रिक जन से था। जब भारत देश को स्वतंत्रता मिली सभी ने लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था अपनाने पर जोर दिया। भारत में 75 साल से लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था बनी हुई है। लेकिन दुर्भाग्य है कि हाल ही के वर्षों में हमारे दो पड़ोसी मुल्कों में लोकतांत्रिक सरकारों के खिलाफ कुछ युवाओं ने हिंसात्मक आन्दोलन करके सरकारों को बेदखल कर दिया। राजनीतिक चिंतक डॉ. धर्मवीर चंदेल कहते हैं कि दुनिया में लोकतंत्र ही अच्छी शासन व्यवस्था है, लेकिन चुनी हुई सरकारों को जनता के हितों के लिए काम करना चाहिए। बहरहाल,यह कह सकते हैं कि लोकतांत्रिक सरकारें भी अपने देश में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और आर्थिक खाई पर लगाम लगाने का प्रयास करें नहीं तो आज का युवा चुनी हुई सरकारों के खिलाफ हो सकता है। दो राय नहीं कि लोकतांत्रिक व्यवस्था दुनिया की सबसे अच्छी शासन व्यवस्था साबित होती रही है।

सूडोकु नवताल- 7553

★★★✫☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7552 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया : आधुनिक भारत के विश्वकर्मा और विकास के अग्रदूत

योगेश कुमार गोयल

इंजीनियरिंग अब एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है। वर्तमान समय में देश में कई महत्वपूर्ण विषयों में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराई जाती है। प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को भारत में 'इंजीनियर्स डे' (अभियंता दिवस) मनाया जाता है और आज के समय में अभियंता दिवस मनाने का उद्देश्य भारत में विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित करना भी है। इंजीनियर अपनी कुशलता से विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यों को गति प्रदान कर देश को समृद्ध और विकसित बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य तथा देश के विकास में इंजीनियरों के महत्वपूर्ण योगदान के चलते ही भारत आज इंजीनियरिंग तथा आईटी के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश है। सही मायनों में देश के विकास के धुरी इंजीनियर ही हैं, जिनका देश के विकास में सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है।

दरअसल, आपदा प्रबंधन से लेकर निर्माण तक कोई भी कार्य इंजीनियरों के बिना सम्पन्न नहीं हो सकता। मानव जीवन में रचनात्मक बदलाव का श्रेय इंजीनियरों को ही जाता है। देश की आजादी के बाद प्रतिभावान इंजीनियरों ने नए भारत के निर्माण तथा विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। शहरों तथा गांवों के समग्र विकास के लिए सड़कों, पुलों, सिंचाई जलाशयों सहित अधोसंरचना के निर्माण के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं। देश में प्रतिवर्ष अभियंता दिवस इसीलिए मनाया जाता है ताकि देशभर के इंजीनियरों को प्रोत्साहित किया जा सके और हमारे इंजीनियर अपने ज्ञान और कौशल की बदौलत देश को तरक्की की नई राह पर आगे ले जाएं। इंजीनियरिंग के बारे में अमेरिका के जाने-माने इंजीनियर हेनरी पेट्रोस्की ने कहा था कि विज्ञान का अर्थ है जानना जबकि इंजीनियरिंग का अर्थ है करना अथवा करके दिखाना।

भारत के महान अभियंता और भारत रत्न से सम्मानित मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को ही भारत में इंजीनियर्स डे के रूप में मनाया जाता है, जो वास्तव में अभियंताओं का संकल्प दिवस माना जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'डीप टेक और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता: भारत के टेकएड को आगे बढ़ाना' थीम के साथ मनाया जा रहा है, जो भारत की तकनीकी यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ रही है। भारत के महान इंजीनियरों में से एक मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया द्वारा इंजीनियरिंग के क्षेत्र में दिया गया असाधारण योगदान अविस्मरणीय है, जिन्हें भारतीय सिविल इंजीनियरिंग का जनक तथा आधुनिक भारत का विश्वककर्मा भी कहा जाता है।

देशभर में बने कई नदियों के बांधों और पुलों को सफल बनाने के पीछे कर्नाटक में मैसूर के कोलार जिले में 15 सितम्बर 1860 को जन्मे विश्वेश्वरैया का बहुत बड़ा योगदान रहा। एक इंजीनियर के रूप में उन्होंने देश में मैसूर में कृष्णाराज सागर बांध, पुणे के खड़कवासला जलाशय में बांध, ग्वालियर में तिगरा बांध इत्यादि कई महत्वपूर्ण बांध बनवाए। हैदराबाद शहर को बनाने का पूरा श्रेय भी 'फादर ऑफ मॉडर्न मैसूर स्टेट' कहे जाने वाले विश्वेश्वरैया को ही जाता है। दरअसल मैसूर सरकार के साथ मिलकर उन्होंने मैसूर संदल ऑयल एंड सोप फैक्टरी, मैसूर आयरन एंड स्टील फैक्ट्री, मैसूर चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, परजीवी प्रयोगशाला, श्री जयचमराजेंद्र पॉलीटेक्निक संस्थान, बैंगलोर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, सेंचुरी क्लब इत्यादि कई फैक्ट्रियों और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना करवाई थी। विश्वेश्वरैया द्वारा शुरू की गई बहुत सी परियोजनाओं के कारण देश आज गर्व का अनुभव करता है। उन्होंने एक बाढ़ सुरक्षा प्रणाली तैयार की थी, जिसके बाद वे देशभर में विख्यात हो गए थे। विशाखापत्तनम बंदरगाह की समुद्री कटाव से सुरक्षा के लिए एक प्रणाली विकसित करने में भी उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। घर-घर में प्राकृतिक जल स्त्रोतों से पानी पहुंचाने की व्यवस्था करने के अलावा गंदे पानी की निकासी के लिए नाली-नालों की समुचित व्यवस्था भी विश्वेश्वरैया ने ही की थी। तिरुमला और तिरुपति के बीच सड़क निर्माण के लिए योजना को अपनाने में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई थी। उनके इन प्रयासों ने ही आधुनिक भारत की रचना करने के साथ देश को एक नया रूप भी प्रदान किया। 1955 में उन्हें सर्वोच्च भारतीय सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एम विश्वेश्वरैया के उल्लेखनीय योगदान के मद्देनजर वर्ष 1968 में उनकी जन्मतिथि को भारत सरकार द्वारा 'अभियंता दिवस' घोषित किया गया। तभी से प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को अभियंता दिवस मनाया जाता है। विश्वेश्वरैया की जयंती पर मनाया जाने वाला यह दिवस वास्तव में देश के विकास में योगदान देने और देश का मान बढ़ाने वाले इंजीनियरों के सम्मान में समर्पित होता है।

शुरूआती पढ़ाई मैसूर में करने के बाद विश्वेश्वरैया ने 1881 में मद्रास यूनिवर्सिटी के सेंट्रल कॉलेज से बीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। उसके बाद मैसूर सरकार से उन्हें सहायता मिली और उन्होंने पूना के साइंस कॉलेज में इंजीनियरिंग के लिए दाखिला लिया। 1883 की एल.सी.ई. और एफ.सी.ई. परीक्षा में उन्होंने प्रथम स्थान हासिल किया और उनकी योग्यता को देखते बॉम्बे सरकार ने उन्हें नासिक में सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त किया। एक इंजीनियर के रूप में उसके बाद उन्होंने अनेक अद्भुत कार्यों को अंजाम दिया। विश्वेश्वरैया एक आदर्शवादी और अनुशासन प्रिय व्यक्ति थे, जो अपने हर कार्य को परफैक्शन के साथ करते थे। 92 वर्ष की आयु में भी वे बिना किसी सहारे के चलते थे और सामाजिक तौर पर सक्रिय रहते थे। कोई भाषण देने से पहले वे स्वयं उसे लिखते थे और फिर कई बार उसका अभ्यास करते थे। अपनी योग्यता से उन्होंने बड़े-बड़े ब्रिटिश इंजीनियरों के समक्ष भी अपनी योग्यता और प्रतिभा का लोहा मनवाया। 1905 में उन्हें ब्रिटिश शासन द्वारा 'कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द इंडियन एंपायर' से सम्मानित किया गया था। विश्वेश्वरैया वर्ष 1912 से 1918 तक मैसूर के 19वें दीवान रहे।

1903 में विश्वेश्वरैया ने पुणे के खड़कवासला जलाशय में ऐसा बांध बनवाया, जिसमें इस्पात के ऐसे दरवाजे थे, जो बाढ़ के दबाब को भी झेल सकते थे और इससे बांध को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता था। उस बांध की सफलता के बाद उन्होंने ग्वालियर में तिगरा बांध भी बनवाया। 1932 में कावेरी नदी पर बने कृष्णा राज सागर बांध के निर्माण परियोजना में वे चीफ इंजीनियर थे। हालांकि उस बांध के निर्माण का कार्य बेहद कठिन कार्य था क्योंकि उस समय देश में सीमेंट का उत्पादन नहीं होता था लेकिन दृढ़ इरादों के धनी विश्वेश्वरैया ने इंजीनियरों के साथ मिलकर सीमेंट से कहीं ज्यादा मजबूत 'मोर्टार' तैयार किया और उससे उस बांध का निर्माण कराया, जिसमें कावेरी, हेमावती और लक्ष्मण तीर्थ नदियां आपस में मिलती है। उस समय इस बांध को एशिया का सबसे बड़ा बांध कहा जाता था। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ऐसे ही अद्भुत कार्यों के कारण विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को उन्हें सम्मान प्रदान करने के उद्देश्य से अभियंता दिवस के रूप में मनाया जाता है। 14 अप्रैल 1962 को 101 वर्ष की आयु में विश्वेश्वरैया का निधन बेंगलुरू में हुआ।

भारत में जहां प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को अभियंता दिवस मनाया जाता है, वहीं कई अन्य देशों में भी यह दिवस अलग-अलग अवसरों पर मनाया जाता है। यह दिवस ईरान में 24 फरवरी, बेल्जियम में 20 मार्च, आइसलैंड में 10 अप्रैल, बांग्लादेश में 7 मई, पेरू में 8 जून, इटली में 15 जून, अर्जेंटीना में 16 जून, मैक्सिको में 1 जुलाई, कोलम्बिया में 17 अगस्त, रोमानिया में 14 सितम्बर और तुर्की में 5 दिसम्बर को मनाया जाता है। वैसे भारत सहित सभी देशों में इस दिवस के आयोजन का मूल उद्देश्य अपने देश के इंजीनियरों के प्रति सम्मान व्यक्त करना तथा उनके कार्य की सराहना करना ही है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

धार्मिकता का ढोंग और मृत संवेदनायें

निर्मल रानी

हमारा भारत वर्ष कृषि प्रधान होने के साथ साथ 'धर्म प्रधान' देश भी माना जाता है। यहाँ सुबह चार बजे से ही विभिन्न धर्मों के लोग अपने अपने आराध्य को खुश करने के 'मिशन ' में अपने अपने तरीके से जुट जाते हैं। धर्मस्थलों में लगे लाउडस्पीकर ब्रह्म मुहूर्त में ही देशवासियों को अपने अपने आराध्य व अपने देवालयों की ओर आकर्षित करने लगते हैं। इसके अलावा भी देश भर में निकलने वाले विभिन्न धर्मों के धार्मिक जुलूस,शोभा यात्रायें,सत्संग में होने वाले संतों के प्रवचन,धर्म जागरण के नाम पर चलने वाले अनेक अतिवादी मिशन, कांवड़ जैसी यात्रायें महाकुंभ जैसे विश्वस्तरीय आयोजन,तीर्थ स्थलों में इकट्ठी होने वाली भक्तों की अनियंत्रित भीड़ आदि को देख कर तो एक बार यही लगेगा कि हर समय श्रद्धा व भक्ति भाव में डूबे रहने वाले हमारे धर्म प्रधान देश के लोग बेहद धार्मिक,संवेदनशील और मानवता की कद्र करने वाले लोग होंगे। रोजाना जगह जगह लगने वाले लंगर,देश भर में संचालित हो रही अनेकानेक जनसेवी संस्थायें भी इसी बात का एहसास दिलाती हैं।

परन्तु इसी 'धर्म प्रधान देश' से जहां मानवता की मिसाल पेश करने वाले अनेकानेक किस्से सुनाई देते हैं वहीं कुछ घटनायें ऐसी भी सामने आती हैं जिन्हें सुनकर ऐसा लगता है गोया इसी भारतीय समाज के ही कुछ लोगों की संवेदनायें बिल्कुल ही मुर्दा हो चुकी हैं। ऐसे लोगों में इंसानियत नाम की चीज ही नहीं बची है। दिल दहला देने वाली ऐसी ही एक घटना पिछले दिनों उत्तर प्रदेश राज्य के महराजगंज ज़िले में स्थित नौतनवा कस्बे में पेश आई। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित नौतनवा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के शहर गोरखपुर से लगभग 87 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस पूरे पूर्वांचल क्षेत्र में धर्म ध्वजा पूरे वेग से लहराती है। इसी नौतनवा नगर पालिका के अंतर्गत राजेंद्र नगर वॉर्ड से एक बड़ा ही हृदयविदारक दृश्य सामने आया। इस ताजातरीन घटना ने तो इंसानियत को झकझोर कर रख दिया।

समाचारों के अनुसार रेहड़ी ठेले पर गली गली चूड़ियां बेचकर अपने परिवार का पालन पोषण करने वाले 50 वर्षीय लव कुमार पटवा नामक एक व्यक्ति का लंबी बीमारी के बाद देहांत हो गया। लव कुमार की पत्नी का निधन भी अभी मात्र छह माह पहले ही हुआ था। अब उसके परिवार में उसके दो बेटे 14 वर्षीय राजवीर व 10 वर्षीय देवराज तथा एक छोटी बेटी बचे थे। अब इन्हीं बच्चों पर अपने मृत पिता के अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी थी। उसका कोई भी रिश्तेदार या पड़ोसी अंतिम संस्कार करने के लिये सामने नहीं आया। बच्चों की दादी आई भी तो रो पीट कर वापस चली गयी। बच्चे अंतिम संस्कार करने या उसके लिये सहायता करने की भीख समाज से मांगते रहे। यहाँ तक कि तीन दिन तक लाश घर में सड़ती रही। जरा सोचिये कि क्या गुजर रही होगी उन मासूम बच्चों पर जब वे अपने बाप की रेहड़ी पर ही अपने बाप की सड़ी हुई लाश रखकर लोगों से अंतिम संस्कार हेतु पैसे मांगते फिर रहे होंगे ? जब यह बच्चे ठेले पर लाश लेकर श्मशान घाट पहुंचे तो बताया गया कि वहां जलाने हेतु लकड़ी नहीं है। और फिर जब यह बेगुनाह मासूम अपने बाप के शव को लेकर कब्रिस्तान पहुंचे तो कब्रिस्तान वालों ने यह कहकर लाश को दफ़्न करने से मना कर दिया कि यह शव हिन्दू का है ।

आखिरकार बच्चे लाश को ठेले पर रखकर सड़क पर खड़े होकर रोने बिलखने लगे। कोई दुर्गन्ध से अपनी नाक बंद कर गुजर जाता तो कोई उन बदनसीब बच्चों की फोटो खींचता या वीडिओ बनाता परन्तु मदद करने के लिये 'धर्म जागृत समाज ' का कोई भी व्यक्ति सामने न आता। हद तो यह है कि ठेले पर शव रखा देखने व मृतक लव कुमार के स्थानीय व्यक्ति होने के बावजूद कुछ लोग यह कहकर आगे बढ़ जाते कि 'यह भीख मांगने का नया ट्रेंड है' । इसी दौरान यह मायूस बच्चे जब अपने बाप की लाश को ठेले पर ढकेलते हुये नदी की ओर रोते बिलखते जा रहे थे तभी राहुल नगर वार्ड के निवासी रशीद कुरैशी की नजर उन बच्चों व उनके साथ दुर्गन्ध मारती लाश पर पड़ी। बच्चों ने रोते बिलखते अपनी सारी पीड़ा रशीद से सांझी की। रशीद ने तुरंत अपने भाई व उसी राहुल नगर (वार्ड 17) के पार्षद वारिस कुरैशी को फोन पर पूरी घटने की जानकारी दी। उसके बाद दोनों कुरैशी बंधुओं ने सर्वप्रथम उन रोते बच्चों को ढारस बंधाई और उन्हें संभाला। उसके बाद अंतिम संस्कार हेतु लकड़ी व आवश्यक सामग्री का प्रबंध किया। फिर समाज के कुछ लोगों को साथ लेकर शमशान घाट जाकर हिन्दू रीति रिवाज के साथ मृतक का अंतिम संस्कार कराया। आज उस इलाके के लोग मानवता की रक्षा करने वाले कुरैशी भाइयों की इंसानियत को जहाँ सलाम कर रहे हैं, वहीं उनके रिश्तेदारों और पड़ोसियों की बेरुखी तथा नगर पालिका की लापरवाही पर भी घोर गुस्सा जता रहे हैं। साथ ही उस इलाके के 'हिन्दू जागरण अभियान' में जुटे लोगों को भी कटघरे में खड़ा कर रहे हैं।

पिछले दिनों ऐसा ही एक चित्र जिसे पंजाब की बाढ़ से संबंधित बताया जा रहा है,सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस चित्र में एक मासूम बच्चा बाढ़ के पानी में अपनी मां की तैरती लाश को खींच रहा है। शायद इस उम्मीद से कि उसकी मां मरी नहीं है। इस मार्मिक दृश्य को देखने वाले लोग आगे बढ़कर बच्चे को गोद उठाने व उसकी मां की लाश को पानी से बाहर निकालने में मदद करने के बजाय मोबाईल से इस दृश्य का वीडीओ बनाना ज्यादा जरूरी समझ रहे हैं। क्या इस तरह की घटनाएं इस बात का सुबूत नहीं कि हमारे धर्म प्रधान देश में होने वाले इस तरह के हादसों के बाद केवल किसी इंसान की ही मौत नहीं होती बल्कि यह मानवता की मौत भी है। इससे यह भी पता चलता है कि धार्मिकता का ढोंग करने वाले ऐसे लोगों की संवेदनायें पूरे तरह मृत हो चुकी हैं।

बहुभाषी झारखण्ड में हिंदी का सेतु स्वरूप

मिथलेश दास

झारखण्ड एक ऐसा राज्य है जहाँ अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। इस राज्य की पहचान न केवल इसके खनिज संसाधनों, हरे-भरे जंगलों और आदिवासी संस्कृति से होती है, बल्कि इसकी भाषायी विविधता भी इसे विशेष बनाती है। यहाँ खोरठा, संताली, मुंडारी, नागपुरी, कुड़ुख, हो, पंचपरगनिया, बंगाली, भोजपुरी, मैथिली और अंगिका जैसी कई भाषाएँ बोली जाती हैं। इन भाषाओं के बीच संवाद का माध्यम बनने का कार्य हिंदी करती है। यह एक ऐसी भाषा बन गई है जो न केवल अलग-अलग समुदायों के लोगों को आपस में जोड़ती है, बल्कि प्रशासन, शिक्षा और मीडिया के क्षेत्र में भी सभी को एक सूत्र में बाँधती है। इतनी भाषाओं के बीच एक आम भाषा की जरूरत हमेशा महसूस होती रही है, ताकि सभी लोग एक-दूसरे से आसानी से संवाद कर सकें। यही जरूरत हिंदी को झारखण्ड में एक सेतु भाषा बनाती है। हिंदी का इस्तेमाल आम बोलचाल में बड़ी सहजता से होता है। गाँव से लेकर शहर तक, लोग विभिन्न मातृभाषाओं के बावजूद हिंदी में एक-दूसरे से बातचीत करते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि हिंदी ने झारखण्ड में एकता और समझ का माध्यम बनने में बड़ी भूमिका निभाई है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हिंदी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य के अधिकतर स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षा का माध्यम हिंदी है। प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक, खासकर सरकारी स्कूलों में, बच्चे हिंदी के माध्यम से पढ़ाई करते हैं। गाँवों के बच्चे जहाँ घरों में स्थानीय भाषा बोलते हैं, वहीं स्कूल जाकर हिंदी सीखते हैं और अपने ज्ञान को आगे बढ़ाते हैं। हिंदी उन्हें राज्य, देश और दुनिया से जोड़ने का कार्य करती है।

मीडिया यानी समाचार पत्र, टेलीविजन, रेडियो और इंटरनेट के क्षेत्र में भी हिंदी का वर्चस्व देखा जा सकता है। झारखण्ड के प्रमुख अखबारों हिंदी में प्रकाशित होते हैं और व्यापक पाठक वर्ग तक पहुँचते हैं। टीवी चैनलों पर समाचार बुलेटिन और विभिन्न कार्यक्रम भी प्रायः हिंदी में ही होते हैं, जिससे लोगों को ताजा जानकारी और घटनाओं की सूचना मिलती है। इसके साथ ही, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी हिंदी झारखण्ड की प्रमुख संवाद भाषा बन चुकी है। प्रशासनिक व्यवस्था में भी हिंदी की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। झारखण्ड सरकार के अधिकांश आदेश, अधिसूचनाएँ, योजनाएँ और सरकारी पत्र व्यवहार हिंदी में ही होते हैं। इससे आम जनता को सरकारी योजनाओं और नीतियों की जानकारी प्राप्त करने में आसानी होती है। न्याय व्यवस्था में भी, विशेषकर निचली अदालतों में, हिंदी का प्रयोग किया जाता है ताकि लोग न्याय प्रक्रिया को समझ सकें और उसमें भागीदारी कर सकें। हालाँकि हिंदी की यह भूमिका अत्यंत सराहनीय है, लेकिन इसके साथ यह भी जरूरी है कि राज्य की स्थानीय भाषाओं और बोलियों को भी पर्याप्त सम्मान और संरक्षण दिया जाए। संताली, मुंडारी, हो, खोरठा जैसी भाषाएँ झारखण्ड की सांस्कृतिक पहचान हैं। यदि केवल हिंदी को प्रमुखता देकर इन भाषाओं की उपेक्षा की जाए, तो यह भाषाई असंतुलन पैदा कर सकता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हिंदी को एक सेतु, एक मददगार भाषा के रूप में देखा जाए, न कि किसी पर थोपे जाने वाली भाषा के रूप में। एक अच्छी बात यह है कि झारखण्ड में हिंदी और स्थानीय भाषाओं के बीच साहित्यिक आदान-प्रदान बढ़ा है। कई स्थानीय लेखकों की रचनाएँ हिंदी में अनूदित हो रही हैं और हिंदी लेखक भी झारखण्ड की लोकसंस्कृति और जनजीवन को अपनी रचनाओं में स्थान दे रहे हैं। इस साहित्यिक मेल से भाषा के साथ-साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी हो रहा है, जो झारखण्ड की बहुभाषिक एकता को और मजबूत करता है। डिजिटल युग में भी हिंदी की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। मोबाइल और इंटरनेट अब झारखण्ड के दूरदराज गाँवों तक पहुँच गए हैं। सरकारी सेवाएँ, योजनाओं की जानकारी, ऑनलाइन पढ़ाई की सामग्री झ ये सब हिंदी में उपलब्ध हैं। इससे आम लोग, खासकर ग्रामीण महिलाएँ, युवा और किसान, अब सरकारी योजनाओं का लाभ ले पा रहे हैं और अपनी जरूरतों को बेहतर ढंग से समझ पा रहे हैं। हिंदी डिजिटल जागरूकता का भी एक प्रभावी माध्यम बन चुकी है।

इन सब सकारात्मक बातों के बीच कुछ चुनौतियाँ भी हैं। कई स्थानीय भाषाओं में स्कूलों की कमी है, जिससे बच्चों को अपनी मातृभाषा में पढ़ने का अवसर नहीं मिल पाता। सरकारी कार्यों में जनजातीय भाषाओं की भागीदारी अभी भी कम है। इसके अलावा, शहरी और ग्रामीण इलाकों में बोली जाने वाली हिंदी में भी भिन्नता देखने को मिलती है। इन सभी चुनौतियों से निपटने के लिए ठोस प्रयास करने होंगे। सरकार को चाहिए कि वह स्कूलों में द्विभाषिक शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा दे, जहाँ बच्चों को उनकी मातृभाषा के साथ-साथ हिंदी भी पढ़ाई जाए। साथ ही, मीडिया में हर भाषा को बराबरी से स्थान मिले ताकि सभी भाषाओं का संरक्षण हो सके। सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं में स्थानीय भाषाओं का प्रयोग बढ़ाया जाए ताकि हर व्यक्ति खुद को इस प्रणाली का हिस्सा महसूस करे। अंत में यह कहा जा सकता है कि झारखण्ड जैसे बहुभाषी राज्य में हिंदी एक सेतु भाषा के रूप में अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

दैनिक पंचांग

15 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	05.58 बजे से
चंद्र	मिथुन में	तुला	09.09 बजे से
मंगल	तुला में	वृश्चिक	10.23 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.44 बजे से
शुक्र	सिंह में	कुंभ	16.31 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.04 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.34 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.14 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मिथुन	23.13 बजे से
		कर्क	01.26 बजे से
		सिंह	03.42 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 256 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 01.23 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 07.32 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 02.35 बजे रात्र को समाप्त। **करण** तैतिल 14.16 बजे तदनन्तर गर 1.32 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 03° 01' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872468 **जूलियन दिन** 2460933.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 22 **विशेष** नवमी श्राद्ध।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

अनियंत्रित पत्थर लदा हइवा पलटा बाल-बाल बचे चालक

मंडरो : प्रखंड के मिजाचौकी पहाड़ समीप पत्थर लदा हाइवा पलटा, बाल-बाल बचा चालक। मिली जानकारी के अनुसार हाइवा अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसके बाद हाइवा चालक वाहन से कूद गया। वही मामले की जानकारी मिर्जाचौकी पुलिस को जैसे मिली मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। ज्ञात हो की इन दिनों पत्थर लदा हाइवा का परिचालन जोर शोर से जारी है। इनकी जांच होना अति आवश्यक है। मिजाचौकी थाना क्षेत्र में पत्थर खदान से वैध हो या फिर अवैध ओवरलोड पत्थर का ढुलाई सभी नियमों को ताक पर रखकर खनन टास्क फोर्स के अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय अधिकारियों को ठेंगा दिखाकर खुलेआम ढुलाई किया जा रहा है। जिसके कारण रविवार को पत्थर लदा अनियंत्रित हाइवा पहाड़ के रास्ते पलटी मार दिया।

बरहेट प्रखंड के झबरी गांव में 100 केवीए का लगा ट्रांसफार्मर,

बरहेट : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत झबरी गांव में लगा 100 केविए का ट्रांसफार्मर ग्रामीणों में काफी उत्साह। क्षेत्रीय विधायक-सह मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का जताया आभार। बताते चलें कि कुछ दिन पूर्व गांव में ट्रांसफार्मर खराब हो गया था गांव के लोग अंधेरे में रह रहे थे। लोगों ने उनकी जानकारी विद्युत कार्यालय बरहेट को दी थी। आज नया ट्रांसफार्मर का विधिवत उद्घाटन झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी, उप प्रमुख रूपक शाह, लुखीराम हेंब्रम, सुनीराम हांसदा, सहित अन्य ने विधिवत रूप से फीता काटकर एवं नारियल फोड़ कर किया। मौके पर मौजूद शमीम अंसारी, झामुमो प्रखंड कोषाध्यक्ष गुंजन सिंघानिया, अब्दुल मजीद, समदा सोरेन, जिप सदस्य जेठा मुर्मू, ईशवर मरांडी, सुनील कापरी, सहित सैकड़ो ग्रामीण मौजूद थे।

झामुमो पार्टी ने जनता दरबार को लेकर की एक अहम बैठक

बरहेट : प्रखंड अंतर्गत झामुमो प्रखंड कार्यालय बरहेट में झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी के अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मरांडी ने बताया कि आगामी दिनांक 18 सितंबर 2025 को प्रखंड कार्यालय बरहेट में जनता दरबार का आयोजन होना तय हुआ है। उक्त जनता दरबार में झामुमो के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा एवं साहेबगंज जिला उपायुक्त हेमंत सती के साथ जिला के सभी स्तर के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे एवं लोगों की जन समस्याओं को सुनेंगे प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायत के लोग उक्त जनता दरबार में आकर अपने-अपने समस्याओं को रखेंगे। साथ ही साथ दिनांक 19 सितंबर 2025 दिन शुक्रवार को चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के द्वारा दिशोम गुरु स्वर्गीय श्री शिबू सोरेन की याद में श्रद्धांजलि सभा की आयोजन किया गया है, उक्त कार्यक्रम में झामुमो बरहेट प्रखंड के सभी कार्यकताओं को आना अनिवार्य है। मौके पर मौजूद झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य सह जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी, झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य सह प्रखंड सचिव मुजीबुर रहमान, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रोफेसर नजरुल इस्लाम, जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम, वरिष्ठ कार्यकर्ता शमीम अंसारी, सुनील किस्कू सहित सभी पंचायत के अध्यक्ष सचिव एवं सम्मानित कार्यकर्ता गण मौजूद थे।

राजकुमार यादव हत्या के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, कट्टा बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बीते दिनों रात्रि में हत्या के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इसकी जानकारी अनुमंडल पुलिस कार्यालय में एसडीपीओ किशोर तिर्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी की मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत 11 सितंबर 2025 की रात्रि में जयंतीग्राम महादेवगंज निवासी स्वर्ग मुखलाल यादव का 40 वर्ष पुत्र राजकुमार यादव की निर्मम हत्या किसी अज्ञात अपराधियों के द्वारा गोली मारकर कर दी गई थी। इस संबंध में मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 92/25, दिनांक 12 सितंबर 2025, धारा 103(1) एवं भा० न्या० सं० 27 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया था। दर्ज कांड में अज्ञात अपराधकर्मी की गिरफ्तारी हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी साहिबगंज के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया गया। छापामारी टीम के द्वारा अप्राथमिकी अभियुक्त बिट्टू कुमार यादव उर्फ अहिरा यादव उम्र 20 वर्ष, पिता सुरेंद्र प्रसाद यादव, साकिन जयंतीग्राम महादेवगंज, थाना मुफ्फसिल, जिला साहिबगंज को विधिवत गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक देशी कट्टा को उनके घर के समीप बथान में छुपाए हुए स्थान से बरामद किया गया। अभियुक्त का पहले से भी ऐतिहासिक अपराध रहा है। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मौके पर छापामारी दल में पुनि अमित कुमार गुप्ता नगर थाना प्रभारी, पुअनि अनीश कुमार पांडे मुफ्फसिल थाना प्रभारी, पुअनि ददन कुमार, सअनि उमाकांत ओझा, सअनि केशव मालाकार, सअनि मनोज कुमार आजाद, सअनि वीरेंद्र कुमार यादव, सअनि अभ्यास कुमार, व अन्य सशस्त्र बल मौजूद थे।

बाढ़ के पानी में डूबने से 50 वर्ष व्यक्ति का मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सदर प्रखंड क्षेत्र के शोभनपुर गंगोता टोला में बाढ़ के पानी में डूबने से रविवार को 50 वर्षीय सदानंद मंडल पिता महेंद्र मंडल नामक व्यक्ति की मौत हो गई। जहां घटना की जानकारी मिलने के बाद जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव ने तुरंत इसकी सूचना मुफस्सिल थाना क्षेत्र की पुलिस व सदर सीओ बासुकीनाथ टुडू को दी। वही मुफस्सिल थाना क्षेत्र की पुलिस को घटना की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंचकर परिजनों व स्थानीय ग्रामीणों से मामले की पूछताछ करने में जुटी हुई थी। उधर इस घटना से जिप उपाध्यक्ष के हृदय को काफी आहत पहुंचा और वे पूरे घटना की जानकारी लेने के लिए शोभनपुर गंगोता टोला पहुंचकर परिजनों से मिलकर राहत राशि के रूप में मृतक के परिजनों को नगद 10 हजार रुपए सहायता राशि उपलब्ध कराया। वही जिप उपाध्यक्ष ने एंबुलेंस सुविधा भी उपलब्ध कराते हुए उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजवाया। जहां जिप उपाध्यक्ष सुनील यादव ने जिला प्रशासन से अपील किया है कि जल्द से जल्द आपदा राहत कोष से मृतक के परिवार वालों को राहत पहुंचाई जाए। वही आपको बता दें कि जिले में इन दिनों गंगा नदी के जलस्तर में एक बार फिर से बढ़ोतरी होने के कारण कई दियारा इलाकों समेत अन्य ग्रामीण व शहरी इलाकों में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसके कारण आमलोगों का जीना मुहाल हो गया है। उधर इस घटना के बाद से पूरे इलाके में शोक की लहर है।

नवोदय विद्यालय परिसर में 51 वृक्षारोपण छात्र-छात्राओं के बीच पौधों का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गंगा मिशन कोलकाता द्वारा आयोजित गंगा हरित अभियान के तहत नवोदय विद्यालय साहिबगंज के छात्र-छात्राओं के बीच फलदार पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां मुख्य अतिथि जिला वन्य प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, डीएसपी विजय कुशवाहा, प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार सिंह के द्वारा आम, कटहल, सपाटु, आंवला, अमरूद का पौधा स्कूली छात्राओं को देकर कार्यक्रम की शुरूआत की। प्रबल गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि जब समाज, संस्था और प्रशासन एकजुट होकर आगे बढ़ते हैं, तभी प्रकृति पर्यावरण संरक्षण गंगा पुनर्जीवन का संकल्प साकार होता है। आइए मिलकर प्रण लें नहीं रुकेंगे पेड़ लगाए जल बचाए प्लास्टिक हटाए, स्वच्छ करेंगे। अतिथियों ने कहा कि बच्चों को बताया कि प्राकृतिक आपदा, प्राकृतिक से छेड़छाड़ करने पर हो रहा है। कल-कारखाना और सड़क का निर्माण के कारण अत्यधिक मात्रा में वृक्ष कटाई हो रहा है जिससे पर्यावरण संकट में है, पृथ्वी को बचाने के लिए हमलोगों को आगे बढ़ चढ़ कर वृक्ष का रोपण करना होगा। वृक्ष ही प्राकृतिक है, प्राकृतिक ही जीवन है। प्रत्येक वर्ष वृक्ष का जन्मदिन अवश्य मनाए। एक वृक्ष सौ पुत्र के समान है, कोरोना काल में हमलोगों ने ऑक्सीजन के महत्व को समझा। पेड़ पौधा लगाकर पर्यावरण वातावरण को हरा भरा रखे। वृक्ष नहीं होगा तो बारिश नहीं होगा, भोजन नहीं मिलेगा। पानी की आवश्यकता, वायु की आवश्यकता, खाने की आवश्यकता पेड़ पौधा से ही होता है। आगे उन्होंने बच्चों को बताया की प्रत्येक बच्चे को एक पेड़ को गोद लेना चाहिए, प्रतिदिन वृक्ष का सेवा करके उसको बड़ा करे, फिर फल का सेवन करे और आने वाले भी पीढ़ी फल का सेवन करेंगे। सरकार बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत किसान को एक एकड़ जमीन में फलदार पौधे लगाने को दे रही है। साहिबगंज जिला बाढ़ ग्रसित एवं जल जमाव का क्षेत्र है, पेड़ लगाने से भूमि कटाई की रोकथाम होती है।

साहिबगंज रेलवे फाटक के नजदीक आठ स्थानों पर होगी मिट्टी जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर में लंबे समय से प्रतीक्षित साहिबगंज रेलवे स्टेशन के पश्चिमी रेलवे फाटक पर रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) निर्माण अब साकार होने की दिशा में बढ़ चला है। रेलवे प्रशासन ने प्रक्रिया को गति देते हुए प्रथम चरण में शहर के आठ स्थानों पर मिट्टी जांच (सॉइल टेस्ट) की तैयारी शुरू कर दी है। तकनीकी विशेषज्ञों के अनुसार मिट्टी जांच आरओबी की आधारशिला है, जिससे एप्रोच रोड की दिशा और पुल की मजबूती तय होगी। जानकारी के मुताबिक, मिट्टी जांच एलसी रोड से लेकर पटेल चौक और बादशाह चौक तक विभिन्न स्थानों पर की जाएगी। परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर पुल का एलाइनमेंट और स्वरूप तय होगा। रेलवे का तकनीकी विभाग जल्द ही एलाइनमेंट को अंतिम रूप देने जा रहा है। इसके बाद एप्रोच रोड की दिशा और डिजाइन तय कर दी जाएगी। जिले के डीसी पहले ही मालदा रेल मंडल प्रबंधक को एनओसी दे चुके हैं। इससे रेलवे को एलाइनमेंट और डिजाइन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अनुमति मिल गई है। फिलहाल कंसल्टेंट कंपनी डिजाइन पर काम कर रही है। मिट्टी जांच और डिजाइन पूर्ण होते ही निविदा आमंत्रण (टेंडर) की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी और निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इन्हीं रिपोर्ट्स से यह तय होगा कि पुल वन-वे होगा या टू-वे और इसकी लंबाई-चौड़ाई कितनी होगी। निर्माण स्वीकृत होते ही जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया भी प्रारंभ की जाएगी। साहिबगंज के नागरिकों के लिए यह खबर वर्षों पुरानी मांग पूरी होने की ओर कदम है। आजादी के बाद से ही पश्चिमी रेलवे फाटक पर आरओबी निर्माण की मांग उठती रही है। फाटक बंद रहने पर बार-बार जाम और यातायात बाधित होने से लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। खासकर दक्षिणी हिस्से में रहने वाले लोग लंबे समय से इस सुविधा की मांग कर रहे थे।

एसपी ने कोटालखोकर थाना का किया औचक निरीक्षण, दिए कई दिशा-निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कोटालपोखर में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने रविवार को कोटालपोखर थाना का औचक निरीक्षण किया।उन्होंने आगामी दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ महापर्व को लेकर विधि-व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पर्व-त्योहारों में बैरियर, ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रहनी चाहिए। उन्होंने अवैध पत्थर खनन पर भी चिंता जताई और निर्देश दिया कि अधिकारी जाने के बाद गतिविधियाँ पुनः शुरू न हों, इसके लिए ठोस कार्रवाई की जाए। पुलिस अधीक्षक ने पूजा समिति के सदस्यों और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर तैयारियों का जायजा लिया और स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि त्योहारों में शांति, सौहार्द और विधि-व्यवस्था बनाए रखना सभी की साझा जिम्मेदारी है।

नगर थाना व जिरवाबाड़ी थाना में एसडीपीओ की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नगर थाना व जिरवाबाड़ी थाना में दुगार्पूजा को लेकर रविवार को शांति समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी को शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में एक दूसरे को सहयोग करना चाहिए। शांति व्यवस्था बिगाड़ने का दुस्साहस ना करे कोई, वरना कानून में दी गई हदों तक कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कहा कि पूर्व में भी यहां के शांति प्रिय लोगों ने साम्प्रादायिक सौहार्द बनाने में एक दूसरे को सहयोग किया है। इस बार भी सभी का सहयोग प्रशासन को मिलेगा। असामाजिक तत्व होश में आ जाएं, क्योंकि प्रशासन ने इस बार पूरी तैयारी कर रखी है। सभी जगहों पर दंडाधिकारी व सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी। जगह-जगह बैरिकेडिंग की जाएगी। सीसीटीवी व ड्रोन कैमरों से निगरानी होगी। एसडीपीओ से शांति समिति सदस्यों ने सौहाद्र पूर्ण दुर्गा पूजा मानने में एक दूसरे को सहयोग करने की बात कही। वहीं एसडीपीओ ने कहा कि किसी प्रकार का किसी भी धर्म या समुदाय को ठेस पहुंचाने वाले पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी प्रकार का अफवाह सोशल मीडिया या अन्य माध्यम से फैलाने की कोशिश करने वालों व शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वालों से पुलिस सख्ती से निपटेगी। बताया कि विसर्जन के दिन शाम 5 बजे तक प्रतिमा विसर्जन शांतिपूर्वक तरीके से कर लेने की सहमति पूजा समितियों ने जताई है। उन्होंने पंडालों में अग्निशमन व्यवस्था, पेयजल सहित अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही। वहीं कहा कि हाईकोर्ट के निर्देश के अनुसार डीजे पर प्रतिबंध रहेगा। आदेश नहीं मानने पर लाउडस्पीकर एक्ट के तहत कार्रवाई होगी। वहीं डीजे जब्त कर लिया जाएगा। साउंड हर हाल में 90 डेसिबल से ज्यादा नहीं होगा। शराब पीने वालों से प्रशासन सख्ती से निपटेगी। नगर प्रशासक अभिषेक सिंह ने बताया सड़कों व स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है। मौके पर इंस्पेक्टर अमित गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

हिंदी दिवस के अवसर पर सप्तरंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पाकुड़ : ज़िले में हिंदी दिवस के अवसर पर समाहरणालय में जिला प्रशासन द्वारा सप्तरंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त मनीष कुमार ने किया। वहीं उपायुक्त ने सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि हिंदी राष्ट्रभाषा के रूप में देश को एक सूत्र में पिरोने का काम कर रही है। उन्होंने हिंदी को सबसे सहज और सरल भाषा बताया। हिंदी बोलचाल ही नही वरन शिक्षा के लिए भी काफी सरल और सहज है। उन्होंने कहा कि हिन्दी देश को जोड़ने का काम करती है।

बोरियो प्रखंड के सीएचसी अंतर्गत चार स्वास्थ्य केंद्रों में सीएचओ का पद रिक्त

साहिबगंज : जिला के बोरियो प्रखंड सीएचसी के अंतर्गत चार स्वास्थ्य केंद्रों पहाड़पुर, देवपहाड़, मोतीपहाड़ एवं बड़ा बियासी में सीएचओ का पद रिक्त है। सीएचओ के नहीं रहने से इन केंद्रों में स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रभावित हो रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार देवपहाड़ आरोग्य मंदिर में विगत दो साल से सीएचओ नहीं है। यहां की सीएचओ रश्मि प्रिया तिर्की साहिबगंज सदर अस्पताल के एसएनसीयू में प्रतिनियुक्त है। पहाड़पुर की सीएचओ एक साल से नहीं है। मोतीपहाड़ी आरोग्य मंदिर की सीएचओ का हाल ही में स्थानांतरण हुआ है। वही बड़ा बियासी स्वास्थ्य केंद्र में व्यक्ति तीन साल से सीएचओ का पद रिक्त है। सीएचओ नहीं रहने से चारों स्वास्थ्य केंद्रों में मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ने से काफी परेशानी हो रही है। इसके अलावा कई स्वास्थ्य कार्यक्रम भी प्रभावित हो रहे हैं। इन दोनों बोरियो प्रखंड मलेरिया के चपेट में है। सीएचओ के नहीं रहने से मलेरिया जांच सहित कई स्वास्थ्य कार्यक्रम जैसे गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, आदि पर आंशिक असर पड़ रहा है। क्या कहते हैं सीएस : सिविल सर्जन रामदेव पासवान ने कहा की बोरियो प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत कर स्वास्थ्य केंद्रों पहाड़पुर, देवपहाड़, मोतीपहाड़ी एवं बड़ा बियासी में सीएचओ को बहुत जल्द प्रतिनियुक्त किया जाएगा। जिला में सीएचओ का वर्तमान में कमी है। जिले में पद स्थापित होते ही बहुत जल्द सीएचओ की स्थापना होगी। सीएचओ के लिए सरकार को पत्र लिखा जाएगा।

बीएड प्रशिक्षुओं का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पाकुड़ : ज़िले में प्रोजेक्ट परख 2.0 तैयारी उड़ान की के अंतर्गत मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 की तैयारी हेतु बीएड के प्रशिक्षुओं का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन रविन्द्र भवन टाउन हॉल में आयोजित किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार व जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती, एडीपीओ पीयूष कुमार, बीएड प्रशिक्षुओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उपायुक्त मनीष कुमार ने प्रशिक्षुओं से मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट 2026 की बोर्ड परीक्षा में पाकुड़ को राज्य में अव्वल लाने के लिए बेहतर शिक्षा देने का अनुरोध किया। शिक्षक की भूमिका सबों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चे राष्ट्र के धरोहर व देश के भविष्य हैं। इन्हें संवारना शिक्षकों का काम है। उसे अपना अधिकार के साथ कर्तव्य की भी शिक्षा दे। इसके अलावा बीएड प्रशिक्षुओं का केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम में टी शर्ट का विमोचन भी किया गया।

पंचायत कमेटी का विस्तार कर संगठन को करें मजबूत : जिलाध्यक्ष

राजमहल : जिला परिषद विवाह भवन के सभागार में रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा नगर एवं प्रखंड कमेटी की संयुक्त बैठक प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से पार्टी के जिला अध्यक्ष अरुण सिंह शामिल हुए। जिलाध्यक्ष बनने के बाद प्रथम बार राजमहल आने पर राजमहल नगर एवं प्रखंड कमेटी के कार्यकताओं ने गर्मजोशी से फूल माला पहनकर जिलाध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। युवा मोर्चा जिला सचिव मो मारूफ उर्फ गुड्डू, प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान एवं नगर अध्यक्ष मो आजाद ने जिला अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ एवं माला पहनकर स्वागत किया। साथ ही मंचासीन जिला कमेटी के पदाधिकारी एवं केंद्रीय कमेटी के पदाधिकारी का भी स्वागत किया गया। बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड कमेटी के माध्यम से गठित पंचायत कमेटी एवं नगर कमेटी के माध्यम से गठित वार्ड कमेटी की समीक्षा की गई। जिलाध्यक्ष अरुण सिंह ने कहा कि झामुमो की संगठन मजबूती से पंचायत स्तर तक गठित है। संगठन के कार्यकर्ता पार्टी की रीढ है। उन्होंने नगर एवं प्रखंड कमेटी के माध्यम से गठित पंचायत एवं वार्ड कमेटी को निर्देश दिया कि त्वरित संगठन का विस्तार करें और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपे। झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री सह पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन के माध्यम से कई महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित की जा रही है जिसके माध्यम से गरीब पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक लाभान्वित हो सकते हैं वैसे लाभुकों का चयन कर पार्टी कार्यकर्ता लाभान्वित करने में लाभुकों को सहयोग करें ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ से ग्रामीण लाभान्वित हो सके। युवा मोर्चा के जिला सचिव मो मारूफ ने कहा कि संगठन में युवाओं की भागीदारी बढ़ रही है और संगठन के कार्य एवं सरकार के कार्य से प्रभावित होकर युवा की टोली लगातार संगठन से जुड़ रहे है। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि राजमहल विधानसभा एवं राजमहल लोकसभा में झामुमो पार्टी के जनप्रतिनिधि प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और वर्तमान में झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार है और झामुमो के माननीय केंद्रीय अध्यक्ष मुख्यमंत्री भी हैं। इसलिए संगठन मजबूती के साथ-साथ क्षेत्र के लोगों को भी सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए पार्टी कार्यकर्ता अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं और आगे भी मजबूती से निभाएं। बैठक के दौरान संगठन के जिला उपाध्यक्ष संजीव सामू हेंब्रम, जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी, वरिष्ठ नेता प्रो नजरुल इस्लाम, घीसू शेख ने भी बैठक को संबोधित किया।

नाटो देश रूस से तेल खरीदना बंद कर दें तो जंग जल्द हो सकती है खत्म

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने की कही बात

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने शनिवार को रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वह रूस पर सख्त बैन लगाने को तैयार कर रहे हैं, लेकिन इसके लिए एक शर्त भी रखी है। ट्रंप चाहते हैं कि नाटो के सभी देश रूस से तेल खरीदना बंद कर दें। साथ ही सभी नाटो देश रूस पर अपने स्तर से बैन लगाएं। ट्रंप ने यह बात ट्रुथ सोशल पर कही।

उन्होंने इसे नाटो देशों और दुनिया के लिए एक पत्र बताया। ट्रंप ने सुझाव दिया कि नाटो देश चीन पर 50 से 100 फीसदी तक टैरिफ लगाएं। इससे रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग को खत्म करने में मदद मिलेगी। ट्रंप ने आगे कहा कि चीन का रूस पर काफी प्रभाव है। अगर नाटो ऐसा करता है, तो यह जंग जल्द खत्म हो सकती है। ट्रंप ने नाटो देशों द्वारा रूस से तेल खरीदने को ÷हैरान करने वाला÷ बताया। उनका कहना है कि इससे नाटो की मोलभाव करने की ताकत कमजोर होती है।

यूरोपीय कमीशन जल्द ही रूस के खिलाफ 19वें दौर के प्रतिबंधों की घोषणा करने वाला है, लेकिन हंगरी और स्लोवाकिया जैसे कुछ देश अभी भी रूस से तेल खरीद रहे हैं। फ्रांस और जर्मनी चाहते हैं कि कमीशन रूस की तेल कंपनियों और उन तीसरे देशों पर सख्ती करे, जो रूस के तेल व्यापार में मदद कर रहे हैं। ट्रंप ने हाल ही में रूस के यूक्रेन पर सबसे बड़े हवाई हमले के बाद बैन की धमकी दी थी, लेकिन अभी तक उन्होंने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इससे यूक्रेन भी नाराज है। बता दें ट्रंप ने पिछले महीने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि वह रूस पर बैन लगाने को तैयार हैं, बशर्ते नाटो देश भी साथ दें। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर नाटो उनके सुझावों को मानता है, तो यूक्रेन-रूस जंग जल्द खत्म हो सकती है। उन्होंने नाटो को चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो वह उनका समय बर्बाद नहीं करेंगे।

सबसे ज्यादा कारें बेचकर मारुति सुजुकी फिर बनी नंबर-1

नई दिल्ली । बीते अगस्त महीने में सबसे ज्यादा कारें बेचकर मारुति सुजुकी फिर बनी नंबर-1 बन गई है। मारुति सुजुकी ने भारतीय कार बाजार में अगस्त 2025 में कंपनी ने कुल 1,27,905 यूनिट्स की बिक्री की और सबसे ज्यादा गाड़ियां बेचने वाली कंपनी बन गई। सालाना आधार पर इसकी बिक्री में 0.62 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। दूसरे नंबर पर महिंद्रा रही, जिसने 43,632 यूनिट्स बेचे और 7.55 प्रतिशत की सालाना बढ़त हासिल की। तीसरे पायदान पर रही हुंडई को झटका लगा और उसकी बिक्री 2.79 प्रतिशत गिरकर 42,226 यूनिट्स पर आ गई। वहीं, टाटा मोटर्स चौथे नंबर पर रही और उसने 38,286 यूनिट्स बेचीं, जो 3.96 प्रतिशत की गिरावट रही। टोयोटा ने 24,954 यूनिट्स के साथ पांचवां स्थान हासिल किया और 5.82 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इसके बाद किआ रही, जिसकी बिक्री 18,212 यूनिट्स रही और इसमें 5.66 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। स्कोडा फॉक्सवैगन ने 8,111 यूनिट्स बेचीं और 29.16प्रतिशत की भारी बढ़त हासिल की। एमजी ने इस बार 38.86 प्रतिशत की जोरदार सालाना वृद्धि के साथ 5,717 यूनिट्स की बिक्री की। वहीं, होंडा 18.59प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,041 यूनिट्स तक सिमट गई। रेनॉल्ट की बिक्री भी 14.39 प्रतिशत घटकर 2,593 यूनिट्स रह गई। लक्ज़री कार बाजार में मर्सिडीज ने 1,305 यूनिट्स बेचीं और मामूली 1.66प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। बीएमडब्ल्यू ने 25.05प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1,273 यूनिट्स की बिक्री की। वहीं, बीवायडी की बिक्री 98.24 प्रतिशत उछलकर 450 यूनिट्स पहुंच गई। कुल मिलाकर, मारुति सुजुकी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि भारतीय ग्राहकों की पहली पसंद वही है।

कारोबारी को बिक्री के बाद छूट पर नहीं करनी होगी आईटीसी वापसी

सीबीआईसी ने लिया बड़ा फैसला, जारी किया नया सर्कुलर

नई दिल्ली।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कारोबारियों के लिए बड़ा फैसला किया है। अब अगर सप्लायर बिक्री के बाद छूट के लिए फाइनेंशियल या कमर्शियल क्रेडिट नोट जारी करते हैं, तो खरीदार को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) वापस करने की जरूरत नहीं। यह छूट भले ही कम कीमत पर भुगतान के साथ दी जाए। सीबीआईसी ने एक सर्कुलर जारी कर इसकी जानकारी दी थी।

सीबीआईसी ने कहा कि फाइनेंशियल या कमर्शियल क्रेडिट नोट से सप्लाई की मूल टैक्सेबल वैल्यू पर कोई असर नहीं पड़ता यानी सप्लायर की मूल जीएसटी देनदारी में कोई बदलाव नहीं होगा।

सर्कुलर में साफ लिखा है कि ऐसी छूट के मामले में खरीदार को अपने इनपुट टैक्स क्रेडिट में कोई कटौती नहीं करनी होगी। इसका मतलब है कि कारोबारी अब बिना किसी चिंता के छूट का फायदा ले सकेंगे।

सर्कुलर में यह भी साफ किया कि मैन्युफैक्चरर द्वारा डीलरों को दी जाने वाली बिक्री के बाद की छूट को सर्विसेज के लिए भुगतान नहीं माना जाएगा। अगर डीलर किसी खास प्रमोशनल गतिविधि जैसे विज्ञापन या को-ब्रांडिंग के लिए समझौते के तहत काम करता है, तो उस सर्विस पर जीएसटी लागू होगा। यह नियम कारोबारियों को अपनी डीलरशिप और प्रमोशनल रणनीतियों को बेहतर ढंग से समझने में मददगार साबित होगा।

केपीएमजी इंडिया के पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर के राष्ट्रीय प्रमुख ने इसे एक स्वागत योग्य कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह सर्कुलर मैन्युफैक्चरर और डीलरों के बीच छूट से जुड़े लेनदेन पर पारदर्शिता लाएगा। इससे कारोबारियों को अपने सौदों को अमल में लाने में आसानी होगी और पुराने विवादों में कमी आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ मामलों में, जहां डीलर अंतिम ग्राहकों को विशेष लाभ देने के लिए समझौते करते हैं, वहां कारोबारियों को अपने कॉन्ट्रैक्ट्स और टैक्स स्थिति की दोबारा जांच करनी होगी।

ईवॉय के टैक्स पार्टनर ने कहा कि इस स्पष्टता से जीएसटी नियमों को लागू करना आसान होगा। उन्होंने बताया कि ट्रेड डिस्काउंट और प्रमोशनल सर्विसेज के बीच सरकार का रुख विवादों को कम करेगा। इससे कारोबारी अब ज्यादा भरोसे के साथ अपने कॉन्ट्रैक्ट्स बना सकेंगे।

जीएसटी दरें कम होने से आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूती और रोजगार के अवसर पैदा होंगे

नई दिल्ली।

आॅटोमोबाइल, खाद्य प्रसंस्करण, परिधान, लॉजिस्टिक्स और हस्तशिल्प पर जीएसटी दरें कम होने से आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूती मिलेगी और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। विशेष रूप से महिलाओं, ग्रामीण उद्यमियों और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर पैदा होंगे। यह जानकारी सरकार की ओर से दी गई है। वहीं दोपहिया वाहनों, कारों, बसों और ट्रैक्टरों पर कम जीएसटी से मांग बढ़ेगी, जिससे टायर, बैटरी, कांच, प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एमएसएमई को लाभ होगा।

किफायती साइकिलें गिग वर्कर्स, किसानों और ग्रामीण व्यापारियों के लिए और सस्ती कारें छोटे शहरों में एमएसएमई और डीलरशिप के लिए मददगार साबित होती हैं। ट्रैक्टरों (1800 सीसी से कम) पर जीएसटी घटाकर 5 फीसदी करने से भारत की वैश्विक ट्रैक्टर निर्माण में अग्रणी स्थिति मजबूत होगी और सहायक एमएसएमई को सहायता मिलेगी। वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों पर जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया है, जिससे माल ढुलाई, रसद लागत, मुद्रास्फीति का दबाव कम हुआ है और एमएसएमई ट्रक मालिकों को लाभ होगा। 10+ सीटों वाली बसों पर जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया है, जिससे बेड़े संचालकों, स्कूलों की लागत कम हुई है और मजदूरों के लिए किराया वहनीयता में सुधार आएगा। वहीं खाद्य पदार्थों पर जीएसटी 12 और 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी या शून्य कर दिया गया है, जिससे खाद्य प्रसंस्करण, लघु-स्तरीय प्रसंस्करणकर्ताओं, क्षेत्रीय ब्रांडों, डेयरी सहकारी समितियों, पैकेजिंग और कोल्ड स्टोरेज से जुड़े एमएसएमई को लाभ होगा। इसके अलावा, चॉकलेट, केक और कन्फेक्शनरी पर जीएसटी कम होने से छोटे मिठाई निर्माताओं की बिक्री बढ़ेगी। दूध और पनीर पर जीएसटी शून्य होने, मक्खन और घी पर 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करने से डेयरी क्षेत्र को लाभ होगा। दूध के डिब्बों पर जीएसटी 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है।

नेपाल में अंतरिम सरकार गठन के बाद हालात सुधरे, व्यापारिक गतिविधियां भी शुरु

नई दिल्ली।

अंतरिम सरकार गठन के बाद भारत-नेपाल सीमा पर हालात सामान्य होने लगे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शनिवार को रुपईडीहा बॉर्डर से यात्री वाहन, कार, बाइक, पैदल और मालवाहक ट्रक गुजरते नजर आए। बड़ी संख्या में कारोबारी ट्रक नेपाल में दाखिल हुए, जिससे व्यापारिक गतिविधियां भी शुरु हो गई हैं। हालांकि, आम नागरिकों की आवाजाही अब भी सीमित है।इन सबके बीच, सीमा चौकियों पर सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और नागरिकों व वाहनों की निगरानी कर रही हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हालात पहले की तुलना में शांत हैं और आने वाले दिनों में सामान्य जनजीवन बहाल होने की उम्मीद है। दरअसल, नेपाल में हाल ही में हुए बड़े पैमाने पर जेन-जी विरोध-प्रदर्शनों ने पूरे देश में हाहाकार मचा दिया था। प्रदर्शन की शुरुआत सरकार द्वारा कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर बैन लगाने से हुई थी, लेकिन यह आंदोलन भ्रष्टाचार, राजनीतिक भाई-भतीजावाद, आर्थिक असमानता और युवाओं में बेरोजगारी को लेकर बड़ी लहर में बदल गया। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म डिस्कॉर्ड जैसे माध्यमों ने इस नेतृत्वविहीन आंदोलन को संगठित करने में अहम भूमिका निभाई। देखते-ही-देखते हजारों युवा सड़कों पर उतर आए। आंदोलन हिंसक झड़पों में बदल गया, जिसमें कई लोगों की जान भी गई और सरकारी भवनों, राजनीतिक दलों के दफ्तरों समेत बड़े पैमाने पर संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। देशभर में बढ़ते जन दबाव और हिंसा की घटनाओं के बीच पीएम केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद नेपाल की राजनीति में अहम बदलाव हुए और पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया गया। सरकार बदलने और नई व्यवस्था बनने के बाद अब भारत-नेपाल सीमा पर हालात स्थिर होते नजर आ रहे हैं।

ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड देगी अपने शेयरधारकों को डिविडेंड

मुंबई । ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों को गुड न्यूज दी है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.50 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने की घोषणा की है। यह डिविडेंड 1 रुपये के फेस वैल्यू पर 250 फीसदी का भुगतान है। अगर किसी निवेशक के पास कंपनी के 1,000 शेयर हैं, तब उस निवेशक को 2,500 रुपये का डिविडेंड मिलेगा। कंपनी ने 29 अगस्त को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि डिविडेंड का भुगतान उन शेयरधारकों को होगा, जिनके नाम 15 सितंबर 2025 (सोमवार) को कारोबार खत्म होने तक रजिस्टर ऑफ मेंबर्स या बेनिफिशियल ओनर्स की लिस्ट में शामिल है। यह तारीख रिकॉर्ड डेट के रूप में तय की गई है। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स ने बीते पांच सालों में लगातार 2.50 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड दिया है। पिछले साल 2024 में डिविडेंड की एक्स-डेट 13 सितंबर थी, और बुक क्लोजर 17 सितंबर से 27 सितंबर तक रहा। साल 2023 में एक्स-डेट 18 सितंबर थी, और बुक क्लोजर 19 सितंबर से 29 सितंबर तक था। 2022 में एक्स-डेट 12 सितंबर और बुक क्लोजर 14 से 27 सितंबर तक रहा।

जीएसटी में हुए बदलाव को भुनाने की तैयारी में बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों.....22 सितंबर से शुरु हो रही सेल

मुंबई । फ्लिपकार्ट और अमेजन सहित तमाम बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों ने त्यौहारों का दौर शुरू होने से पहले बदली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था का फायदा उठाने की तैयारी पूरी कर ली है। दरें बदलने से साल 2025 के त्यौहारी बिक्री 27 फीसदी बढ़कर 1.20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। ई-कॉमर्स कंपनियों को त्यौहारों में जमकर खरीदारी होने की उम्मीद है। इसीलिए उन्होंने अपने प्लेटफॉर्म अपडेट कर लिए हैं और हजारों विक्रेताओं को 22 सितंबर से लागू होने वाले नए कर कोड के बारे में प्रशिक्षित किया है। एक प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'बैकएंड सॉल्यूशन तैयार करने, विक्रेताओं को बदले जीएसटी कोड की जानकारी देने और नई कर व्यवस्था के हिसाब से ढलने में प्रौद्योगिकी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारे विक्रेताओं के लिए नियमों का पालन करना और सुगमता के साथ कारोबार करना बहुत आसान हो गया है। त्यौहारी सीजन नजदीक आने के कारण हमें जबरदस्त मांग और खपत में तेज इजाफे की उम्मीद है।' जीएसटी व्यवस्था में आए बदलाव से त्यौहारों में बिक्री और तेज होने की उम्मीद है क्योंकि जब खरीदारी चरम पर होगी, तब कर में बचत का फायदा उपभोक्ताओं को दिया जाएगा। इससे बिक्री में 15-20 फीसदी इजाफा अलग से होने की संभावना है। नई जीएसटी व्यवस्था में कई दरें हटाकर केवल 5 और 18 फीसदी दरों के स्लैब लागू हैं। उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि जीएसटी दर में जो अंतर आया है, उससे खरीदार कुल मिलाकर 10 फीसदी तक बचत कर सकते हैं। त्यौहारी बिक्री के दौरान यह आंकड़ा करीब 1 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। टीवी, एसी और घरेलू उपकरण जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण एवं कंज्यूमर ड्यूरेबल्स पर खास तौर पर बचत होगी। करों में सुधार बहुत अहम समय पर किया गया है और त्यौहारों से ठीक पहले इसके लागू होने से ई-कॉमर्स कंपनियों की बिक्री की रफ्तार काफी बढ़ सकती है। कुछ ई-कॉमर्स कंपनियों ने 22 सितंबर से पहले ही सेल शुरू कर दी हैं ताकि मौजूदा माल को खपाया जा सके।

होंडा इलेवेट पर 1.80 लाख रुपये तक का मिल रहा फायदा

नई दिल्ली ।

होंडा कार्स इंडिया की मिड-साइज एसयूवी इलेवेट पर डिस्काउंट के चलते 1.80 लाख रुपये तक का फायदा मिल रहा है। इसमें टैक्स में कटौती से 58,400 रुपये और कंपनी ऑफर से 1.22 लाख रुपये का अतिरिक्त लाभ शामिल है। होंडा इलेवेट की एक्स-शोरूम कीमत 11.91 लाख रुपये से शुरू होती है। इस एसयूवी का मुकाबला मारुति ग्रांड विटारा, हयूदै क्रेटा और किआ सेलटॉस से है। इलेवेट में 1.5-लीटर वीटेक पेट्रोल इंजन है, जो 121पीएस पावर और 145एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसे 6-स्पीड मैनुअल और सीवीटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ पेश किया गया है। नए जीएसटी 2.0 के तहत छोटी पेट्रोल, सीएनजी और डीजल कारों पर टैक्स घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, लग्जरी और एसयूवी कारों पर टैक्स पहले 50प्रतिशत था, जिसे घटाकर 40प्रतिशत कर दिया गया है। इसका फायदा होंडा इलेवेट जैसी मिड-साइज एसयूवीएस के खरीदारों को सीधे तौर पर मिलेगा। एसयूवी में 360 डिग्री कैमरा, अडास फीचर्स, 6 एयरबैग, वायरलेस चार्जिंग, 10.25-इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम और होंडा सेनसिंग स्यूट जैसी आधुनिक टेक्नोलॉजी दी गई है। इसके टॉप झेडएक्स वेरिएंट में प्रीमियम लेदर अपहोल्स्ट्री और सनरूफ जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं।

इस सप्ताह 5 कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे, निवेशकों को दांव लगाने का मिलेगा मौका

नई दिल्ली।

प्राइमरी मार्केट में इस हफ्ते पाच कंपनियों के आईपीओ ओपन हो रहे हैं। इसमें तीन कंपनियों के आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। वहीं दो कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड के हैं। टेक डिफेंस लैब आईपीओ का साइज 38.99 करोड़ रुपए है। यह आईपीओ सोमवार को खुल रहा है। निवेशकों के पास 17 सितंबर तक दांव लगाने का मौका है। टेक डिफेंस लैब आईपीओ का प्राइस बैंड 183 रुपए से 190 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने 600 शेयरों का एक लॉट बनाया है। किसी भी रिटेल निवेशक को कम से कम दो लॉट पर एक साथ दांव लगाने होंगे। टेकडी साइबरसिक्योरिटी लिमिटेड एनएसई का आईपीओ ग्रे मार्केट में कंपनी में 160 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जो कि निवेशकों के नजरिए से अच्छा है।

सम्पत एल्युमिनियम आईपीओ 17 सितंबर से 19 सितंबर तक खुला रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए 114 रुपए से 120 रुपए प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। सम्पत एल्युमिनियम आईपीओ का लॉट साइज 1200 शेयरों का है, लेकिन एक रिटेल निवेशक को कम से कम 2,88,000 रुपए का इंवेस्टमेंट करना होगा। इस एसएमई सेगमेंट के आईपीओ का जीएमपी 18 रुपए है।

जेडी केबल्स आईपीओ 18 सितंबर को खुलेगा। निवेशकों के पास 22 सितंबर तक दांव लगाने का मौका है। एसएमई सेगमेंट के आईपीओ का लॉट साइज 800 शेयरों का है। एक रिटेल निवेशक को कम से कम 1600 शेयरों पर दांव लगाना होगा। बता दें इस आईपीओ का जीएमपी आज 25 रुपए प्रति शेयर है।

यूरो प्रतीक सेल्स आईपीओ यह एक मेनबोर्ड आईपीओ है। कंपनी के आईपीओ का साइज 451.31 करोड़ रुपए का है। यूरो प्रतीक सेल्स आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 16 सितंबर को खोला जाएगा। निवेशकों के पास 18 सितंबर तक दांव लगाने का मौका होगा। मेनबोर्ड आईपीओ का प्राइस बैंड 235 रुपए से 247 रुपए प्रति शेयर है। आईपीओ का लॉट साइज 60 शेयरों का है, जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14,820 रुपए का दांव लगाना होगा। वीएमएस टीएमटी आईपीओ यह भी एक मेनबोर्ड आईपीओ है। कंपनी का आईपीओ 17 सितंबर को ओपन होगा। निवेशकों के पास 19 सितंबर तक का मौका होगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 94 रुपए से 99 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने 150 शेयरों का एक लॉट बनाया है, जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14850 रुपए का दांव लगाना होगा। इस आईपीओ का जीएमपी 18 रुपए प्रति शेयर है।

पॉपुलर सेडान विरटस की कीमतों आएगी कमी

नई दिल्ली । अपनी पॉपुलर सेडान विरटस पर नए जीएसटी नियम लागू होने के बाद फॉक्सवैगन इंडिया ने बड़ी राहत की घोषणा की है। फॉक्सवैगन इंडिया ने बताया कि 22 सितंबर से कार की कीमत पर टैक्स में 66,900 रुपये तक की कमी आएगी। इसका मतलब है कि अब यह लग्जरी सेडान और भी किफायती दाम पर मिलेगी। विरटस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.54 लाख रुपये है। फॉक्सवैगन विरटस दो इंजन विकल्पों में आती है 1.0 एल टीएसआई (999सीसी, 3 सिलेंडर) और 1.5एल टीएसआई ईवो (1498सीसी, 4 सिलेंडर)। इसमें 6-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड ऑटोमैटिक और 7-स्पीड डीएसजी ट्रांसमिशन का विकल्प दिया गया है। फीचर्स की बात करें तो कार में 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एपल कारप्ले, वायरलेस चार्जिंग, वेंटिलेटेड लेदर सीट्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल और क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं। सेफ्टी के लिए इसमें 6 एयरबैग्स, ईएससी, एलईडी हेडलैंप्स और रिवर्स कैमरा दिया गया है। नए जीएसटी 2.0 में छोटी और लग्जरी कारों पर टैक्स दरों में बदलाव हुआ है। पहले जहां लग्जरी कारों पर 50प्रतिशत टैक्स देना पड़ता था, वहीं अब इसे घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे ग्राहकों को खरीदारी में सीधा फायदा मिलेगा। विरटस को जीटी लाइन, हाईलाइन, टॉपलाइन, स्पोर्ट और क्रोम वैरिएंट में खरीदा जा सकता है। यह 6 एक्सटीरियर कलर ऑप्शंस में उपलब्ध है।

अडाणी पावर बिहार में लगाएगी नया बिजली संयंत्र, 3 अरब डॉलर का करेगी निवेश

यह संयंत्र भगलपुर के पिरपैंती में बनेगा, 2400 मेगावाट का होगा संयंत्र

पटना।

अडाणी पावर ने बिहार में एक नया बिजली संयंत्र लगाने की घोषणा की है। यह संयंत्र 2400 मेगावाट का होगा और इसमें करीब 26,482 करोड़ रुपए यानी 3 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। यह संयंत्र भगलपुर जिले के पिरपैंती में बनेगा। कंपनी ने बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीजीसीएल) के साथ 25 साल के लिए बिजली आपूर्ति का समझौता किया है।

अडाणी पावर को यह प्रोजेक्ट अगस्त में मिला था। कंपनी ने नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड और साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के लिए सबसे कम 6.075 रुपए प्रति यूनिट की दर पर बिजली देने का वादा किया। इस संयंत्र में तीन यूनिट होंगी, और प्रत्येक यूनिट 800 मेगावाट की होगी। इसे डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन और ऑपरेट मॉडल के तहत बनाया जाएगा। कंपनी का लक्ष्य 60 महीनों में इस संयंत्र को शुरू करने का है।

इस संयंत्र के लिए कोयले की आपूर्ति भारत सरकार की शक्ति नीति के तहत की जाएगी। निर्माण के दौरान 10,000 से 12,000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रुप से रोजगार दिया जाएगा। संयंत्र शुरू होने के बाद करीब 3,000 लोगों को नियमित नौकरी मिलेगी। अडाणी पावर जो गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले अडाणी ग्रुप का हिस्सा है, भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट

थर्मल पावर कंपनी है। इसकी कुल स्थापित थर्मल पावर क्षमता 18,110 मेगावाट है। बीते शुक्रवार को कंपनी के शेयर 3.88 फीसदी की गिरावट के साथ 648.65 रुपए पर बंद हुआ था। कंपनी का मार्केट कैप 2,50,180.34 करोड़ रुपए है। कंपनी के शेयरों ने दो साल, तीन साल और पांच साल में क्रमशः 67.98 फीसदी, 63.10 और 1634.36 फीसदी का रिटर्न दिया है।

अगस्त में मारुति सुजुकी इर्टिगा ने बाजी मारी

नई दिल्ली।

अगस्त 2025 में भारतीय बाजार में कार बिक्री के आंकड़े जारी हुए हैं। अगस्त महीने में बिक्री के मामले में मारुति सुजुकी इर्टिगा ने बाजी मारी। एमपीवी सेगमेंट की इस कार ने 18,365 यूनिट्स की बिक्री के साथ देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनकर सबको पीछे छोड़ दिया। दूसरे नंबर पर मारुति सुजुकी डिजायर रही, जिसकी बिक्री 55 प्रतिशत बढ़कर 16,509 यूनिट्स रही। तीसरे पर हयूदै क्रेटा रही, हालांकि इसकी बिक्री 5 प्रतिशत घटकर 15,924 यूनिट्स रही। चौथे पर वेगनआर रही, जिसकी बिक्री 14,552 यूनिट्स रही। टॉप-5 में टाटा नेक्सान भी शामिल रही, जिसने 14,004 यूनिट्स बेचीं। वहीं, मारुति ब्रेझा की बिक्री 29 प्रतिशत गिरकर 13,620 यूनिट्स रही। इसके अलावा बलेनो (12,549 यूनिट्स), फ्रोंक्स (12,422 यूनिट्स) और स्वीफट (12,385 यूनिट्स) ने टॉप-10 में जगह बनाई। दसवें नंबर पर मारुति इको रही, जिसकी बिक्री 10,785 यूनिट्स रही। महिंद्रा स्कार्पियो 9,840 यूनिट्स के साथ 12वें स्थान पर रही, जबकि टोयोटा इनोवा 9,304 यूनिट्स के साथ 13वें स्थान पर। किआ सोनेट, महिंद्रा बोलेरो और हयूदै वेन्यू ने भी अच्छी बिक्री दर्ज की। 25वें नंबर पर टोयोटा ग्लांझा रही, जिसकी 5,102 यूनिट्स बिकीं।

नेपाल हिंसाः बिहार को 5 दिन में 1000 करोड़ रुपये का नुकसान

नेपाल बॉर्डर पर ट्रकों की 5 किमी. लंबी कतार, आना-जाना बंद, ड्राइवर बोलेः मौत का खतरा है

रक्सौल। 11 सितंबर 2025, दोपहर 1 बजे। रक्सौल का मुख्य बाजार, जो आम दिनों में लोगों की भीड़ से गुलजार रहता है, आज वीरान है। बाजार की ज्यादातर दुकानों के शटर गिरे हैं, जो दुकानें खुली है, उसमें कोई ग्राहक नहीं है। दुकानदार ग्राहक के इंतजार में टकटकी लगाकर बैठे हैं। किराना दुकानदार का कहना है, ह्यनेपाली के लोगों से ही रक्सौल का बाजार चलता है। नेपाली ग्राहक देखे तीन दिन हो गए। अब तो कोई बोहनी भी कर दे, इसके लिए भगवान से प्रार्थना करनी पड़ रही है। नेपाल में जल्द सब कुछ सामान्य हो जाए ताकि रक्सौल का बाजार फिर से गुलजार हो जाए। यह सिर्फ एक दुकानदार की कहानी नहीं है। रक्सौल के सभी दुकानदारों की यही कहानी है। नेपाल में Gen-Z प्रोटेस्ट और कर्फ्यू लगने से बिहार के इंडिया-नेपाल बॉर्डर इलाके वाले सभी ओपन मार्केट पूरी तरीके से ठप है। रोज करीब 200 से 250 करोड़ रुपए का बिजनेस होता था, जो अब नहीं हो रहा है। यानी रोज कम से कम 200 करोड़ रुपए का बिजनेस ठप है। बिहार के बॉर्डर वाले इलाकों के बाजारों की क्या हालात है, यह जानने के लिए हम सबसे पहले रक्सौल पहुंचे। बॉर्डर पर सख्ती है। नेपाली नागरिक भारत नहीं आ रहे हैं और रोजाना करोड़ों रुपए का कारोबार ठप हो चुका है। रक्सौल, जोगबनी, कुनौली से लेकर किशनगंज तक के बाजारों में सन्नाटा पसरा है। हम रक्सौल के मुख्य बाजार पहुंचे। आम दिनों में यह बाजार नेपाल के लोगों से भरा रहता है।

नेपाली मोटरसाइकिल पर लदे किराना का सामान, रिक्शों की आवाजें और दुकानों पर सौदेबाजी का शोर रहता था, लेकिन आज दोपहर 1.00 बजे तक बाजार बिल्कुल सुनसान था। सड़कें खाली, ज्यादातर दुकानों के शटर गिरे हुए हैं। एक भी नेपाली नागरिक नजर नहीं आया। दुकानदारों के चेहरों पर चिंता की लकीरें साफ दिख रही थीं। हमने कई दुकानदारों से बात की। सबकी कहानी एक जैसी थी। प्रोटेस्ट और कर्फ्यू का असर सीधे इनके कारोबार पर पड़ रहा है। कपड़ा व्यवसायी सुरेश अग्रवाल से हमारी मुलाकात उनकी दुकान पर हुई। वे पिछले 20 साल से रक्सौल में व्यापार कर रहे हैं। सुरेश ने बताया, नेपाल में हुए इस प्रोटेस्ट की वजह से रक्सौल का बाजार पूरी तरह से बाधित है। बीते 3 दिनों से रोज दुकान खोलकर बैठते हैं और शाम को वापस लौट जाते हैं। सुरेश की दुकान पर रेडिमेड गारमेंट्स और कपड़ों के थोक पैकेट पड़े थे, लेकिन बिक्री शून्य। वे कहते हैं, ह्यनेपाल में कपड़ों की क्वालिटी खराब होने की वजह से वहां के लोग भारत आकर कपड़ा खरीदकर ले जाते हैं, लेकिन अब सब रुक गया। पास ही किराना दुकान चलाने वाले कमलेश्वर भी उसी दर्द से गुजर रहे हैं। उनकी दुकान पर चावल, दाल, आटा और मसालों के बोरे रखे थे, लेकिन ग्राहक नहीं दिखे। हरिशंकर ने कहा, ह्यइस बाजार से सबसे अधिक किराना का सामान ही नेपाली नागरिक खरीदकर ले जाते हैं, लेकिन 3 दिनों से दुकान पर बैठे हैं, कोई खरीदने वाला नहीं है। अब तो बोहनी करना भी मुसीबत है। एक भी नेपाली का दर्शन करना मुश्किल हो गया है। नेपाल की अपेक्षा भारत में सस्ता किराना का सामान मिलने की वजह से अधिकतर नेपाली भारत में सामान खरीदने आते हैं, लेकिन अब कोई नहीं आ रहा है। हरिशंकर बताते हैं, सामान्य दिनों में उनकी दुकान से रोज 10-15 हजार रुपए की बिक्री होती थी, अब वह आंकड़ा शून्य पर आ गया है। आगे हम चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व महासचिव आलोक श्रीवास्तव से मिले।

उन्होंने बाजार में आई गिरावट और नुकसान के बारे में विस्तार से बताया। रक्सौल बाजार के ग्राहक नेपाली ही हैं। नेपाल के पहाड़ी इलाकों से भी लोग रक्सौल में खरीदारी करने आते हैं। हर रोज कम से कम एक करोड़ रुपए का कारोबार सिर्फ रक्सौल बाजार से होता है, जो सिर्फ नेपाली नागरिक इस बाजार से सामान खरीदते हैं। यह सामान ट्रेड के लिए नहीं, बल्कि डेली यूजेज वाला सामान होता है। इसमें सबसे अधिक किराना का सामान, कपड़ा और फल-सब्जी है। आलोक ने दुगार्पूजा पर होने वाली उछाल का जिक्र किया। उन्होंने बताया, ह्यदशहरा को लेकर रक्सौल का बाजार अब अपना स्पीड पकड़ रहा था, क्योंकि नेपाल में दुगार्पूजा काफी धूमधाम से मनाई जाती है। इस वजह से नेपाल के लोग रक्सौल से दुगार्पूजा का सामान खरीदते हैं।

वैशाली में सोनपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 10 अपराधी गिरफ्तार

लूट और चोरी का सामान बरामद

वैशाली। जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र में कुछ दिनों पहले अपराधियों ने यात्रियों को पिस्टल दिखाकर और मारपीट कर तीन लूट की घटनाओं को अंजाम दिया था। इसमें अपराधियों ने तीन मोटरसाइकिल, मोबाइल, नकदी और सोने का लॉकेट लूट लिया था। इस मामले में सोनपुर थाना में एफआईआर दर्ज की गई थी।इसी बीच, सोनपुर के भरपूरा इलाके में एक घर का ताला तोड़कर चोरों ने नकदी और सोना-चांदी के गहने भी चुरा लिए थे। लगातार हो रही इन घटनाओं को देखते हुए सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक ने तुरंत कार्रवाई करने और लूटे गए सामान की बरामदगी का निर्देश दिया। निर्देश के बाद सोनपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई, जिसने छापेमारी शुरू की।पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुल 10 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से लूटे गए मोटरसाइकिल, मोबाइल, नकदी और आभूषणों के साथ-साथ गृहभेदन में चोरी किए गए रुपये और गहने भी बरामद किए गए हैं। इनमें से छह अपराधी हथियार के साथ नई वारदात की योजना बनाते हुए पकड़े गए।

दो अपराधी चोरी की वारदात के दौरान रंगे हाथों गिरफ्तार हुए और दो लोग लूटे गए मोबाइल व मोटरसाइकिल को खरीदने और छुपाने के आरोप में पकड़े गए। पुलिस ने इस संबंध में सारण के ग्रामीण एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी।

भोजपुर में भीषण सड़क हादसा

भोजपुर। जिले में गुरुवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। आरा-जगदीशपुर रोड पर हाटपोखर के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने यात्री बस को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस सड़क किनारे पलटते-पलटते बची, लेकिन उसमें सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में दो दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हैं।घटना के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक तेज रफ्तार में था और ओवरटेक करने की कोशिश में बस से जा टकराया।

संक्षिप्त डायरी

मुंगेर में बाढ़ पीड़ितों का सड़क जाम, सहायता राशि की मांग को लेकर किया हंगामा

मुंगेर। गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण मुंगेर जिले के कई क्षेत्र पुनः बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। परहम पंचायत के वार्ड नंबर 9, 10, 11, 12 और 13 के बाढ़ पीड़ित ग्रामीण महिलाओं ने अपने बच्चों के साथ मिलकर मुंगेरझलखीसराय एनएच-80 परहम के पास सड़क जाम कर दी।प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बताया कि उनके वार्ड पूरी तरह से बाढ़ के पानी में डूब चुके हैं और घर-घर में पानी भर गया है। इसके बावजूद अब तक उन्हें बाढ़ सहायता राशि का भुगतान नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि कई बार उन्होंने मुखिया, वार्ड सदस्य और जिलाधिकारी से मिलकर मदद की गुहार लगाई, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। वहीं, अन्य वार्डों के कुछ बाढ़ पीड़ितों को सहायता राशि मिल चुकी है।महिलाओं ने चेतावनी दी कि जब तक जिलाधिकारी या सीओ मौके पर नहीं आएंगे और समस्या का समाधान नहीं होगा, सड़क जाम हटाया नहीं जाएगा। इस कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबा जाम लग गया और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन महिलाएं अपनी मांगों पर अडिग हैं।

बोधगया पहुंचे पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, बोले-संतों का अपमान करना मूर्खता, ऐसी चीजों से बचना चाहिए

गयाजी। बोधगया पहुंचे बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि संतों के बारे में किसी को भी अपमानजनक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने हाल ही में अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि अगर किसी ने फायरिंग यह कहकर की है कि संतों का अपमान हुआ था, तो यह बिल्कुल गलत है। किसी भी संत के बारे में बोलना मूर्खता है। किसी की आस्था को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए।उन्होंने आगे कहा कि हमारी अपनी आस्था है, आप मत सुनिए। आपकी अपनी आस्था है, आपको अच्छा नहीं लगता तो मत देखिए। जैसे पाकिस्तान हमें अच्छा नहीं लगता, तो हम वहां नहीं जाते। आपको अच्छा लगता है तो जाइए। किसी पर प्रतिक्रिया करना या शब्दों से प्रहार करना मूर्खता है। ऐसी चीजों से बचना चाहिए। धीरेंद्र शास्त्री ने स्पष्ट किया कि उनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है, इसलिए वे राजनीतिक बयान नहीं देते। उन्होंने बताया कि वे हर साल पितृपक्ष में गया आते हैं और इस बार भी भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की प्रार्थना करेंगे।पितृपक्ष मेले के बीच बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का शिष्यों ने स्वागत किया। उसके बाद पंडित धीरेन्द्र शास्त्री सड़क मार्ग से बोधगया प्रवास स्थल के लिए निकल गए। कल वे यहां अपने शिष्यों के साथ पितरों की आत्मशांति के लिए पिंडदान, तर्पण और त्रिपिंडी श्राद्ध कराएंगे। साथ ही एकादश भागवत कथा का आयोजन भी होगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 586 मामलों का निपटारा

मधुबनी। जिले के रहिका के जिला कोर्ट में आयोजित इस वर्ष के तीसरे राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 586 मामलों का निपटारा किया गया। इस लोक अदालत में बैंक ऋण से जुड़े मामलों की संख्या सबसे अधिक रही। पंजाब नेशनल बैंक के 107, बिहार ग्रामीण बैंक के 77 और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के 71 मामलों का निपटारा हुआ। इसके अलावा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के 50, बैंक ऑफ इंडिया के 28 और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के 24 मामले शामिल थे। अन्य मामलों में आपराधिक सुलहनीय 110, विद्युत चोरी के 34, मैट्रिमोनियल विवाद के 7 और श्रम विवाद के 3 मामलों का निपटारा किया गया। श्रीराम फाइनेंस के 26 मामले भी सुलझाए गए। लोक अदालत में पक्षकारों के बीच 2 करोड़ 11 लाख 15 हजार 990 रुपये का समझौता हुआ। इसमें से एक करोड़ चौदह लाख एकतालीस हजार एक सौ इकवान रुपये की रिकवरी की गई। मामलों के निपटारे के लिए पांच बेंचों का गठन किया गया था। अपर जिला एवं सत्र न्यायधीश द्वितीय रचना राज, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रमोद कुमार महथा, अनुमंडल दंडाधिकारी सचिन कुमार, मुंसिफ प्रथम अनुष्का चतुर्वेदी और प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी दिवानन्द झा पीठासीन पदाधिकारी थे। पक्षकारों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई थी। कर्मचारी सुशांत चक्रवर्ती, संतोष कुमार निशांत और संतोष कुमार दत्ता पक्षकारों को जानकारी और सहायता प्रदान कर रहे थे।

'सरकार फूट डालो-राज करो की नीति अपना रही'

नड्डा को घेरने वाले बर्खास्त संविदा कर्मचारी बोले- 7480 लोगों को हटाया, साथ बहाली हो, हमें तोड़े नहीं

पटना। 'जिस तरह विभाग ने 7480 लोगों को एक साथ टर्मिनेट किया, उसी तरह सभी को एक साथ बहाल किया जाए। विभाग ने हमें मौका नहीं दिया है। हमें तोड़ने की कोशिश की जा रही है। इसलिए हम किसी हाल में आवेदन नहीं देंगे। जिन्होंने अब तक आवेदन दिया है वे भुगतेंगे।' ये कहना बर्खास्त संविदा कर्मियों का है। जो पटना के गर्दनीबाग में अपनी बहाली की मांग को लेकर 28 दिन से धरने पर बैठे हैं। बर्खास्त कर्मियों का आरोप है कि जो लोग आवेदन कर रहे हैं, उसको खारिज कर दिया जा रहा। इधर, अपनी मांगों को लेकर शनिवार को बर्खास्त संविदा कर्मचारियों ने बीजेपी ऑफिस का घेराव किया। हालत ऐसे बन गए की जेपी नड्डा को अपनी बैठक की लोकेशन बदलनी पड़ी। दोपहर से शुरू हुआ ये प्रदर्शन देर रात तक चलता रहा। इस दौरान डिप्टी सीएम, मंत्रियों ने भी उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन वे डटे रहे। दरअसल, भूमि सुधार विभाग ने लेटर जारी कर कहा है कि संविदा कर्मियों को वापसी का मौका मिला है। अब तक 100 लोगों के आवेदन प्राप्त हुए हैं। श्रम संसाधन मंत्री संजय सरावगी ने भी दावा किया कि जो आवेदन कर रहे हैं, उन्हें सेवा में वापस लिया जाएगा, पर ज्यादातर संविदा कर्मियों का कहना है कि किसी भी हाल में आवेदन नहीं करेंगे। धरना स्थल पर मौजूद दीपक कुमार ने कहा कि, हमलोग एक-एक कर लेटर नहीं देंगे। विभाग के तरफ से हमें किसी प्रकार का अवसर नहीं दिया जा रहा है, बल्कि वे लोग चाहते हैं कि हम बिखर जाए। जिसके बाद वे लोग जो चाहेंगे करेंगे। हम लोग जो अपनी मांग को लेकर आए हैं, उस मुद्दे से भटकने का प्रयास किया जा रहा है। अगर विभाग को हमसे इतना ही हमदर्दी है तो जिस तरह से बर्खास्त किया, उसी तरह सेवा में बहाल किया जाए। इसके लिए हम लोग तैयार हैं, लेकिन आवेदन नहीं करेंगे। अमित कुमार ने कहा कि, हम विभाग का सम्मान करते हैं, विभाग को भी हमारा सम्मान करना चाहिए। हम तो विभाग के जूनियर कर्मचारी हैं। हमें सम्मान पूर्वक वातालार्प के लिए बुलाना चाहिए। अगर वापस नहीं बुलाना है तो जिस प्रकार एक लेटर से सभी को टर्मिनेट किया था, उसी तरह उस लेटर को रद्द करके पुनः बहाली किया जाए। यह विभागीय मसला है। वहां पहले बोलते कुछ हैं, डाटा कुछ और देते हैं। संदीप कुमार ने कहा कि, आवेदन मांग कर विभाग ये दिखा रहा कि हमें मौका दिया जा रहा। मौका तो पहले भी था, लेकिन इंडिविजुअल आवेदन का कोई मतलब नहीं बनता है। यह बांट-बांट कर काटने वाली पॉलिसी है। एक-एक करके सबको खत्म करेंगे। अगर विभाग हमें वापस लेना चाहता है तो एक लेटर पर सबको वापस ले। वह हमारे बारे में सोचेंगे तो हम भी उनके लिए जी जान लगा कर काम करेंगे। बाद में तो हमें रोड पर आना ही है। तो हम अभी से ही रोड पर रहेंगे। सरकार हमारी मांगों के बारे में एक बार विचार करें। आजकल बिना पैसे का कुछ नहीं होता है। महंगाई ज्यादा है और वेतन कम। सरकार हमारे लिए एफर्ट दिखाए, हम उनके लिए जिंदगी भर एफर्ट दिखाएंगे। सरकार से उम्मीद है इसलिए हम डटे हुए हैं। बिना युवा के कोई देश आगे बढ़ा नहीं है। रूपेश कुमार ने कहा कि, विभाग की हमेशा से यह नीति रही है कि फूट डालो और राज करो। अभी भी विभाग की मंशा यही है कि हम लोगों का एक-एक करके आवेदन ले और हमें बिखेर दे। जो लोग गए हैं आवेदन करने वह भुक्तभोगी होंगे। मंत्री संजय सरावगी का कहना है कि, सभी को डायरेक्टर ने टर्मिनेट किया था।

रोहिणी नक्षत्र में महिलाएं करेंगी जिउतिया का निर्जला व्रत, मंगलकामना के लिए करेंगी पूजा

पटना। महिलाएं अपने अखंड सौभाग्य, पुत्रों की मंगल कामना के लिए आश्विन कृष्ण अष्टमी में आज जिउतिया का व्रत करेंगी। रोहिणी नक्षत्र और जयद् योग का सुयोग बन रहा है। महिलाएं अपने संतान की कुशलता, दीघार्यु और वंश वृद्धि की कामना से निर्जला व्रत रखेंगी। ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश झा ने विभिन्न पंचांगों के हवाले से बताया कि अष्टमी तिथि सुबह 08:41 बजे से शुरू होकर कल सोमवार 15 सितंबर की सुबह 06:36 बजे तक रहेगा। इसलिए सोमवार 15 सितंबर को अष्टमी तिथि के समाप्ति के बाद व्रती महिलाएं पारण करेंगी। जिउतिया व्रत से जुड़ी प्रमुख कथा में राजा जीमूतवाहन ने नागवंश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उनकी करुणा और त्याग की प्रेरणा से यह व्रत त्याग, धर्म और करुणा की शिक्षा देता है। इस पौराणिक कथा के मुताबिक व्रत करने से नागदोष का प्रभाव घर-परिवार से दूर होता है और संतान का स्वास्थ्य उत्तम होता है। इस कथा को श्रद्धापूर्वक सुनने से व्रती महिलाओं की संतान दीघार्यु व रोगमुक्त रहते है। घर-परिवार पर नागदोष का प्रभाव कम होता है। पंडित गजाधर झा के मुताबिक जीमूतवाहन की कथा सबसे पहले भगवान शिव ने माता पार्वती को सुनाई थी। इस कथा में एक चूल्होरिन और सियारिन के द्वारा व्रत को करने का वर्णन है। इन दोनों ने जीमूतवाहन का व्रत रखा पर सियारिन को भूख बर्दाश्त नहीं हुई और उसने मांस का भोजन कर लिया। अगले जन्म में दोनों एक ब्राह्मण की बेटी के रूप में जन्म लिए। चूल्होरिन (अब शीलावती) की शादी उस नगर के राजा के यहां कार्यरत मंत्री से हुई और सियारिन (अब कपूर्रावती) की शादी नगर के राजा मलयकेतु के साथ विधि-विधान से हुई। दोनों बहनों को सात-सात बेटे हुए, लेकिन सियारिन के सातों बेटों की मृत्यु हो गई और चूल्हारिन के जीवित रहे। बाद में इसका कारण जानने पर आत्मग्लानि से कपूर्रावती ने प्राण त्याग दिए। महिलाएं अपने अखंड सौभाग्य, पुत्रों की मंगल कामना, दीघार्युष्य और वंश वृद्धि के लिए आज जीवत्पुत्रिका (जीउतिया) का निर्जला व्रत करेंगी। आज कुश से जीमूतवाहन की मूर्ति बनाकर उनकी पूजा साथ में माता लक्ष्मी और देवी दुर्गा की पूजा करने के बाद माताएं ब्राह्मण या योग्य पंडित से जीमूतवाहन की कथा सुनकर उनको दक्षिणा प्रदान करेंगी। इस महाव्रत का पारण व्रती महिलाएं केराव से करेंगी।

छपरा में कटाव से दीवार गिरी, महिला की मौत

पटना-नालंदा में बारिश, 30 जिलों में यलो अलर्ट, 40 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी हवा

पटना। छपरा सोनपुर में बाढ़ से हुए कटाव के कारण हादसा हुआ। गंगा नदी के कटाव से सबलपुर में शनिवार की शाम दीवार गिर गई। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई। तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतका की पहचान सबलपुर पछियारी टोला निवासी प्रतिमा देवी (60) के रूप में हुई है। हादसे से कुछ देर पहले ही पूर्णिया सांसद पप्पू यादव कटाव पीड़ितों से मिलने पहुंचे थे। राहत सामग्री बांटने के बाद वो निकले और करीब 15-20 मिनट बाद ये हादसा हुआ। घायलों में मुन्नी देवी, साधना देवी और रघुवीर राय शामिल हैं। घायलों को पहले स्थानीय अनुमंडल अस्पताल सोनपुर में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने के कारण हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बिहार में मानसून एक बार फिर से सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने आज यानी रविवार को राज्य के 30 जिलों में बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। पटना और नालंदा में सुबह से हल्की बारिश हो रही है। अगले 24 घंटे तक भारी बारिश, मेघ गर्जन के साथ 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना जताई गई है। शेष जिलों में मौसम सामान्य रहेगा, लेकिन उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करेगी। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। इसके साथ ही उत्तर बिहार में एक लो-प्रेशर सिस्टम भी बना हुआ है। इन दोनों कारणों से मानसून फिर से सक्रिय हो गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बदलाव का असर पूरे राज्य में देखने को मिलेगा। किसानों को सलाह दी है कि वे फसल की सुरक्षा के लिए समय रहते आवश्यक कदम उठाएं। राजधानी पटना में भी आज बारिश के आसार हैं। अगले 24 घंटे तक रुक-रुककर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि शहर का अधिकतम तापमान 32-33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25-26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। तापमान में गिरावट के कारण उमस से लोगों को राहत मिलेगी, लेकिन बारिश के कारण कई इलाकों में जलजमाव और ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो सकती है। पटना में गंगा के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि हो रही है, जिसके कारण गंगा का पानी सड़क पर बहने लगा है। इससे वाहनों की आवाजाही में परेशानी बढ़ गई है। भद्रघाट और महावीर घाट के एप्रोच रोड पर गंगा का पानी बहने लगा है। जिसके बाद यहां लोगों की आवाजाही रोक दी गई है। रऊड सत्यम सहाय और ऊऊढ राजकिशोर सिंह ने शनिवार को भद्र घाट, महावीर घाट और आसपास का जायजा लिया। SDO ने बताया कि भद्रघाट और महावीर घाट जाने वाली सभी एप्रोच रोड के पास बैरिकेडिंग कर दी गई है। मौसम विभाग का मानना है कि फिलहाल बारिश का यह दौर कुछ दिनों तक जारी रह सकता है। दक्षिण बिहार के जिले अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं, लेकिन उत्तर बिहार के कई हिस्सों में भारी वर्षा और तेज हवाएं लगातार चुनौती बन सकती हैं। विभाग ने साफ तौर पर कहा है कि जरूरी न हो तो घर से बाहर निकलने से बचें। बिजली के उपकरणों से सतर्क रहें और निचले इलाकों में रहने वाले लोग विशेष सावधानी बरतें। छपरा के सोनपुर में बाढ़ से हुए कटाव के कारण एक बड़ा हादसा हुआ। गंगा नदी के कटाव से सबलपुर में शनिवार की शाम अचानक ने दीवार गिर गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतका की पहचान सबलपुर पछियारी टोला निवासी प्रतिमा देवी (60) के रूप में हुई है। घायलों में पंचम राय की पत्नी मुन्नी देवी, वकील राय की पत्नी साधना देवी और स्वर्गीय रामप्रवेश राय के बेटे रघुवीर राय शामिल हैं।

आश्विन कृष्णपक्ष की प्रतिपदा से अमावस्या तक पितरों का श्राद्ध करने की परंपरा है। पितृपक्ष अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने, उनका स्मरण करने और उनके प्रति श्रद्धा अभिव्यक्ति करने का महापर्व है। इस अवधि में पितृगण अपने परिजनों के समीप विविध रूपों में मंडराते हैं और अपने मोक्ष की कामना करते हैं। परिजनों से संतुष्ट होने पर पूर्वज आशीर्वाद देकर हमें अनिष्ट घटनाओं से बचाते हैं। जिस तिथि में माता-पिता का देहांत हुआ है, उस तिथि में श्राद्ध करना चाहिए। श्राद्ध से पितृगण प्रसन्न होते हैं और श्राद्ध करने वालों को सुख-समृद्धि, सफलता, आरोग्य और संतानरूपी फल देते हैं।

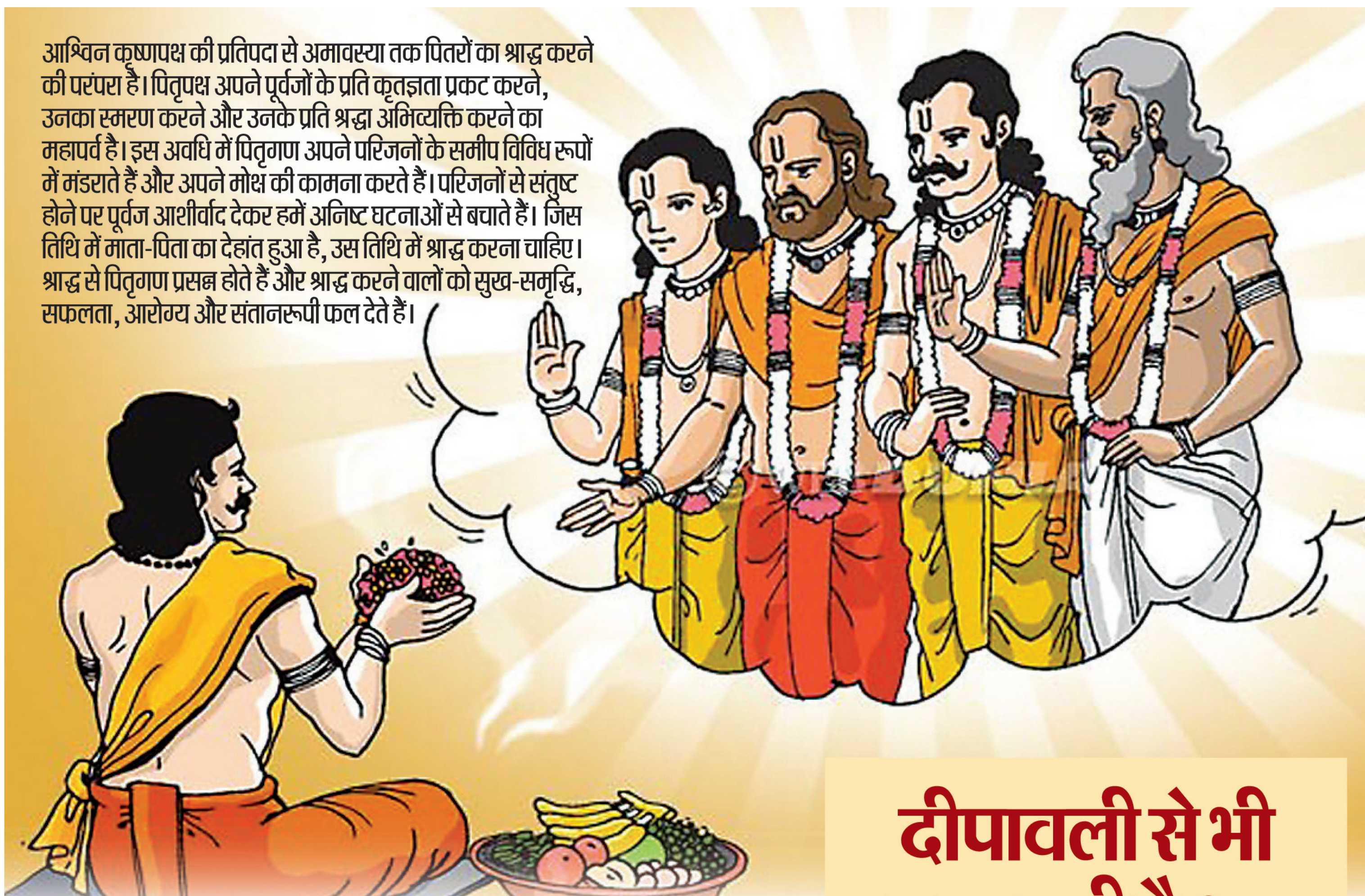

दिवंगतों की अच्छाइयों का स्मृति पर्व

पाश्चात्य संस्कृति का हिस्सा बन चुके हम आए दिन कोई न कोई 'डे' मनाते रहते है ।साल के दिनों की संख्या से ज्यादा तो तथाकथित 'डे' मनाए जाते हैं ,ना इसमें कोई बुराई है वे लोगों को जीते जी याद करते हैं तो हम परिजनों के गुजर जाने के बाद भी उन्हें याद करते हैं । उनकी याद में दिवस मनाते हैं भारतीय संस्कृति सबको साथ ले कर चलने वाली है । हम अगर श्राद्ध की बात करें तो इसमें न सिर्फ अपने पिता अपितु पितरों (हमारे दादा-परदादा) के प्रति भी धार्मिक क्रियाओं के माध्यम से सम्मान प्रकट किया जाता है, बल्कि उन्हें याद किया जाता है, उनका आभार माना जाता है । इन दिनों में सात्विकता, पशु-आहार ,दान का विशेष महत्व है । यहां मूलत: 'आत्मा अमर है' का विश्वास काम करता है कि वे जहां कहीं भी हैं हमें देख रहें होगें । भारतीय संस्कृति की एक विशेषता उल्लेखनीय है कि वह अपने संस्कार से व्यक्ति को विनयवान बनाती है । जहां इसमें 'धर्म-भीरुता' एक कमजोर पक्ष बनकर उभरा है जिससे कई कुरीतियों ने भी जन्म लिया । वहीं शिक्षा के प्रसार से कुछ नवीनता भी आई है । दान का स्वरुप बदल कर ब्राह्मण भोज के स्थान पर लोगों ने जरूरतमंदों और अनाथालयों में अन्न सेवा प्रारंभ कर दिया है । कुछ समर्थ लोग दोनों ही तरह के दान के हामी होते हैं तो आधुनिक विधि-विधान को महत्व न देकर श्राद्ध में छिपे मूल भाव को महत्व देते हुए अपने पूर्वजों को याद करने के विभिन्न तरीके अपनाते हैं । पितरों का आशीर्वाद बना रहे, पूर्वजों के प्रति आभार जताने का भाव मन में आ जाना, पूर्वजों के साथ घर में रह्ने वाले बुजुर्गों का भी आदर बना रहे यही सही मायने में श्राद्ध है जो कि आज के समय की मांग है । श्राद्ध पर्व की मूल अवधारणा श्रद्धा पर आधारित है । श्राद्ध पर्व के 16 दिनों के दौरान यदि हम अपने विलग हो चुके बुजुर्गों को याद कर उनकी अच्छाइयों को अपने और अपनी अगली पीढ़ी के जीवन में कार्यान्वित कर सकें तो इस भाव-प्रसंग की सार्थकता कुछ और बढ़ जाएगी ।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार, जानिए क्या है पंचबलि कर्म

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना । श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है । यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है । यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं । श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमश: पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं । इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है ।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है । पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है । वे हैं-

प्रथम गौ बलि- घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को 'गौभ्यो नम:' कहकर प्रणाम किया जाता है । गौ देशी होना चाहिए ।

द्वितीय श्वान बलि- पत्ते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है ।

तृतीय काक बलि- कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें ।

चतुर्थ देवादि बलि- पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है । बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है ।

पंचम पिपलिकादि बलि- चींटी, कीड़े-मकौड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है ।

श्राद्ध करने का आदर्श समय : मध्याह्न 1130 से 1230 तक है जिसे 'कुतप बेला' कहा जाता है । इसका बड़ा महत्व है ।

दीपावली से भी ज्यादा बड़ी है श्राद्ध पर्व की 8वीं तिथि

महालक्ष्मी पर्व यानी गजलक्ष्मी व्रत है । इस दिन को दीपावली से भी अधिक शुभ माना जाता है । पितृ पक्ष में आने वाले गजलक्ष्मी व्रत में अगर अपनी राशि अनुसार विधि-विधान से पूजन किया जाए तो महालक्ष्मी विशेष प्रसन्न होती हैं और जीवन में धन-समृद्धि आती है । आइए, जानें किस-किस राशि वाले जातक को किस प्रकार से पूजन करने से इष्टतम लाभ हो सकता है ।

मेष राशि : इस राशि के जातक अगर ऋण से त्रस्त हैं तो मिट्टी के हाथी के समक्ष 'ऋणहर्ता मंगल स्तोत्र' का पाठ करना चाहिए इससे ऋण उतरने लगता है ।

वृषभ राशि : इस राशि के जातकों के लिए गजलक्ष्मी व्रत से हर शुक्रवार को श्री विष्णु-लक्ष्मी का पूजन करने से धन व नाम मिलता है । इस प्रयोग को कम से कम एक साल तक करें यानी अगले गजलक्ष्मी व्रत तक करें चमत्कार स्वयं देखें ।

मिथुन राशि : चांदी का हाथी बनवाकर श्री लक्ष्मी के मंत्रों से पूरित कर गल्ले में रखें निश्चित ही धनलाभ होता है । धन का भंडार भरा रहता है तथा परिवार में व्यक्ति प्रसन्न और सुखी रहता है ।

कर्क राशि : रात को केले के पत्ते पर दूध-भात रख कर चंदमा और मिट्टी के हाथी को दिखाएं और मंदिर में पंडितजी को दान दें । इससे धन प्राप्ति के प्रबल योग बनते हैं ।

सिंह राशि : मिट्टी का हाथी बनवाकर उस पर चांदी या सोने का गहना चढ़ाएं और 'ऊँ नमो नारायणाय' मंत्र का श्री विष्णु जी के सम्मुख जाप करें, विशेष धनलाभ होगा ।

कन्या राशि : लाजावर्त नग को चांदी में जड़वाकर लक्ष्मी के मंत्रों से अभिमंत्रित कर मिट्टी के हाथी को चढ़ाने से जातक धनवान बनता है ।

तुला राशि : चांदी या सोने के हाथी पर कमल का फूल चढ़ाएं । मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है व यश मिलता है ।

वृश्चिक राशि : मिट्टी के हाथी के समक्ष घी व सरसो तेल के दो बड़े दीपक जलाएं । किसी भी लक्ष्मी मंत्र की 21 माला जाप करें तो अक्षय धन की प्राप्ति होती है ।

धनु राशि : सुंदर पीले वस्त्र धारण कर मिट्टी के हाथी पर विविध अलंकार अर्पित करें । मां लक्ष्मी की कृपा चारों तरफ से बरसने लगेगी ।

मकर राशि : किसी भी सजीव हाथी को सवा दर्जन केले खिलाएं और मिट्टी के हाथी को वस्त्रालंकार अर्पित करें । आश्चर्यजनक रूप से हर बाधा दूर होगी और धन की समृद्धि बढ़ेगी ।

कुंभ राशि : चांदी का हाथी बनवाकर उसी की पूजा करें । साथ में मिट्टी का हाथी दीये जलाकर सजाएं और पूजन करें । चांदी के सिक्के चढ़ाएं । यश, सुख, समृद्धि, वैभव, ऐश्वर्य और सौभाग्य से जीवन चमक उठेगा ।

मीन राशि : 11 हल्दी की गांठों को पीले कपड़े में रख कर लक्ष्मी मंत्र की 11 माला जाप कर तिजोरी में रख दें । रोजाना वहां दीया जलाए तो व्यापार की प्रबल उन्नति होने लगती है ।

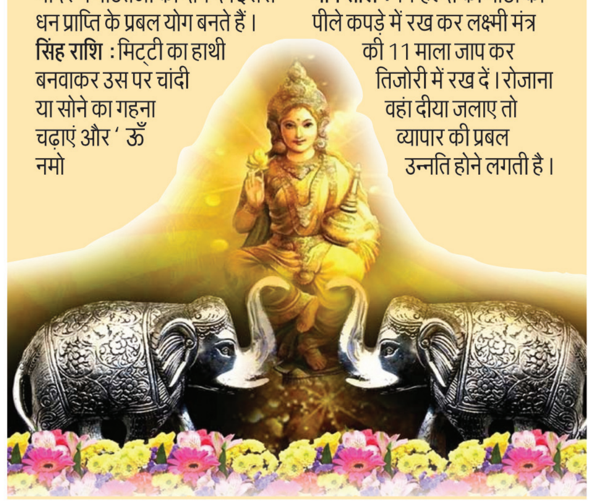

पितरों के समान हैं ये 3 वृक्ष, 3 पक्षी, 3 पशु और 3 जलचर

धर्मशास्त्रों अनुसार पितरों का पितृलोक चंद्रमा के उर्ध्वभाग में माना गया है । दूसरी ओर अग्निहोत्र कर्म से आकाश मंडल के समस्त पक्षी भी तृप्त होते हैं । पक्षियों के लोक को भी पितृलोक कहा जाता है । तीसरी ओर कुछ पितर हमारे वरुणदेव का आश्रय लेते हैं और वरुणदेव जल के देवता हैं । अत: पितरों की स्थिति जल में भी बताई गई है ।

तीन वृक्ष

- **पीपल का वृक्ष** : पीपल का वृक्ष बहुत पवित्र है । एक ओर इसमें जहां विष्णु का निवास है वहीं यह वृक्ष रूप में पितृदेव है । पितृ पक्ष में इसकी उपासना करना या इसे लगाना विशेष शुभ होता है ।
- **बरगद का वृक्ष** : बरगद के वृक्ष में साक्षात शिव निवास करते हैं । अगर ऐसा लगता है कि पितरों की मुक्ति नहीं हुई है तो बरगद के नीचे बैठकर शिव जी की पूजा करनी चाहिए ।
- **बेल का वृक्ष** : यदि पितृ पक्ष में शिवजी को अत्यंत प्रिय बेल का वृक्ष लगाया जाय तो अतृप्त आत्मा को शान्ति मिलती है । अमावस्या के दिन शिव जी को बेल पत्र और गंगाजल अर्पित करने से सभी पितरों को मुक्ति मिलती है ।इसके अलावा अशोक, तुलसी, शमी और केल के वृक्ष की भी पूजा करना चाहिए ।

तीन पक्षी

- **कौआ** : कौए को अतिथि-आगमन का सूचक और पितरों का आश्रम स्थल माना जाता है । श्राद्ध पक्ष में कौओं का बहुत महत्व माना गया है । इस पक्ष में कौओं को भोजन कराना अर्थात अपने पितरों को भोजन कराना माना गया है । शास्त्रों के अनुसार कोई भी क्षमतावान आत्मा कौए के शरीर में स्थित होकर विचरण कर सकती है ।
- **हंस** : पक्षियों में हंस एक ऐसा पक्षी है जहां देव आत्माएं आश्रय लेती हैं । यह उन आत्माओं का ठिकाना हैं जिन्होंने अपने जीवन में पुण्यकर्म किए हैं और जिन्होंने यम-नियम का पालन किया है । कुछ काल तक हंस योनि में रहकर आत्मा अच्छे समय का इंतजार कर पुन: मनुष्य योनि में लौट आती है या फिर वह देवलोक चली जाती है । हो सकता है कि आपके पितरों ने भी पुण्य कर्म किए हों ।
- **गरुड़** : भगवान गरुड़ विष्णु के वाहन हैं । भगवान गरुड़ के नाम पर ही गुरुढ़ पुराण है जिसमें श्राद्ध कर्म, स्वर्ग नरक, पितृलोक आदि का उल्लेख मिलता है । पक्षियों में गरुढ़ को बहुत ही पवित्र माना गया है । भगवान राम को मेघनाथ के नागपाश से मुक्ति दिलाने वाले गरूड़ का आश्रय लेते हैं पितर ।.इसके अलावा क्रोंच या सारस का नाम भी लिया जाता है ।

तीन पशु

- **कुत्ता** : कुत्ते को यम का दूत माना जाता है । कहते हैं कि इसे ईधर माध्यम की वस्तुएं भी नजर आती है । दरअसल कुत्ता एक ऐसा प्राणी है, जो भविष्य में होने वाली घटनाओं और ईथर माध्यम (सूक्ष्म जगत) की आत्माओं को देखने की क्षमता रखता है । कुत्ते को हिन्दू देवता भैरव महाराज का सेवक माना जाता है । कुत्ते को भोजन देने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं । कुत्ते को रोटी देते रहने से पितरों की कृपा बनी रहती है ।
- **गाय** : जिस तरह गया में सभी देवी और देवताओं का निवास है उसी तरह गाय में सभी देवी और देवताओं का निवास बताया गया है । दरअसल मान्यता के अनुसार 84 लाख योनियों का सफर करके आत्मा अंतिम योनि के रूप में गाय बनती है । गाय लाखों योनियों का वह पड़ाव है, जहां आत्मा विश्राम करके आगे की यात्रा शुरू करती है ।
- **हाथी** : हाथी को हिन्दू धर्म में भगवान गणेश का साक्षात रूप माना गया है । यह इंद्र का वाहन भी है । हाथी को पूर्वजों का प्रतीक भी माना गया है । जिस दिन किसी हाथी की मृत्यु हो जाती है उस दिन उसका कोई साथी भोजन नहीं करता है । हाथियों को अपने पूर्वजों की स्मृतियां रहती हैं । अश्विन मास की पूर्णिमा के दिन गजपूजा विधि व्रत रखा जाता है । सुख-समृद्धि की इच्छा रखने वाले उस दिन हाथी की पूजा करते हैं ।.इसके अलावा वराह, बैल और चींटियों का यहां उल्लेख किया जा सकता है । जो चींटी को आटा देते हैं और छोटी-छोटी चिड़ियों को चावल देते हैं, वे वैकुंठ जाते हैं ।

तीन जलचर जंतु

- **मछली** : भगवान विष्णु ने एक बार मत्स्य का अवतार लेकर मनुष्य जाती के अस्त्वि को जल प्रलय से बचाया था । जब श्राद्ध पक्ष में चावल के लड्डू बनाए जाते हैं तो उन्हें जल में विसर्जित कर दिया जाता है ।
- **कछुआ** : भगवान विष्णु ने कच्छप का अवतार लेकर ही देव और असुरों के लिए मदरांचल पर्वत को अपनी पीठ पर स्थापित किया था । हिन्दू धर्म में कछुआ बहुत ही पवित्र उभयचर जंतु है जो जल की सभी गतिविधियों को जानता है ।
- **नाग** : भारतीय संस्कृति में नाग की पूजा इसलिए की जाती है, क्योंकि यह एक रहस्यमय जंतु है । यह भी पितरों का प्रतीक माना गया है ।.इसके अलावा मगरमच्छ भी माना जाता है ।

पितृ पक्ष की सर्वपितृ अमावस्या पर करें श्राद्ध

आश्विन माह की कृष्ण अमावस्या को सर्वपितृ मोक्ष श्राद्ध अमावस्या कहते हैं। यह दिन पितृपक्ष का आखिरी दिन होता है। अगर आप पितृपक्ष में श्राद्ध कर चुके हैं तो भी सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों का तर्पण करना जरूरी होता। आओ जानते हैं इस संबंध में 10 खास बातें।

- सर्वपितृ अमावस्या पितरों को विदा करने की अंतिम तिथि होती है । 15 दिन तक पितृ घर में विराजते हैं और हम उनकी सेवा करते हैं फिर उनकी विदाई का समय आता है । इसीलिए इसे 'पितृविसर्जनी अमावस्या', 'महालय समापन' या 'महालय विसर्जन' भी कहते हैं ।
- कहते हैं कि जो नहीं आ पाते हैं या जिन्हें हम नहीं जानते हैं उन भूले-बिसरे पितरों का भी इसी दिन श्राद्ध करते हैं । अत: इस दिन श्राद्ध जरूर करना चाहिए ।
- कहते हैं कि जो व्यक्ति अपने पितरों का उनकी तिथि के अनुसार या उनकी मृत स्थिति के अनुसार श्राद्ध नहीं करता है तो माना जाता है कि पितर उसके लिए सर्वपितृ अमावस्य पर पुन: नदी तट या उसके द्वार पर आते हैं और वे देखते हैं कि सभी के पितरों के वंशज आएं हैं परंतु हमारे नहीं तब वह निशार और रुष्ठ होकर चले जाते हैं जिसके चलते व्यक्ति के जीवन में बुरा होने लगता है ।
- अगर कोई श्राद्ध तिथि में किसी कारण से श्राद्ध न कर पाया हो या फिर श्राद्ध की तिथि मालूम न हो तो सर्वपितृ श्राद्ध अमावस्या पर श्राद्ध किया जा सकता है । मान्यता है कि इस दिन सभी पितर आपके द्वार पर उपस्थित हो जाते हैं ।
- इस श्राद्ध में गोबलि, श्वानबलि, काकबलि और देवादिबलि कर्म करें । अर्थात इन सभी के लिए विशेष मंत्र बोलते हुए भोजन सामग्री निकालकर उन्हें ग्रहण कराई जाती है । अंत में चींटियों के लिए भोजन सामग्री पत्ते पर निकालने के बाद ही भोजन के लिए थाली अथवा पत्ते पर ब्राह्मण हेतु भोजन परोसा जाता है । इस दिन सभी को अच्छे से पेटभर भोजन खिलाकर दक्षिणा दी जाती है ।
- सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों की शांति के लिए और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए गीता के सातवें अध्याय का पाठ करने का विधान भी है ।
- सर्वपितृ अमावस्या पर पीपल की सेवा और पूजा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं । स्टील के लोटे में, दूध, पानी, काले तिल, शहद और जौ मिला लें और पीपल की जड़ में अर्पित कर दें ।
- शास्त्र कहते हैं कि ''पुन्नामनरकात् त्रायते इति पुत्र:'' जो नरक से त्राण (रक्षा) करता है वही पुत्र है । इस दिन किया गया श्राद्ध पुत्र को पितृदोषों से मुक्ति दिलाता है । अत: पूर्वजों के निमित्त शास्त्रोक्त कर्म करें जिससे उन मृत प्राणियों को परलोक अथवा अन्य लोक में भी सुख प्राप्त हो सके ।
- इस दिन शास्त्रों में मृत्यु के बाद और्ध्वदैहिक संस्कार, पिण्डदान, तर्पण, श्राद्ध, एकादशाह, सपिण्डीकरण, अशौचादि निर्णय, कर्म विपाक आदि के द्वारा पापों के विधान का प्रायश्चित कहा गया है ।
- मान्यता है कि जो व्यक्ति पितृपक्ष में श्राद्ध नहीं करता है और सर्वपितृ अमावस्य को भी श्राद्ध नहीं करता है उसे वर्षभर के लिए अपने पितारों का श्राप झेलने पड़ता है । ऐसे में पितृदोष दो प्रकार से प्रभावित होता है । पहला यह कि जो पितर अधोगति में गए हैं वे ज्यादा अपेक्षा रखकर ज्याता सताते हैं और जो उर्ध्वगति में गए हैं वे श्राप नहीं देते हैं तो आशीर्वाद भी नहीं देते हैं । उनका आशीर्वाद नहीं देना ही नुकसान दायक सिद्ध होता है ।

16 दिनों में न भूलें ये बातें पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध महालय पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए । यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है । यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :-

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें ।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें ।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें ।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें ।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें ।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें । इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें । पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें ।

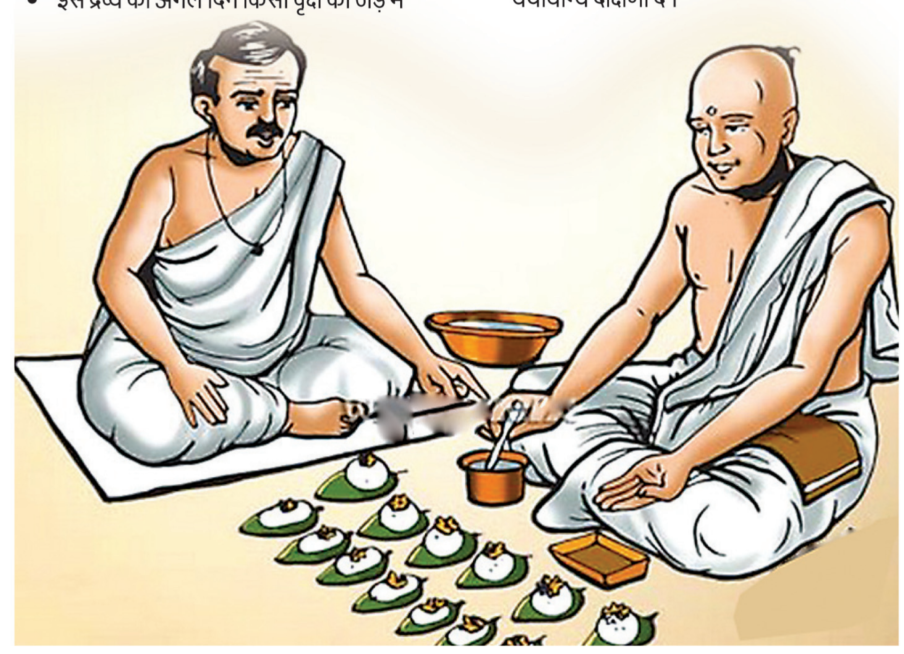

एशिया कप में आज होगा यूएई और ओमान का मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप में सोमवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की टीम का सामना ग्रुप ए मुकाबले में ओमान से होगा। इस मैच में यूएई की टीम का पलड़ा भारी है क्योंकि उसके अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं ओमान की टीम पहली बार इस टूर्नामेंट में उतरेगी। दोनों ही टीमों अपने-अपने शुरुआती मुकाबले हारी हैं। ऐसे में अब इनका लक्ष्य इस मैच को जीतकर अपना खाता खोलना रहेगा। यूएई की टीम का प्रदर्शन अपने पहले मैच में अच्छा नहीं रहा और उसे भारतीय गेंदबाजों ने 57 रनों पर ही समेट दिया था। इसी प्रकार ओमान की टीम भी . पाकिस्तान के खिलाफ 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 67 रन ही बना पायी थी।.

यूएई के मुख्य कोच लालचंद राजपूत को उम्मीद है कि उनकी टीम ओमान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करेगी।. उन्होंने कहा कि टीम को जीत दिलाने कप्तान मुहम्मद वसीम, अलीशान शराफू, राहुल चोपड़ा और आसिफ खान जैसे बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इसके अलावा गेंदबाजों को भी प्रभावी प्रदर्शन करना होगा।

ओमान के शाह फैसल और आमिर कलीम ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अच्छी गेंदबाजी कर तीन-तीन विकेट लिए थे। टीम के खिलाड़ियों के पास ये अपने को साबित करने का बड़ा अवसर है। टीम के बेहतर प्रदर्शन की जिम्मेदारी भारतीय मूल के कप्तान जतिंदर सिंह पर रहेगी।

यूएई और ओमान दोनों ही एसोसिएट टीमें होने के कारण बराबर की टक्कर होगी। इसमें मेजबान यूएई के पास घरेलू हालातों से लाभ उठाने का अवसर है। वहीं ओमान की टीम अपनी फिटनेस और फील्डिंग के बल पर मुकाबले में हावी होना चाहेगी। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं -

यूएई: मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान.

ओमान: जतिंदर सिंह (कप्तान), आशीष ओडेदरा, आमिर कलीम, करण सोनावले, हसनैन शाह, मोहम्मद नदीम, विनायक शुक्ला, हम्माद मिर्जा, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव, मोहम्मद इमरान.

श्रेयस की कप्तानी में 16 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मुकाबले में उतरेगी भारत ए टीम

लखनऊ (एजेंसी)। यहां के इकाना स्टेडियम में भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए टीमों के बीच इसी माह में दो चार दिवसीय क्रिकेट मुकाबले खेले जाएंगे। इसका पहला मुकाबला 16 सितंबर से शुरु होगा। इन मुकाबलों के लिए इकाना स्टेडियम तैयार है। इन मैचों में भारत ए की कप्तानी श्रेयस अय्यर के पास रहेगी। इन मैचों में शामिल खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में जगह बनाने की दावेदारी पेश करेंगे। इसमें श्रेयस के अलावा मोहम्मद सिराज और के एल राहुल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।

भारत की ए टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ी शामिल हैं। दोनो ही टीमों में शामिल कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में रहे हैं, जिससे इस सीरीज में शीर्ष स्तर का क्रिकेट देखने को मिलेगा। ऐसे में ये सीरीज क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक शानदार अनुभव होगी

यह सीरीज न केवल खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका है, बल्कि राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के लिए भी एक अवसर है कि वे भविष्य की भारतीय टीम के लिए नए सितारों की खोज कर सकें। श्रेयस अय्यर के लिए यह मुकाबले राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह बना सकते हैं पर इसके लिए उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

भारत ए टीम

इस टीम के ऐलान के बाद ये भी रेखांकित किया गया है कि केएल राहुल और मोहम्मद सिराज को दूसरे बहु-दिवसीय मैच के लिए टीम में शामिल किया जाएगा और वे पहले बहु-दिवसीय मैच के बाद टीम में शामिल दो खिलाड़ियों की जगह लेंगे.

ऑस्ट्रेलिया ए टीम

जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, जैक एडवर्ड्स, आरोन हार्डी, कैंपबेल केलावे, सैम कोंस्टास, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, फर्गस ओनील, ओलिवर पीक, जोश फिलिप, कोरी रोचिचियोली, लियाम स्कॉट

इस कारण एशिया कप के लिए दुबई नहीं गये हैं बीसीसीआई अधिकारी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारारियों ने एशिया कप से दूरी बनायी हुई है। हालांकि बीसीसीआई ही इसकी मेजबानी कर रहा है। आम तौर पर मेजबान बोर्ड के बड़े अधिकारी कहीं भी टूर्नामेंट खेला जा रहा हो उसमें उपस्थित रहते हैं। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण ही ये टूर्नामेंट यूएई में रखा है। इसके बाद भी बीसीसीआई अधिकारी वहां जाने से बच रहे हैं। इसका कारण देश भर में पाकिस्तान से खेलने का विरोध माना जा रहा है भारत में सोशल मीडिया पर इस मैच के बॉयकॉट की बातें चल रही हैं, इसके टिकटों की भी इस बार मांग नहीं रही। माना जा रहा है कि बीसीसीआई अधिकारी दुबई जाकर जानता को ठेस नहीं पहुंचना चाहते हैं। पहले जहां इस मैच के लिए रोमांच रहता था पर अब ऐसा नहीं है, उसके पूरे टिकट तक नहीं बिके हैं। इसके अलावा मैच को टीवी या ऑनलाइन नहीं देखते की भी अपील हो रही है।

प्रशंसकों ने पहलगाम हमले में पाक के शामिल होने के कारण इस मैच के बहिष्कार की अपील की है। सोशल मीडिया पर भी यह ट्रेंड छाया हुआ है कि जब तक पाक की ओर से सीमा पर आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। तब तक उसके साथ खेलने का मतलब नहीं है। इसी दबाव को देखते हुए सचिव देवजीत सैकिया और अन्य अधिकारी दुबई नहीं गये हैं। वहीं माना जा रहा है कि केवल राजीव शुक्ला ही एसीसी प्रतिनिधि के तौर पर वहां मौजूद रहेंगे। ये भी बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व नहीं माना जाएगा। इससे ये साफ है कि बोर्ड जनभावनाओं के खिलाफ कोई भी कदम नहीं उठाना चाहता है।

हांगकांग पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी श्रीलंका

दुबई (एजेंसी)। श्रीलंका की टीम सोमवार को यहां एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में हांगकांग के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। श्रीलंका ने पहले ही मैच मे बांग्लादेश को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं।

वहीं हांगकांग की टीम को अब तक हुए दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है हालांकि उसकी टीम का प्रदर्शन ठीक कहा जा सकता है। उस कठिन टीमों का सामना करना पड़ा है। अब उसके बल्लेबाजों को नुवान तुषारा और दुष्मंथा चमीरा जैसे तेज गेंदबाजों और रहस्यमयी स्पिनर वानिन्दु हसरंगा का मुकाबला करना होगा। डेथ ओवरों के विशेषज्ञ मथीशा पथिराना पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और अब वह इस मैच में लय हासिल करना चाहेंगे। वहीं बल्लेबाजी की जिम्मेदारी पथुम निसांका, कुसल मेंडिस और कामिल पर रहेंगी। वहीं हांगकांग में कुछ एक ही बल्लेबाज अच्छे हैं। उसके बल्लेबाज यासिम मुर्तज, जीशान अली और अंशुमान रथ किसी प्रकार श्रीलंकाई आक्रमण का सामना करते हैं ये देखना होगा।

बांग्लादेश से हार के बाद मुर्तज़ा ने कहा था कि हमें अच्छी बल्लेबाज करनी चाहिये थी जिसमें हम असफल रहे। ऐसे में अब वह श्रीलंका के खिलाफ बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। वहीं सलामी बल्लेबाज जीशान और अंशुमान पर पावरप्ले में अधिक से अधिक रन बटोरने की जिम्मेदारी रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो हांगकांग की राह बेहद कठिन है क्योंकि श्रीलंकाई टीम उससे हर मामले में काफी आगे है। ऐसे में अधिक अनुभवी इस टीम के खिलाफ उसके खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका: चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानीदु फर्नांडो, कामिंडु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, वानिन्दु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना.

हांगकांग: यासिम मुर्तजा (कप्तान), बाबर हयात, जीशान अली, निजाकत खान, नसरुल्ला राणा, मार्टिन कोएट्जी, अंशुमन रथ, कल्हण चल्लू, आयुष शुक्ला, ऐजाज खान, अतीक इकबाल, किंचित शाह, आदिल महमूद, हारून अरशद, अली हसन, शाहिद वासिफ, मोहम्मद गजनफर, मोहम्मद वहीद, अनस खान, एहसान खान.

अब भारतीय हॉकी टीम को विश्वकप में जीत दिलाना चाहते हैं अभिषेक

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड अभिषेक नैन ने हाल ही में एशिया कप हॉकी में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने अगले साल नीदरलैंड तथा बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। अब अभिषेक का कहना कि वह टीम को विश्व कप में जीत दिलाना चाहते हैं। उनका कहना है कि इस टीम में जीत दर्ज करने की पूरी क्षमताएं हैं। उन्होंने कहा, 'हमने 50 साल से विश्व कप नहीं जीता और मुझे लगता है कि यह टीम जीत सकती है क्योंकि हम शीर्ष टीमों को हरा चुके हैं। हमें बस निरंतरता पर काम करना होगा क्योंकि किसी मैच में तो हम बहुत अच्छा खेलते हैं तो किसी में खराब भी हो जाता है। उन्होंने कहा, 'हमें डीप डिफेंस और सर्कल के भीतर फिनिशंग पर थोड़ा और काम करना होगा। अपने खेल की बात करूं तो मुझे अपने बेसिक्स को बेहतर करना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी के स्वर्णिम दौर को लौटाने के लिये इस टीम को जीत की आदत डालनी होगी। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि 1975 से पहले वाला हमारा स्वर्णिम दौर वापिस लौटे जब हमने ओलंपिक में इतने पदक जीते। मैं चाहता हूं कि हर बड़े टूर्नामेंट में हम देश के लिए पदक जीते। पदक जीतने की हमें आदत पड़ जानी चाहिए। हम उस दिशा में आगे बढ रहे हैं। दो ओलंपिक में कांस्य जीत चुके हैं लेकिन अब हमें पदक का रंग बदलना होगा। उन्होंने कहा, 'अब हमे विश्व कप की तैयारी के लिए लंबा समय मिल गया है। अपनी बात करूं तो मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है जो आगामी टूर्नामेंटों और विश्व कप में काफी काम आएगा। अभिषेक ने कहा कि उन्हें बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा पुर्तगाल के महान फुटबॉलर रोनाल्डो से मिली है।

पाक के पूर्व क्रिकेटर उमर गुल ने भारतीय बोर्ड की रोटेशन प्रणाली को सराहा

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर उमर गुल ने कहा है कि जिस प्रकार भारतीय बोर्ड अपने खिलाड़ियों की देखभाल कर रहा है। उसकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। गुल ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने तेज गेदबाज जसप्रीत बुमराह के मामले में कार्यभार प्रबंधन काफी अच्छे तरीके से किया है। वहीं कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट को भी इससे सीख लेनी चाहिये। उसे भी भारतीय बोर्ड की तरह ही रोटेशन नीति अपनानी चाहिये। पाकिस्तान के इस पूर्व तेज गेंदबाज कहा कि भारतीय बोर्ड ने रोटेशन नीति से बुमराह के करियर की क्षमता को अधिकतम स्तर तक लाने के प्रयास किये हैं। इसी कारण चोट के बाद वापसी के बाद भी बुमराह पहले की तरह ही तेज गेंदबाजी कर रहे हैं। वहीं गुल ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट में स्थापित खिलाड़ियों में भी जगह को लेकर असुरक्षा की भावना है, जिसके कारण वे पूरी तरह से फिट नहीं होने पर भी मैच खेलते हैं। उन्होंने कहा , हमारी व्यवस्था में समस्या ये है कि जब हम खेलते थे, तो कोई भी सीनियर खिलाड़ी अपनी फिटनेस बताने में डरता था। अगर वह 70-80 फीसदी भी फिट होता तो वह कहता मैं खेलना चाहता हूं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि अगर कोई दूसरा खिलाड़ी आता है और अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसकी जगह चली जाती क्योंकि रोटेशन नीति हमारी बोर्ड की संस्कृति में नहीं है। हम केवल उस समय का प्रदर्शन देखते हैं।

धोती-कुर्ते वाले लुक में नजर आये गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली एक नये लुक में नजर आये हैं। प्रिंस ऑफ कोलकाता के नाम से लोकप्रिय गांगुली अपने नाम के अनुसार शाही अंदाज वाले एथनिक लुक में नजर आने आये हैं, जिसके बाद से ही प्रशंसकों ने उनके लुक को सराहा है। इस ट्रेंडिंग फोटोशूट में गांगुली अपने बोर्डरूम ब्लेजर की जगह ही बारीक डिजाइन वाले धोती-कुर्ते पहने दिखे। इससे वह शोस्टॉपर नजर आ रहे थे। इससे सोशल मीडिया पर उनकी जमकर प्रशंसा की गयी है। एक प्रशंसक ने खुशी से कहा, गांगुली मैच और दिल दोनों ही बराबर जीत सकते हैं, जबकि दूसरे ने उन्हें बेहतरीन स्टाइल दादा बताया। वहीं एक बड़ा सवाल यह है कि क्या हो रहा है? त्योहारों का मौसम नजदीक आ रहा है, ऐसे में कई लोग अनुमान लगा रहे हैं कि यह शूट किसी ब्रांड अभियान का हिस्सा हो सकता है। एक बात तो तय है कि गांगुली अपने को नए अंदाज में दिखाना पसंद करते हैं। लॉर्ड्स में अपनी जर्सी लहराने से लेकर धोती पहनकर देसी अंदाज में दादा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह फैशन से बाहर नहीं हो सकते। गौरतलब है कि गांगुली को भारत के सबसे प्रभावशाली क्रिकेट कप्तानों में से एक माना जाता है। साल 2000 से 2005 के बीच उनकी कप्तानी में भारतीय टीम एक नये रुप में नजर आयी। उनकी कप्तानी में टीम आक्रामक होकर उभरी। भारतीय टीम साल 2003 के आईसीसी विश्व कप के फाइनल में पहुंची और उसने विदेशों में बेहतरीन टेस्ट जीत हासिल की। साल 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गांगुली पहले बंगाल और उसके बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष बने। इसके अलावा भी उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियां निभाईं।

सात्विक-चिराग और लक्ष्य हांगकांग ओपन के फाइनल में हारे

हांगकांग (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी तथा लक्ष्य सेन आज हांगकांग ओपन के फाइनल में हार गए और उन्हें उपविजेता रहकर संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी फाइनल में जीत के करीब पहुंच गयी थी, लेकिन यहां पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में चीन के लियांग वेइकेंग और वांग चांग से 62 मिनट में 21-19, 14-21, 17-21 से हार गए।

पुरुष एकल में भारत का खिताब का सपना टूट गया। लक्ष्य सेन को पुरुष एकल फाइनल में दूसरे वरीय चीन के ली शि फेंग से 21-15, 21-12 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस परिणाम के साथ, भारत ने दो रजत पदक के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। शुरुआत से ही, भारतीय जोड़ी में एक उद्देश्यपूर्ण भावना थी। उन्होंने स्पष्ट सर्विस और रिटर्न किया, समझदारी से रैलियां बनाईं और गेम पॉइंट पर एक शांत हॉकआई चैलेंज की मदद से पहला गेम 21-19 से अपने नाम कर लिया।

यह इस बात का संकेत था कि उन्होंने अपनी ताकत और स्थिर निर्णय को कितनी अच्छी तरह से संयोजित करना सीख लिया है। हालाँकि, चीनी जोड़ी ने दूसरे गेम में अपनी लय हासिल कर ली। लियांग के तीखे स्मैश और वांग के तेज इंटरसेप्शन ने भारतीयों को बार-बार बचाव करने पर मजबूर कर दिया। 21-14 का स्कोरलाइन न केवल दूसरी टीम के दबाव को दर्शाता है, बल्कि सात्विक-चिराग की लंबाई और रोटेशन की गुणवत्ता में भी थोड़ी गिरावट दर्शाता है। जैसा कि अक्सर उच्चतम स्तर पर होता है, निर्णायक गेम शुरुआती कुछ आदान-प्रदानों पर निर्भर था।

लियांग और वांग ने शुरुआत में ही हमला बोला और भारतीयों के संभलने से पहले ही स्कोर 6-0 कर दिया। हालांकि सात्विक और चिराग ने बीच में ही अपनी लय पकड़नी शुरू कर दी और साहसिक खेल और तेज पूर्वानुमान के साथ 10-18 से 17-20 पर पहुंच गए, लेकिन अंतर बहुत ज्यादा साबित हुआ। तीसरे मैच पॉइंट पर लियांग के क्लीन विनर ने एक घंटे से ज्यादा चले मुकाबले को पक्का कर दिया।

भारतीय टीम तीसरे गेम को थोड़े अफसोस के साथ, लेकिन साथ ही उत्साह के साथ भी देखेगी। वे कभी भी किसी से कमतर नहीं रहे, बस कुछ जगहों पर उनसे आगे निकल गए। उनका आक्रामक इरादा, खासकर सात्विक के फ्लैट स्मैश और चिराग का नेट पर नियंत्रण, हर शीर्ष जोड़ी को परेशान करता रहा। उन्हें निर्णायक मुकाबलों में शुरुआती झटकों का सामना करने के लिए स्थिरता की जरूरत है, यह एक ऐसा सबक है जो हाल के महीनों में एक से ज्यादा बार सामने आया है। थाईलैंड में जीत के बाद से भले ही वे खिताबों से दूर रहे हों, लेकिन इस अभियान ने यह स्पष्ट कर दिया कि वे विश्व युगल में शीर्ष पर क्यों हैं। अब जबकि सीजन सुपर 750 और सुपर 1000 स्पर्धाओं की ओर बढ़ रहा है, उनकी शुरुआत में थोड़ी कसावट और अंत में एक अटूट ध्यान बहुत बड़ा अंतर ला सकता है। जोड़ी अभी भी अपने कौशल और धैर्य के बीच संतुलन को निखार रही है, उसके लिए हांगकांग सही दिशा में एक और कदम था - भले ही आखिरी कदम अभी उठाना बाकी हो।

नागल की जीत के साथ ही भारत ने डेविस कप में स्विट्ज़रलैंड को 3-1 से हराया

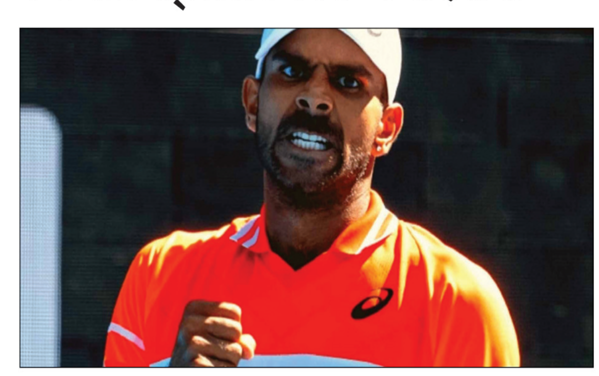

बिएल । भारतीय टीम के सुमित नागल ने डेविस कप टेनिस के विश्व ग्रुप 1 के पहले दौर के मैच में स्विट्ज़रलैंड के हेनरी बर्नेट को एकल में 6-1, 6-3 से हरा दिया। इसी के साथ ही भारत को स्विस टीम पर 3-1 की जीत मिली है। भारतीय टीम अब विश्व ग्रुप के क्वालीफायर में पहुंच गयी है। वहीं स्विट्ज़रलैंड टीम ने भी विश्व ग्रुप 1 से प्ले-ऑफ में जगह बनायी है। भारतीय टीम ने इसी के साथ ही साल 2019 में डेविस कप प्रारूप में बदलाव के बाद से ही पहली बार विश्व ग्रुप 1 के अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम की ओर से दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुरुआती मैच में जेरोम किम को 7-6(5), 6-3 से हराकर अच्छी शुरुआत की। वहीं नागल ने दिन के दूसरे मैच में मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 8-3, 7-6(1) से हराकर शुरुआती एकल के बाद भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद मेजबान स्विस टीम ने पुरुष युगल मुकाबले में वापसी करते हुए जीत दर्ज की। जैकब पॉल और डोमिनिक स्ट्राइकर ने एन. श्रीराम बालाजी और ऋत्विक चौधरी बोलिपल्ली को संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराया। एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए उन्होंने 6-7(3), 6-4, 7-5 से जीत हासिल की और इससे अब स्कोर 1-2 हो गया। भारतीय टेनिस खिलाड़ियों ने अच्छी शुरुआत की और टाई-ब्रेक के बाद पहला सेट अपने नाम किया। इसके बाद नागल ने एकल में बर्नेट को हराकर भारतीय टीम को जीत दिला दी।

भारतीय टीम अक्टूबर-नवंबर में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफीका से टेस्ट सीरीज खेलेगी

मुम्बई(। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) 2027 चक्र को देखते हुए भारतीय टीम को अब अक्टूबर-नवंबर में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफीका से होने वाली सीरीज में जीत दर्ज करनी होगी। ऐसे में टीम के लिए कुछ बातों को ध्यान में रखना जरुरी है। इसमें सबसे पहला तो ये है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तरोताजा रहें। बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के तीन ही मैच में हिस्सा ले पाए। बुमराह तीनों प्रारुपों में भारतीय टीम का अभिन्न अंक है। भारत को आगामी समय में एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप जैसे व्हॉइट बॉल टूर्नामेंट भी खेलने हैं। ऐसे में गिल-गंभीर बुमराह को टेस्ट क्रिकेट के लिए कैसे तरोताजा रखना है इस बात का ध्यान कप्तान और कोच को रखना होगा। इसके अलावा दूसरा ये है कि लिए नंबर तीन पर किये उतारा जाएगा। इस बात का भी ध्यान रखना होगा। इंग्लैंड दौरे पर साई सुदर्शन और करुण नायर को नंबर-3 पर खेलने का मौका मिला पर दोनो ही सफल नहीं रहे।

भारत की जैसमीन लम्बोरिया विश्व चैम्पियन बनी, नुपूर को रजत और पूजा को कांस्य

लिवरपूल (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज जैसमीन लंबोरिया ने अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया जब वह विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता पोलैंड की जूलिया जेरेमेटा को हराकर फीदरवेट वर्ग में चैम्पियन बन गई।

पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली जैसमीन ने 57 किलोवर्ग के फाइनल में शनिवार को देर रात 4-1 (30-27, 29-28, 30-27, 28-29, 29-28) से जीत दर्ज की। नुपूर शेरोन (80 प्लस किलो) और पूजा रानी (80 किलो) को गैर ओलंपिक भारवर्ग में क्रमशः रजत और कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इस जीत के साथ जैसमीन विश्व चैम्पियन बनने वाली भारत की नौवीं मुक्केबाज बन गई।

इससे पहले 6 बार की चैम्पियन एम सी मेरीकोम (2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), दो बार की विजेता निकहत जरीन (2022 और 2023), सरिता देवी (2006), जेनी आरएल (2006), लेखा केसी (2006), नीतू गंघास (2023), लवलीना बोरगोहेन (2023) और स्वीटी बूरा (2023) यह खिताब जीत चुकी है।

तीसरी बार विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रही 24 वर्षीय जैसमीन ने मुकाबले में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। शुरू में दोनों मुक्केबाज एक-दूसरे को परख रही थीं लेकिन रेफरी के उकसावे पर जेरेमेटा ने पहला वार किया। ओलंपिक फाइनल में लिन यू-टिंग से हारने वाली पोलैंड की यह मुक्केबाज तेज और सटीक थी और रक्षात्मक रणनीति का इस्तेमाल करते हुए तेजी से अंदर-बाहर हो रही थी। उन्होंने पहला राउंड 3-2 से जीत लिया। लेकिन दूसरे राउंड में भारतीय खिलाड़ी ने जोरदार वापसी की।

जैसमीन ने मुकाबले पर नियंत्रण बनाया तथा आक्रमण और रक्षण के बीच शानदार समन्वय स्थापित किया जिससे सभी जज उनके पक्ष में हो गए। जब अंतिम फैसला सुनाया गया, तो आमतौर पर शांत रहने वाली जैसमीन ने हल्की सी चीख मारी और फिर हाथ उठाकर अपनी निराश प्रतिद्वंद्वी को शालीनता से गले लगा लिया। पदक समारोह में, जब पूरे स्टेडियम में भारतीय राष्ट्रगान गूंज रहा था, तो उनकी आंखें चमक उठीं।

एक अन्य फाइनल में नुपुर को पोलैंड की तकनीकी रूप से कुशल अगाता काज्मार्स्का से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्हें रजत पदक मिला। नूपुर अपने लंबे कद के बावजूद मुकाबले में खुद को हावी नहीं कर पाईं। उन्होंने शानदार शुरुआत की और मुक्कों की झड़ी लगा दी, लेकिन काज़्मार्स्का ने लगातार आक्रामकता से जवाब दिया और ऐसे वार किए कि भारतीय खिलाड़ी निढाल हो गई। जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, नूपुर मुक्के मारने में हिचकिचाने लगीं, जबकि पोलैंड की खिलाड़ी लगातार आक्रमण करती रही।

निर्णायक क्षण अंतिम राउंड में आया जब अगाता ने एक ज़बरदस्त अपरकट लगाया जो मुकाबला 3-2 से उनके पक्ष में करने और उनके पहले विश्व ख़िताब को सुनिश्चित करने के लिए काफी था। इससे पहले सेमीफाइनल में पूजा को स्थानीय खिलाड़ी एमिली एस्क्विथ के हाथों 1-4 के विभाजित फैसले से हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। पूजा ने राउंड के बाद अपने नपे-तुले खेल से बढ़त बना ली। लेकिन एस्क्विथ ने तेजी से अपने खेल की रणनीति में बदलाव करते हुए 34 वर्षीय पूजा की लय को बेअसर कर दिया।

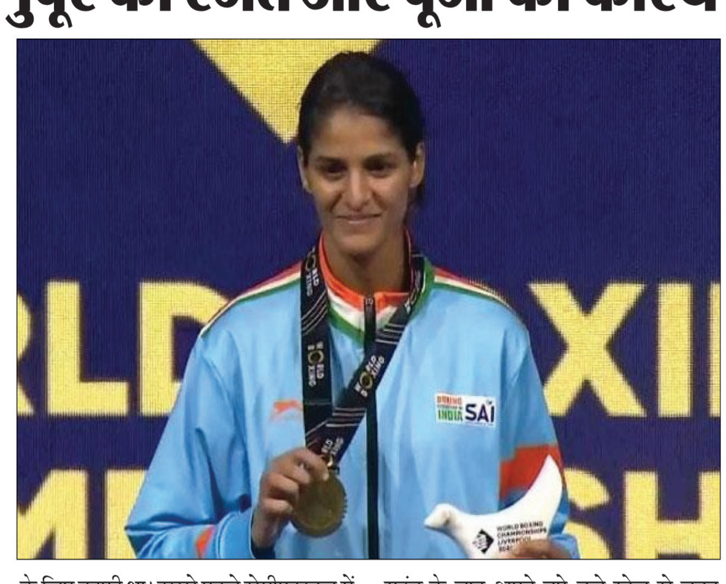

एएफसी महिला एशियाई कप आसान नहीं रहेगा : स्वीटी

जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे से खेलना होगा

उदयपुर । भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान स्वीटी देवी ने कहा है कि उनकी टीम का लक्ष्य अगले साल होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। स्वीटी के अनुसार एशियाई कप में मुकाबले आसान नहीं रहेंगे। उसे इसमें जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे जैसी मजबूत टीमों के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। ऐसे में टूर्नामेंट की अच्छी तैयारी के लिए उसे इससे पहले होने वाले दोस्ताना मैच में मेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम महिला एशियाई कप की शुरुआत में ग्रुप सी में 4 मार्च, 2026 को वियतनाम के खिलाफ शुरुआती मुकबाला खेलेगी। वहीं इसके बाद उसे 7 मार्च को जापान और 10 मार्च को चीनी ताइपे से खेलना होगाहोगा। स्वीटी ने कहा, यह टूर्नामेंट हमारे लिए आसान नहीं होगा पर हमारी पूरी तैयारी रहेगी। हम अगले साल मार्च तक कई मैत्री मैच खेलेंगे और उन मैचों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। साथ ही कहा कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के किये जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे महिला फुटबॉल का विकास होगा। इसी कड़ी में जिंक फुटबॉल अकादमी का प्रारंभ होना भी सकारात्मक कदम है। इस महीने क्वालिफायर में मेजबान थाईलैंड को 2-1 से हराकर स्वीटी की कप्तानी में भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने टूर्नामेंट के लिए एशियाई कप के क्वालिफाई किया था।

स्वीटी ने कहा, मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तानी करने का अवसर मिला। मैं भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करती रहूंगी और अपने फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के लिए प्रयास करूंगी। मुझे भरोसा है कि हमारी टीम में इस प्रकार की क्षमता है हालांकि इसके लिए हमें कठिन प्रयास करने होंगे।

गले में तख्ती डालकर थाने पहुंचा आरोपी... आज से हर लड़की को अपनी मां-बहन समझूंगा

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में 11वीं कक्षा की छात्रा के साथ छेड़खानी और मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। कोचिंग जा रही छात्रा को आरोपी यश कुमार ने रोका और विरोध करने पर मारपीट की। आरोपी ने छात्रा को तीन थप्पड़ मारे और उसके चेहरे पर थूका। आरोपी ने बलपूर्वक छात्रा को जबरन अपनी गाड़ी में बैठाने की भी कोशिश की। छात्रा के साथियों के आने पर आरोपी धमकी देकर भाग गया। जब पीड़िता की मां ने थाने में शिकायत की और कार्रवाई नहीं हुई, तब वे संयुक्त पुलिस आयुक्त आशुतोष कुमार के पास गईं। उनके निर्देश पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की सख्ती देखकर आरोपी यश कुमार एक तख्ती गले में डालकर थाने पहुंचा, जिस पर लिखा था, मुझे माफ कर दीजिए, आज से हर लड़की को अपनी मां-बहन समझूंगा। पीड़िता की मां के अनुसार, आरोपी कई दिनों से उनकी बेटी का पीछा कर रहा था। घटना 8 सितंबर की है, जब आरोपी अपने 8-10 दोस्तों के साथ आया और छात्रा का रास्ता रोककर उसका हाथ पकड़ा। जब छात्रा ने विरोध किया तो उसे मारा-पीटा गया और उसके चेहरे पर थूका गया। छात्रा के साथियों ने जब बचाव करने की कोशिश की, तब उन्हें भी पीटा गया।

सपा विधायक इकबाल महमूद का दावा, आगामी 500 साल तक भारत का प्रधानमंत्री नहीं बन सकता कोई मुस्लिम

संभल (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ विधायक इकबाल महमूद ने दावा करते हुए कहा है, कि भारत में अगले 500 साल तक कोई मुस्लिम प्रधानमंत्री नहीं बन सकता है। उनके इस बयान को लेकर राजनीति गर्मा गई है और लोग इसे विवादित बयान बता रहे हैं। एक कार्यक्रम के दौरान सपा विधायक महमूद ने कहा, कि हमने गैर मुस्लिम को ही अपना नेता माना है। मुख्यमंत्री की बात करें तो जम्मू-कश्मीर को छोड़ दें तो सभी राज्यों में गैर मुस्लिम ही मुख्यमंत्री हैं। मुसलमानों को मालूम है कि वो क्या बन सकते हैं, इसलिए वे सोच-समझकर फैसला लेते हैं। इसी के साथ ही सपा विधायक महमूद ने कहा, कि मुसलमानों की प्राथमिकता अपने धर्म, मस्जिद और मदरसे की सुरक्षा है। जो भी पार्टी उनकी इन आवश्यकताओं की रक्षा करती है, मुसलमान उसका साथ देता है। उन्होंने दावा किया कि सपा, बसपा और कांग्रेस ने मुसलमानों के लिए काम किया है, इसलिए मुस्लिम समाज उन्हें वोट देता है। यहां विधायक महमूद ने भाजपा पर निशाना भी साधा और कहा कि बीजेपी मुसलमानों के लिए कुछ नहीं करती और वह केवल 80-20 के बंटवारे की राजनीति करती है। उनका इशारा हिंदू-मुस्लिम वोट बैंक की तरफ था। इस बयान के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में नई बहस शुरू हो गई है। बीजेपी नेता इसे मुसलमानों की वोटबैंक राजनीति बताकर सपा पर हमला कर रहे हैं, जबकि विपक्ष का कहना है कि यह बयान भाजपा की ध्रुवीकरण की राजनीति का नतीजा है।

आज से तेजस्वी निकल रहे बिहार अधिकार यात्रा शुरू, जहानाबाद से शुरू होकर वैशाली में समाप्त होगी

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी में बिहार अधिकार यात्रा शुरू की है। यह यात्रा 16 को जहानाबाद से शुरू होकर 20 सितंबर को वैशाली में समाप्त होगी, जिसमें पांच दिनों में 10 जिलों को कवर किया जाएगा। यात्रा का मुख्य उद्देश्य आगामी चुनाव से पहले मतदाताओं के साथ संवाद स्थापित करना है। यात्रा के दौरान, तेजस्वी यादव जनसंवाद के माध्यम से कई निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों से सीधे जुड़ने वाले है। इस पहल को उनकी पिछली मतदाता अधिकार यात्रा के बाद शुरू किया गया है, जिसमें उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मतदाता सूची संशोधन से संबंधित मुद्दों पर प्रचार किया था। राजद के प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू ने यात्रा में पार्टी के सांसदों, विधायकों, जिला अध्यक्षों और नेताओं को शामिल होने का निर्देश दिया है। यात्रा का मार्ग जहानाबाद से नालंदा, पटना, बेगूसराय, खगड़िया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, समस्तीपुर होकर वैशाली तक जाएगा। तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर, राज्य में अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया है कि राज्य में अपराध चरम पर है और भ्रष्टाचार व्यापक रूप से फैला हुआ है।

अहमदाबाद में मर्सिडीज कार की डिग्गी में मिली बिल्डर की लाश

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में हत्या का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां बिल्डर की लाश विराटनगर ओवरब्रिज के नीचे पार्किंग में मर्सिडीज कार की डिग्गी में मिली है। हत्या की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी, मृतक हिम्मत रुड़ानी के फोन कॉल्स की डिटेल्स के माध्यम से जांच शुरू कर दी है। हालांकि अभी तक हत्यारों का पता नहीं चल सका है। जानकारी के अनुसार विराटनगर ओवरब्रिज के नीचे पार्क की गई सफेद रंग की मर्सिडीज कार में से दुर्गंध आ रही थी। जिसके बाद 13 सितंबर की रात लोगों के द्वारा पुलिस को कार में से दुर्गंध आने की जानकारी दी गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस को जांच में पता चला कि डिग्गी में लाश है। पुलिस ने लाश की पहचान हिम्मत रुड़ानी की रुप में की, जो की एक बिल्डर थे। जानकारी के मुताबिक किसी अज्ञात शख्स ने बिल्डर हिम्मत रुड़ानी की हत्या करके उनकी लाश को कार की डिग्गी में छोड़कर फरार हुआ है। मृतक हिम्मत रुड़ानी के शरीर पर घाव के निशान मिले हैं, जो की किसी धारदार हथियार से किए गए हैं। मृतक की कॉल डिटेल्स और ब्रिज के आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। परिजनों से बातचीत की जा रही है। पुलिस सूत्रों के पास से मिल रही जानकारी के मुताबिक बिल्डर रुड़ानी की हत्या मामले में एक नाबालिग सहित तीन लोगों को राजस्थान के सिरोही से हिरासत में लिया गया है बताया जा रहा है कि हिम्मत रुड़ानी सुबह अपने घर से कंस्ट्रक्शन साइट पर जाने के लिए निकले थे, उसके बाद से उनका संपर्क नहीं हो पा रहा था।

इस साल भारी तबाही मचाने के बाद आज से शुरु होगी मानसून की वापसी

बारिश और बादल फटने की घटनाओं में सैकड़ों लोगों की गई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल भारत के कई राज्यों में भारी बारिश ने जमकर तबाही मचाई। राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, बिहार, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में भारी तबाही मची। खासकर पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं में 300 से ज्यादा लोगों की जान चली गई।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिकि दक्षिण-पश्चिम मानसून 15 सितंबर से उत्तर-पश्चिम भारत से वापसी शुरू कर सकता है। विभाग ने कहा है कि 17 सितंबर से मानसून पूरी तरह लौटना शुरू करेगा और 15 अक्टूबर तक यह देश से पूरी तरह चला जाएगा। राजस्थान में 15 सितंबर से मानसून की वापसी शुरू होगी, जबकि कर्नाटक के रास्ते यह 15 अक्टूबर तक पूरी तरह लौट जाएगा। इस साल मानसून 24 मई को केरल पहुंचा था, जो 2009 के बाद सबसे जल्दी आया। पूरे सीजन में देश में सामान्य 778.6 मिमी बारिश की तुलना में 836.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 7 फीसदी ज्यादा है। उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य 538.1 मिमी की तुलना में 34 फीसदी ज्यादा यानी 720.4 मिमी बारिश हुई। मध्य भारत में 978.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य 882 मिमी से 11 फीसदी ज्यादा है। दक्षिण भारत में भी सामान्य 611 मिमी से 7 फीसदी ज्यादा बारिश हुई। हालांकि, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में बारिश सामान्य से कम रही, जहां 949.6 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य 1192.6 मिमी से 20 फीसदी कम है। पंजाब में भारी बारिश के कारण दशकों बाद बाढ़ ने तबाही मचाई है। राज्य के सभी 23 जिले और 1900 से ज्यादा गांव जलमग्न हैं। लाखों हेक्टेयर फसलें बर्बाद हो गईं और हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में नदियों ने विकराल रूप धारण किया, जिसके चलते कई पुल बह गए। बादल फटने की घटनाओं ने इन राज्यों में और ज्यादा तबाही मचाई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि मानसून की वापसी के दौरान भी कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना बनी रहेगी। प्रभावित राज्यों की सरकारें राहत और बचाव कार्यों में जुटी हैं, लेकिन बारिश से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

सभी विधानमंडल अपनी कार्यवाही और चर्चा की गुणवत्ता सुनिश्चित करें : बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि सभी विधानमंडल अपनी कार्यवाही और चर्चा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मानक स्थापित करें। सदनों में नियोजित गतिरोध पर चिंता व्यक्त करते हुए ओम बिरला ने सभी राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों के साथ व्यापक संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मीडिया से भी आग्रह किया कि सदन में तथ्यपरक, सारगर्भित चर्चा करने वाले जनप्रतिनिधियों के दृष्टिकोण को प्रमुखता से दिखाए, ताकि सदस्यों के बीच स्वस्थ संवाद के लिए प्रतिस्पर्धा हो। लोक सभा अध्यक्ष ने कर्नाटक विधानमंडल की मेज़बानी में आयोजित 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए)-भारत क्षेत्र सम्मेलन के समापन समारोह में ये विचार व्यक्त किए। बिरला ने कहा कि इन सम्मेलनों के माध्यम से हमारा प्रयास है कि आने वाले समय में विधानमंडल नियोजित गतिरोध के बिना कार्य कर सकें। बेंगलुरू में चले इस तीन दिवसीय सम्मेलन का समापन कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के भाषण के साथ हुआ। कर्नाटक विधान परिषद के सभापति, विधान सभा के अध्यक्ष ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए सदनों के अंदर गतिरोध और व्यवधान को समाप्त किए जाने, संसद के सहयोग से राज्यों की विधायी संस्थाओं की अनुसंधान एवं सन्दर्भ शाखाओं को मजबूत करने, विधायी संस्थाओं में डिजिटल टेक्नोलॉजी का अधिक से अधिक उपयोग सुनिश्चित करने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर सर्वसम्मति से संकल्प अंगीकृत किए गए। लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि जनता यह महसूस करे कि विधानमण्डल उनकी आवाज़ का सशक्त मंच है, न कि केवल राजनीतिक टकराव का स्थान। वैचारिक या राजनैतिक मतभेदों के आधार पर सदन रोकने के स्थान पर हमारा संकल्प सदन चलाने का होना चाहिए।

देश की जनता बदलाव चाहती है, सत्ता परिवर्तन वोट के जरिये ही संभव

-सपा प्रमुख बोले- बीजेपी हटेगी तभी संविधान बचेगा, आरक्षण बचेगा

लखनऊ, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुखा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि देश में सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक व्यवस्था में वोट के जरिए ही संभव है। उन्होंने कहा कि गैरबराबरी, महंगाई, भ्रष्टाचार से सभी त्रस्त हैं। आरक्षण को खत्म करने की साजिशें रची रही हैं। जनता बदलाव चाहती है। वह और इंतजार के मूड में नहीं है। 2027 के विधानसभा चुनावों में सपा की सरकार बनना तय है। बीजेपी को वोट के लोकतांत्रिक अधिकार के जरिए ही शांतिपूर्ण अहिंसक तरीके से अब सत्ता से उखाड़ फेंकने का समय आ गया है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी हटेगी तभी संविधान बचेगा। आरक्षण बचेगा। सामाजिक आर्थिक गैरबराबरी मिटेगी और लोगों में खुशहाली आएगी। बीजेपी की हार के बाद सामाजिक न्याय का राज कायम होगा। पीडीए जीतेगा और जातीय जनगणना से समानुपातिक आधार पर सबको उनका हक और सम्मान मिलेगा। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी ने लोकतंत्र और संविधान को बहुत नुकसान पहुंचाया है। इस सरकार में अन्याय और अत्याचार चरम पर है। किसी को न्याय नहीं मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार से हर वर्ग परेशान हो चुका है। बीजेपी सरकार में पीडीए के साथ लगातार अपमान और उपेक्षा हो रही है। पीडीए एकजुट हो रहा है। पीडीए सामाजिक-राजनीतिक विकल्प है। उन्होंने कहा कि बीजेपी लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद संविधान की प्रस्तावना में है बीजेपी इन्हीं पर हमले कर रही है। गरीबी-अमीरी के बीच खाई गहरी हो गई है जिसके कारण लोगों में बीजेपी सरकार से नाराजगी है। बीजेपी सरकार में विकास कार्य ठप हैं। उसका न कोई स्पष्ट विजन है और नहीं कार्य दिशा है।

फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के पक्ष में भारत, यूएनजीए में दिया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम-एशिया में इजरायल और हमास के बीच लंबे वक्त से जारी भीषण संघर्ष के दौर में भारत, फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के पक्ष में खड़ा हो गया है। साथ ही उसने मामले पर विश्व के सबसे बड़े निकाय संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भी इस संबंध में बीते शुक्रवार देर रात आए एक प्रस्ताव के समर्थन में मतदान किया है। जिसे जानकार वर्तमान में गाजा को लेकर बने हुए भारत के रुख से इतर उसका एक बड़ा कदम बता रहे हैं।

पूर्व में करीब तीन वर्षों से भारत ने यूएन में मामले पर लाए गए प्रस्तावों पर मतदान से दूरी बनाता हुआ नजर आ रहा था। लेकिन दशकों से वह द्विराष्ट्र सिद्धांत के जरिए इस समस्या का समाधान निकालने का समर्थन करता रहा है। जिसमें यह स्पष्ट है कि इजरायल के साथ फिलिस्तीन को भी एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी जाएगी। महासभा में फ्रांस और सऊदी अरब द्वारा यह प्रस्ताव लाया गया था। जिसे भारत समेत दुनिया के कुल 142 देशों ने अपना समर्थन प्रदान किया। अमेरिका, इजरायल, अर्जेंटीना के साथ ही 10 देशों ने इसके विरोध में मतदान किया। जबकि दर्जनभर देशों ने मतदान से दूरी बनाई। इजरायल ने न्यूयॉर्क घोषणापत्र को अस्वीकार करते हुए महासभा की प्रासंगिकता पर ही सवालिया निशान लगा दिया है।

यहां बता दें कि बतौर स्वतंत्र देश के रूप में फिलिस्तीन को समर्थन देने वाले 142 देशों में खाड़ी के सभी अरब देश शामिल हैं। मतदान प्रक्रिया के तुरंत बाद महासभा ने प्रस्ताव को न्यूयॉर्क घोषणापत्र के रूप में स्वीकार किया। इसी साल जुलाई महीने में यूएन में हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक में घोषणापत्र को फ्रांस और सऊदी अरब की सह-अध्यक्षता में वितरित किया गया था। जिसका उद्देश्य मामले के समाधान के लिए फिर से संवाद प्रक्रिया के सिलसिले की शुरुआत करना था। जिससे दशकों से लंबित पड़ा यह विवाद आखिरकार हल किया जा सके और इलाके में शांति स्थापित की जा सके।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि इस प्रस्ताव को महासभा के 142 देशों के समर्थन के जरिए फिलिस्तीन समस्या के निदान को लेकर हमने दो राष्ट्र सिद्धांत के पक्ष में अपना संकल्प जताया है। हम सभी देश एकजुटता से मध्य-पूर्व में शांति स्थापित करने के लिए एक पृथक मार्ग का निर्माण कर रहे हैं।

चुनाव आयोग ने दो टूक कहा- एसआईआर कब लागू करना है ये न्यायालय तय नहीं कर सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसआईआर को लेकर पूरे देश में बहस छिड़ी हुई है। विवाद बढ़ा तो मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। 8 सितंबर को न्यायमूर्ति सूर्या कांत की पीठ ने आदेश दिया कि आधार कार्ड को मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए 12वें वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाए। आयोग इस पर आरक्षण जता रहा था, लेकिन अदालत ने कहा कि भले ही आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है यह पहचान और निवास का वैध साक्ष्य है।

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को दिए जवाब में यह स्पष्ट कर दिया है कि उसे किसी भी तय अंतराल पर विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) कराने के लिए अदालत बाध्य नहीं कर सकती है। आयोग का कहना है कि संविधान और कानून के अनुसार मतदाता सूची तैयार करने और संशोधित करने का अधिकार विशेष रूप से उसी के पास निहित है। आयोग ने दाखिल हलफनामे में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1950 और मतदाता पंजीकरण नियम- 1960 के तहत मतदाता सूची तैयार करने व संशोधित करने का अधिकार केवल चुनाव आयोग को है।

अदालत द्वारा तय अंतराल पर संशोधन का आदेश देना आयोग की पूर्ण संवैधानिक शक्तियों में हस्तक्षेप होगा। कानून में किसी निश्चित समयावधि का प्रावधान नहीं है, आयोग परिस्थितियों के अनुसार सारांश, गहन या विशेष संशोधन करने के लिए स्वतंत्र है। यह हलफनामा अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका के जवाब में दायर किया गया है। उपाध्याय ने मांग की है कि देशभर में विशेष संशोधन नियमित अंतराल पर हों, ताकि गैरकानूनी विदेशी घुसपैठिये चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित न कर सकें।

उनका आरोप है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और म्यांमार से आए अवैध प्रवासियों और जनसंख्या असंतुलन ने कई राज्यों की मतदाता सूचियों को विकृत किया है। उन्होंने दावा किया कि बिहार की हर विधानसभा सीट में 8,000-10,000 तक फर्जी या दोहराए गए नाम हो सकते हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चल रही विशेष संशोधन प्रक्रिया पर विपक्षी इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया है कि यह मतदाता सूची को पक्षपातपूर्ण बनाने की कोशिश है। चुनाव आयोग ने पलटवार करते हुए कहा कि राजनीतिक दलों को प्रदर्शन करने के बजाय सही मतदाताओं की मदद करनी चाहिए। आयोग ने अदालत को बताया कि 1 जनवरी 2026 को पात्रता तिथि मानते हुए विशेष गहन संशोधन पहले ही तय कर लिया गया है। सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पूर्व-तैयारी गतिविधियां शुरू करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। 10 सितंबर को दिल्ली में सीईओ सम्मेलन आयोजित कर तैयारी की समीक्षा की गई।

भारत-पाक मैच को लेकर भड़के ओवैसी, सरकार को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में आज रात होने वाले भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक विवाद गहराता जा रहा है। पाहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की मौत और उसके बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर के बीच इस मैच पर सवाल उठाते हुए विपक्ष और पीड़ित परिवारों ने बहिष्कार की मांग की है। वहीं एआईएमआईएम चीफ और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी और उनकी पार्टी ने न केवल सवाल उठाए बल्कि खरी-खरी सुना दी।

एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, क्या हमारे 26 नागरिकों की जान की कीमत कुछ हजार करोड़ रुपये से कम है? प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते, बातचीत और आतंकवाद साथ नहीं चल सकते। फिर एक क्रिकेट मैच से बीसीसीआई को कितनी कमाई होगी, 2000 करोड़, 3000 करोड़? क्या पैसों की कीमत जान से ज्यादा है?' ओवैसी ने असम और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से भी सवाल किया कि क्या उनके पास यह ताकत नहीं है कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से इनकार कर सकें?

वहीं भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा, कांग्रेस के शासन में भी मैच खेले जाते थे। हमने पाकिस्तान को जंग में हराया है, क्रिकेट में भी हराएंगे। मैदान छोड़ना सही नहीं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि मैच और तनाव को अलग-अलग मुद्दे समझना चाहिए। उन्होंने कहा, खेल का भी महत्व है। खिलाड़ियों ने मेहनत की है। जो फैसला लिया गया है, सोच-समझकर लिया गया है।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने नागरिकों से मैच न देखने की अपील की। उन्होंने कहा, क्रिकेट पर आतंक को तरजीह न दें, पाहलगाम के 26 परिवारों के साथ खड़े हों। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करते हुए कहा, युद्ध और क्रिकेट साथ-साथ कैसे हो सकते हैं? इन्होंने देशभक्ति को भी धंधा बना दिया है। कांग्रेस नेता अभिषेक दत्त ने मैच रद्द करने की मांग की और कहा कि सरकार के नो टॉक्स विद टेरर वाले रुख से यह निर्णय मेल नहीं खाता। आप नेताओं ने पाकिस्तान का पुतला जलाया। पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने क्लबों और रेस्टोरेंट्स का बहिष्कार करने की अपील की, जो मैच का लाइव प्रसारण करेंगे।

सीएम ममता ने दी हिंदी दिवस की शुभकामनाएं, छठ महापर्व पर किया छुट्टी का ऐलान

-आगामी विधानसभा चुनावों से पहले यह फैसला ममता की चुनावी रणनीति का हिस्सा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को हिन्दी दिवस के अवसर पर एक बड़ा ऐलान किया है। इस दौरान उन्होंने बिहार और उत्तर भारत से जुड़े हिंदी भाषी समुदाय को साधने की कोशिश की है। उन्होंने हिन्दी भाषियों को शुभकामनाएं दीं, बल्कि छठ महापर्व के मौके पर दो दिन की सरकारी छुट्टी का भी ऐलान किया है। माना जा रहा है कि आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले यह फैसला ममता की चुनावी रणनीति का हिस्सा है, जिससे वे राज्य में बसे बिहारी और हिंदी भाषी वोट बैंक को अपने पाले में लाना चाहती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा- आज हिन्दी दिवस है। इस अवसर पर सभी हिन्दी भाषी भाई-बहनों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। हर साल हम श्रद्धा के साथ हिन्दी दिवस मनाते हैं। हम सभी भाषाओं के प्रति श्रद्धावान हैं। उन्होंने बताया कि 2011 के बाद से उनकी सरकार ने हिन्दी भाषी लोगों के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं, जिन क्षेत्रों में 10 फीसदी से ज्यादा लोग हिन्दी बोलते हैं, वहां हिन्दी को सरकारी भाषा का दर्जा दिया गया है। साथ ही संथाली, उर्दू, नेपाली, पंजाबी, तेलुगु और उड़िया जैसी कई भाषाओं को भी मान्यता दी गई है।

सीएम ममता ने कहा कि हिन्दी के विकास के लिए हिन्दी अकादमी का गठन किया गया है। हावड़ा में हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना की गई और नक्सलबाड़ी व बानारहाट में हिन्दी माध्यम डिग्री कॉलेज खोले गए हैं। उच्च माध्यमिक के प्रश्नपत्र अब हिन्दी में उपलब्ध हैं और कई कॉलेजों में हिन्दी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। इसके साथ ही सीएम ममता ने कहा कि 'हिन्दी भाषी समुदाय की भावनाओं का सम्मान करते हुए, राज्य सरकार ने छठ पूजा के उपलक्ष्य में दो दिन की सरकारी छुट्टी का ऐलान किया है। बंगाल में बड़ी संख्या में बिहारी और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आए लोग रहते हैं और छठ पूजा उनकी आस्था का सबसे बड़ा पर्व है। ममता का यह कदम सीधा इस वर्ग को साधने वाला है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला बीजेपी के लिए मुश्किल खड़ी कर सकता है, क्योंकि बीजेपी भी बंगाल में हिंदी भाषी समुदाय को साधने का प्रयास करती है, लेकिन छठ पर्व पर सरकारी छुट्टी देकर ममता ने सीधे उस वर्ग की भावनाओं को छुआ है, जिससे बीजेपी खुलकर विरोध भी नहीं कर पाएगी। ममता ने चुनाव से पहले हिन्दी भाषी समुदाय को धार्मिक और सांस्कृतिक तोहफा देकर बड़ा मास्टरस्ट्रोक लगाया है। इसका फायदा आने वाले विधानसभा चुनाव में टीएमसी को मिल सकता है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**